kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-13 | अंक-292 | शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, बिना बाधा के वैध वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का पक्षधर है। — राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक : धनखड़ 11

माउंट चो ओयू फतेह करने वाली शीतल ने राज्यपाल से की भेंट 12

संक्षेप

अलीगढ़ में बस और ट्रक में भिड़ंत,पांच मरे,15 घायल

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के टप्पल क्षेत्र में बस और ट्रक की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे के 56 नंबर प्वाइंट पर बीती देर रात यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली से आजमगढ़ जा रही डबल डेकर बस ने एक ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 15 अन्य घायल हो गये। मृतकों में एक मासूम समेत तीन लोगों की पहचान की गयी है। मृतकों में पारुल (25), उसका पांच माह का बेटा आरोह और प्रतापगढ़ के हसमुख सरोज शामिल है। घायलों में 11 माह की बच्ची, एक छोटी लड़की, पांच वर्ष का बच्चा, तीन महिलाएं और नौ पुरुषों को जेबर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस फैज़ाबाद के कृष्णा ट्रेवल्स की बताई जा रही है जबकि ट्रक में बीयल की केन का स्क्रैब लदा था। हादसे के कारण कुछ समय के लिये यातायात बाधित किया हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर बस और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को किनारे कर यातायात बहाल करा दिया है।

प्रदेश के 50 फीसदी प्राइमरी स्कूल बनेंगे आदर्श विद्यालय

लखनऊ। अगले पांच वर्षों में प्रदेश के 50 फीसदी प्राइमरी स्कूल आदर्श विद्यालय बन जाएंगे। सरकार ने इसके लिए बकायदा एक रोडमैप तैयार कर उस पर अमल करने के बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं। इसके तहत चिन्हित स्कूलों में आदर्श विद्यालयों के सारे मानकों को पूरा किया जाएगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत चयनित विद्यालयों में मानकों के अनुरूप सुधार किए जाएंगे। चयनित स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित, तनाव मुक्त और खुशहाल माहौल दिया जाएगा ताकि वे वास्तव में सीख और विकास कर सकें। साथ ही स्कूलों में शैक्षिक माहौल बनाया जाएगा और किसी भी शिक्षक को किसी भी गैर-शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाएगा। चयनित स्कूलों में कम सेकम पांच शिक्षण कक्ष बनाए जाएंगे और उसी के हिसाब से न्यूनतम पांच शिक्षकों की तैनाती भी की जाएगी।

कीमती उपहार से उपजे विवाद पर रेलवे की सफाई

नयी दिल्ली। रेलवे ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) के सांसद सुदामा प्रसाद को संसदीय स्थायी समिति के दौरे के समय उपहार में सोने का स्मारक सिक्का और चांदी की वस्तु देने को लेकर विवाद पर गुरुवार को स्पष्ट किया कि ये उपहार किसी अपेक्षा के साथ नहीं बल्कि शिष्टाचार की दृष्टि से भेंट किए गए थे। सूत्रों के अनुसार रेलवे के उपक्रमों राइट्स के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर कार्यक्रमों में स्मृति चिह्न के तौर पर विशेष रूप से एक-एक ग्राम सोने के सिक्के बनवा कर सभी कर्मचारियों को बांटे गए थे।

गौतम अडाणी पर अमेरिका में धोखाधड़ी का आरोप

सहयोगियों पर भी भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से 'झूठे और भ्रामक' बयानों के आधार पर धन प्राप्त करने की अरबों डॉलर की योजना में उनकी कथित भूमिका के लिए अमेरिका की अदालत में आरोप लगाए गए हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफ़िस, ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ न्यूयॉर्क के अनुसार, रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आपराधिक आरोप ब्रुकलिन की एक संघीय अदालत में लगाया गया है।

इस बीच, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई पर अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसके साथ ही, अदानी समूह की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज के शेयर बीएसई पर 13.50 प्रतिशत तक टूट गया। अभियोग में आरोप लगाया गया है, लगभग 2020 और 2024 के बीच, प्रतिवादियों ने भारत सरकार के साथ आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध प्राप्त करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने पर सहमति व्यक्त की, जिससे लगभग 20 साल की अवधि में कर के बाद 2 अरब डॉलर से अधिक का मुनाफा होने का अनुमान था। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, अभियोग भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने, अरबों डॉलर जुटाने के लिए निवेशकों और बैंकों से झूठ बोलने और न्याय में बाधा डालने की इन कथित योजनाओं के संबंध में था। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है, 'कई मौकों पर गौतम एस अदानी ने रिश्वतखोरी योजना को आगे बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से भारत सरकार के अधिकारी से मुलाकात की और प्रतिवादियों ने इसके क्रियान्वयन के पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एक-दूसरे के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं। प्रतिवादियों ने रिश्वतखोरी योजना को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों पर अक्सर चर्चा की, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक मैसेजिंग एप्लिकेशन के माध्यम से भी चर्चा की गई। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ब्रायन पीस ने कहा, जैसा कि आरोप लगाया गया है, ● शेष पेज 11 पर

अडानी ग्रीन कंपनी पर लगाये निराधार आरोपः अडानी समूह

नयी दिल्ली। अडानी समूह ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के न्याय विभाग और प्रतिभूति बाजार विनियामक (सेक) द्वारा अडानी ग्रीन कंपनी के निदेशकों के खिलाफ लगाये गये आरोप निराधार है और इनका खंडन किया जाता है। अडानी समूह ने आज यहां जारी बयान में कहा, अदालत में लगाये गये आरोप सिर्फ आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक की दोष साबित नहीं हो जाते। हम कानून का हर संभव सहारा लेंगे। उन्होंने कहा कि अडानी समूह अपने ऑपरेशन्स में गवर्नेंस, ट्रांसपेरेंसी और रेगुलेटरी कम्पलायंस के उच्चतम मानकों को बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने सभी साझेदारों, कर्मचारियों और हितधारकों को यह पूरा भरोसा दिलाते हैं कि हम कानून का पालन करने वाले समूह है और नियमों का पूर्णरूप तथा दृढ़ता से पालन करते हैं।

मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती ही जा रही है : भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उद्योगपति गौतम अडाणी को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लगाये गये आरोपों को खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कि मां, बेटा और उनकी पार्टी 22 साल से श्री मोदी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा कर रहे हैं लेकिन जनता की नज़र में मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती ही जा रही है। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ● शेष पेज 11 पर

विपक्ष ने अदाणी मामले को लेकर प्रधानमंत्री को घेरा

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों ने उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग की।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि अदाणी को तत्काल गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारतीय सरकारी ● शेष पेज 11 पर

अब यूपी में इंसेफ़ेलाइटिस से कोई भी मौत नहीं होती : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा हैकि राज्य सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य संस्थाओं के सहयोग से मात्र तीन वर्षों मे इंसेफ़ेलाइटिस को पूरी तरह समाप्त कर दिया। यह शासन, तकनीक और जनसहभागिता का परिणाम है कि आज यूपी में इंसेफ़ेलाइटिस से कोई मौत नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योगों को कार्बन उत्सर्जन कम करनेके लिए विशेष प्रयास करने होंगे। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा असर किसानों पर ही पड़ना है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को आयोजित पार्टनरशिप कॉन्क्लेव मेंयह बातें कहीं। मुख्यमंत्री नेप्रदेश के सतत विकास और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में प्रौद्योगिकी, सरकारी योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आवश्यक बताया। कहा कि सोलर पैनल से आज प्रदेश के किसान सशक्त हो रहे हैं। प्रदेश ऊर्जाका मजबूत केंद्र बनकर उभरा है।

कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवाचार की आवश्यकता मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे उपजाऊ भूमि और जल संसाधन हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं प्रदान करतेहैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 89 कृषि विज्ञान केंद्र और 6 कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, जो किसानों को प्रोत्साहित करने और उन्हेंनई तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यूपी खाद्यान्न के क्षेत्र में देश का वेयरहाउस बन सकता है। जब तक किसान नई तकनीकों को अपनाएंगे नहीं, तब तक कृषि क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होगी। टेक्नोलॉजी को किसानों तक ● शेष पेज 11 पर

उपलब्धि

- यूपी खाद्यान्न के क्षेत्र में देश का वेयरहाउस बन सकता है
- कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवाचार की आवश्यकता
- उत्तर प्रदेश का विकास मॉडल निजी और सरकारी भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण

योगी ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट', यूपी में टैक्स फ्री हुई फिल्म

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहुचर्चित फ़िल्म ' द साबरमती रिपोर्ट' देखी।
फिल्म देखने के बाद योगी ने कहा कि ल्ल मैं 'द साबरमती रिपोर्ट' की पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। हर भारतवासी को ''द साबरमती रिपोर्ट'' फिल्म को देखनी चाहिए और गोधरा का सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए योगी ने फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने की घोषणा की। उन्होने कहा देश के खिलाफ और ● शेष पेज 11 पर

सीमाओं पर जवानों के साथ तैनात हो सकेंगे रोबोटिक डॉग

एजेंसी

जैसलमेर। देश की सीमाओं पर जवानों के साथ अब रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट यानी रोबोटिक डॉग भी तैनात होंगे। जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में रोबोटिक डॉग ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ 14 से 21 नवंबर तक अभ्यास किया। सेना ने इस डॉग के साथ दुश्मन को खोजने और उसे खत्म करने का अभ्यास किया है। हाल ही में भारतीय सेना ने बॉर्डर से लगे इलाकों में (विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में) उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग को शामिल किया है।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि सेना का अभ्यास गुरुवार को समाप्त हुआ। भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की एक इकाई के 50 से भी ज्यादा सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। इस अभ्यास में करीब 10 रोबोटिक डॉग्स को शामिल किया गया था। इस दौरान रोबोटिक डॉग ने दुश्मन को

खोजने, हथियार ले जाने, कैमरे से दुश्मन का ठिकाना बताने सहित विषम परिस्थितियों में सैनिकों की मदद करने का ट्रायल दिया। ये रोबोटिक डॉग किसी भी ऊंचे पहाड़ से लेकर पानी की गहराई तक जाकर काम करने में सक्षम हैं। इन्हें 10 किलोमीटर दूर बैठकर भी ऑपरेट किया जा सकता है। एक घंटे चार्ज करने के बाद ये लगातार 10 घंटे तक काम कर सकते हैं। इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है। रोबोटिक डॉग्स थर्मल कैमरों और रडार से लैस हैं। ● शेष पेज 11 पर

केजरीवाल पर चलता रहे रहेगा शराब घोटाले का मुकदमा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को वर्ष 2021-22 के लिए दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं के संबंध में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चल रही सुनवाई को रोकने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने केजरीवाल द्वारा उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। इस मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को निर्धारित की गई है। केजरीवाल की कानूनी टीम ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को खारिज करने का तर्क देते हुए दावा किया कि कथित अपराध किए जाने के समय एक लोक सेवक के रूप में उनकी स्थिति को देखते हुए, उनके अभियोजन के लिए उचित मंजूरी के बिना यह आदेश जारी किया गया था। हालांकि, ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात का विरोध किया कि मंजूरी वास्तव में प्राप्त की गई थी और उन्होंने ● शेष पेज 11 पर

बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी से निपटने के लिए प्रस्ताव तैयार करे केंद्रः शीर्ष अदालत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों सहित बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने के लिए केंद्र को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक कर एक प्रस्ताव तैयार करने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में रिहा कराए गए 5,264 बंधुआ मजदूरों में से केवल 1,101 को तत्काल वित्तीय सहायता मिलने के आंकड़ों को 'चिंताजनक' बताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि समस्या बचाए गए बच्चों को तत्काल वित्तीय सहायता के वितरण में थी, क्योंकि कुछ मामलों में नाबालिगों को उनके गृह राज्यों से ले जाया गया और पड़ोसी राज्यों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए मजबूर किया गया। पीठ ने कहा, ''बच्चों की अंतर-राज्यीय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने

के लिए हमें लगता है कि केंद्र एवं सभी राज्यों को एकीकृत तरीके से इसे निपटाना चाहिए। शीर्ष अदालत बंधुआ मजदूरों के रूप में तस्करी किए गए लोगों के मौलिक अधिकारों को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसलिए इसने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिव को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने समकक्षों के साथ बैठक करने और इस सामाजिक बुराई से निपटने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। पीठ चाहती है कि बचाए गए बाल मजदूरों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना की सहायता के लिए प्रस्ताव में एक सरल प्रक्रिया शामिल हो। न्यायालय ने कहा, ''इस मामले के महत्व को ध्यान में रखते हुए हम पाते हैं कि अटॉर्नी जनरल की सहायता लेना उचित होगा। इसलिए, हम अटॉर्नी जनरल से इस मामले में हमारी सहायता करने का अनुरोध करते हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह इस प्रक्रिया को अंतिम रूप देते समय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी शामिल करे। इस मामले की सुनवाई अब छह सप्ताह बाद होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील ने बचाए गए बंधुआ मजदूरों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने का मुद्दा उठाया। पीठ ने उत्तर प्रदेश के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 4,100 से अधिक रिहा किए गए बंधुआ मजदूरों को वित्तीय सहायता नहीं मिली है। राज्य की ओर से पेश वकील ने कहा कि ● शेष पेज 11 पर

खैबर पख्तूनख्वा में यात्री वाहन पर हमले से 38 यात्रियों की मौत

एजेंसी

कुर्रम। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में गुरुवार को हमलावरों के यात्री वाहनों पर बंदूक से किये गये हमले में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अहमदी शमा पुलिस थाना अधिकारी कलीम शाह ने डॉन अखबार को बताया कि हमले में तीन महिलाओं सहित 38 लोग मारे गये और 11 अन्य घायल हो गये। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मीडिया से बात करते हुये गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी हमले की पुष्टि की। श्री नकवी ने कहा, कुर्रम में हुये हमले में 38 लोग मारे गये हैं। हमें अब नित दिन एक नयी घटना देखने को मिल रही है और खैबर पख्तून्ख्वा के अधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षक और मुख्यमंत्री के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्हें सहायता चाहिये। गृह मंत्री ने ● शेष पेज 11 पर

सिपाही भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित, शारीरिक दक्षता परीक्षा जनवरी में होगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- तय पदों के सापेक्ष ढाई गुना अधिक (1,74,316) अभ्यर्थियों को अभिलेखों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए बुलावा
- प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा, 60,244 पदों के सापेक्ष 48,17,441 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन
- समान कट ऑफ अंक पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को अगले चरण का बुलावा
- दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी अभिलेखों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षण
- जनवरी के तीसरे सप्ताह में होगा शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन
- मुख्यमंत्री के निर्देशन में परीक्षा की शुचिता के लिए किए गए थे अभूतपूर्व प्रबन्ध
- अनेक नवाचारों की साक्षी रही भर्ती परीक्षा, शुचितापूर्ण परीक्षाओं के लिए बनी मॉडल
- शुचिता हुई सुनिश्चित, गोपनीयता का ''चक्रव्यूह'' को तोड़ नहीं सके नकल माफिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। चयन परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस परीक्षा के घोषित परिणाम के अनुसार, आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, प्राप्तांकों की श्रेष्ठता के आधार पर निर्धारित पदों के सापेक्ष लगभग ढाई गुना अधिक यानी कुल 1,74,316 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया गया है। यह चयनित अभ्यर्थी अब चयन प्रक्रिया के अगले चरण में अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए आमंत्रित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि आरक्षी (नागरिक पुलिस) के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के लिए आयोजित इस लिखित परीक्षा में समान कट ऑफ अंक पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को अगले चरण की अर्हता सूची में सम्मिलित किया गया है। अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जहां अभ्यर्थी अपनी पंजीकरण संख्या अथवा परीक्षा अनुक्रमांक से अपना परिणामदेख सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि अभ्यर्थियों के अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण की कार्यवाही दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी, जबकि अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक प्रशिक्षण में अर्ह अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा जनवरी, 2025 के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए चयन से संबंधित अपडेट के लिए नियमित तौर पर बोर्ड की वेबसाइट विजिट करने की अपील की है।

बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया

कि चयन बोर्ड द्वारा परीक्षा की सभी 10 पालियों के प्रश्न पत्रों तथा उत्तर कुंजी को 11 सितंबर से 19 सितंबर तक बोर्ड की वेबसाइट पर प्रदर्शित करते हुये अभ्यर्थियों से आपत्तियों आमंत्रित की गईं। सभी स्रोतों से प्राप्त आपत्तियों पर गहन विचार किया गया तथा आवश्यकता अनुसार विषय विशेषज्ञों के पैनल से अभिमत भी प्राप्त किए गए। लिखित परीक्षा के बाद आंसर शीट की स्कैनिंग की कार्यवाही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ संपन्न कराई गई। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षाकर्मी और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग की गई। भर्ती की विज्ञप्ति में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार स्कैनिंग के बाद अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के प्रसमान्यीकरण की कार्यवाही की गई है। परीक्षाओं की शुचिता के लिए संकल्पित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने पुलिस भर्ती परीक्षा ● शेष पेज 11 पर

पुलिस भर्ती-टाइमलाइन

- 27 दिसंबर 2023 से 16 जनवरी 2024 तक आमंत्रित किए गए थे आवेदन।
- 60,244 पदों के सापेक्ष 48,17,441 अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया गया था।
- 23 अगस्त 2024 से 31 अगस्त 2024 के मध्य (कुल 05 दिवस, प्रतिदिन 02 पाली में) प्रदेश के 67 जनपदों के 1174 परीक्षा केंद्रों पर कराई गई थी लिखित परीक्षा।
- 21 नवम्बर 2024 को लिखित परिक्षा परिणाम घोषित।
- अभिलेखों की समीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण- दिसंबर, 2024 के तीसरे सप्ताह में।
- शारीरिक दक्षता परीक्षा- जनवरी, 2025 के तीसरे सप्ताह में।

अनुबंध के जरिए भर्ती 'पीडीए' के खिलाफ आर्थिक साजिश : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर नगर निगम में अनुबंध (आउटसोर्स) के जरिए तहसीलदार और कुछ अन्य पदों पर भर्ती के लिये जारी विज्ञापन को लेकर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए इसे 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के खिलाफ एक आर्थिक साजिश करार दिया।

गोरखपुर नगर निगम ने स्पष्ट किया कि सम्बन्धित विज्ञापन सिर्फ सेवानिवृत्त कर्मियों से संबंधित है और इसमें कुछ भी नया नहीं है। यादव ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक अखबार में प्रकाशित कथित विज्ञापन की कतरन संलग्न करते हुए कहा, ''बेहतर होगा कि भाजपा पूरी की पूरी सरकार ही 'आउटसोर्स' कर दे तो उसका एक जगह से ही सारा कमीशन एक साथ 'सेट' हो जाए। ऐसा करने से भाजपा को 'फुटकर' में नौकरी और उसके बहाने आरक्षण को खत्म करने का महाकष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''हम तो हमेशा से कहते रहे हैं, आज फिर दोहरा रहे हैं, नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। सपा प्रमुख ने कहा, ''आउटसोर्सिंग पीडीए के खिलाफ एक आर्थिक साजिश है। भाजपा इस प्रस्ताव को तत्काल वापस ले और नौकरी-आरक्षण का संवैधानिक हक न छीने। घोर आपत्तिजनक, घोर निंदनीय। पीडीए कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! यादव ने इस टिप्पणी के साथ एक अखबार में प्रकाशित गोरखपुर नगर निगम के 18 नवंबर को जारी एक कथित विज्ञापन की कतरन संलग्न की है जिसमें अनुबंध के जरिए नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक के एक-एक और लेखपाल के पांच पदों पर भर्ती की बात कही गई है। विज्ञापन के मुताबिक, गोरखपुर नगर निगम में कार्य की अधिकता के कारण जनहित में निम्नलिखित पदों पर सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्ति की जानी है। विज्ञापन में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक के एक-एक पद तथा लेखपाल के पांच पदों के लिये आगामी सात दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। गोरखपुर नगर निगम के आयुक्त गौरव सोगरवाल से विज्ञापन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह विज्ञापन केवल सेवानिवृत्त कर्मियों से संबंधित है और इसमें कुछ नया नहीं है। उन्होंने कहा, सेवानिवृत्त अधिकारियों को अनुबंध के आधार पर भर्ती करना कोई नई बात नहीं है। विभिन्न नगर निगम और बीएचईएल और गेल जैसे संगठन वर्षों से ऐसा करते आ रहे हैं। उदाहरण के लिए एक सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार 2012-13 से हमारे साथ काम कर रहे हैं। यह एक मानक तरीका है और इसमें कुछ भी नया नहीं है।

महाकुम्भ : मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में नियुक्त किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी के दिव्य भव्य महाकुम्भ की योजना के मुताबिक कुम्भनगरी ने संगम तट पर आकार लेना शुरू कर दिया है। आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और साधु-सन्यासियों के रहने और स्नान के लिए घाटों, अस्थाई सड़कों व टेंट सिटी का निर्माण शुरू हो गया है। प्रयागराज मेला प्रधिकरण ने योजना के मुताबिक पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है। सेक्टर और कार्य के मुताबिक सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति कर दी गई है।

सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन व्यवस्था के लिए जिम्मेदार रहेंगे। महाकुम्भ के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट आम जनता और प्रशासन के बीच कड़ी का कार्य करेंगे। महाकुम्भ में लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और लगभग 1 लाख से अधिक लोगों के कल्पवास करने की सम्भावना है। इसके साथ ह ी

❐ प्रशासनिक व विभागीय समन्वय का कार्य करेंगे सेक्टर मजिस्ट्रेट

❐ आम जनता और प्रशासन के बीच कड़ी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का करेंगे निर्वहन

हजारों की संख्या में साधु-सन्यासियों और मेला प्रशासन के लोग महाकुम्भ के दौरान मेला क्षेत्र में रहेंगे। इन सबके रहने के लिए टेंट सिटी व स्नान के लिए घाटों और मार्गों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पूर्व योजना के मुताबिक प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने पूरे महाकुम्भ क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है। 4000 हेक्टेयर और 25 सेक्टरों में बंटा मेला क्षेत्र इससे पहले के किसी भी महाकुम्भ से सबसे बड़ा क्षेत्र है। मेला प्राधिकरण ने प्रत्येक सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन व्यवस्था और विभागीय समन्वय के लिए उप जिलाधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट के तौर पर नियुक्ति किया है। ये सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरे महाकुम्भ के दौरान अपने-अपने सेक्टर, कार्य विभाग और विभागीय समन्वयन का कार्य करेंगे।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सेक्टर वाइज सेक्टर मजिस्ट्रेट की लिस्ट जारी कर दी है। एसडीएम मेला अभिनव पाठक ने बताया कि अधिकांश सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। शेष अपनी विभागीय जिम्मेदारियों से मुक्त होकर जल्द ही मेला क्षेत्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। जो महाकुम्भ के दौरान अपने-अपने सेक्टर की प्रशासन व्यवस्था व विभागीय समन्वय का कार्य करेंगे। प्रत्येक सेक्टर में भूमि आवंटन की प्रगति और लोगों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण में ये सेक्टर मजिस्ट्रेट मददगार होंगे।

स्वच्छता मानकों के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई : ए.के. शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सभी निकाय स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में बेहतर प्रदर्शन करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता मानकों की रैंकिंग के सुधार के लिए धरातल पर उतरकर ठोस प्रयास करें। सभी जिम्मेदार अधिकारी व कार्मिक मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे और विगत वर्षों की स्वच्छता संर्वेक्षण की कमियों में सुधार के लिए निरन्तर प्रयास भी करेंगे। सभी निकाय नियमित साफ सफाई, कूड़ा निस्तारण, गार्वेज मुक्ति, सोर्स सेग्रीगेशन पर गम्भीरता से कार्य करेंगे। स्वच्छता मानकों के कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी और सख्त कार्रवाई की जायेगी। यह निर्देश ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने नगर निकाय के अधिकारियों ने और कर्मचारियों को दिया।

नगर विकास मंत्री गुरूवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम', लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निकाय कार्यों की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों से अधिक समय से निकायों में किये जा रहे कार्यों की मानीटरिंग में शिथिलता रही है, लेकिन अब किसी को भी निकाय कार्यों में शिथिलता की छूट नहीं होगी। जिस प्रकार से ऊर्जा विभाग में नियमित रूप से लापरवाही पर विद्युत कार्मिकों पर कार्यवाही हो रही है। इसी प्रकार अब निकायों में भी कार्यवाही का दण्ड भुगतने के लिए तैयार रहे। नगर विकास मंत्री ने कहा कि स्वच्छता कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग के लिए सभी निकायों में चेक प्वाइंट बनाये जाए। साथ ही ऐप और आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाए। मुख्यालय स्तर पर भी डीसीसीसी के माध्यम से कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए, जिससे राष्ट्रीय स्वच्छ रैंकिंग में प्रदेश के निकायों के स्तर में सुधार आये। निकायों के वाटर बाडीज, अमृत सरोवरों के जीर्णोद्धार, स्वच्छता, सुंदरता, हरियाली बढ़ाने तथा बुजुर्गों व बच्चों के लिए टैंक पाथ भी बनाने को कहा। इससे वाटर बाडीज को अतिक्रमण से भी मुक्ति मिलेगी और लोगों के लिए दो पल सकून के लिए आश्रय स्थल भी बनेगे। उन्होंने कहा कि सभी निकायों में नियमित साफ सफाई, डोर टू डोर कूड़ा उठान, कूड़े का निस्तारण, गार्वेज मुक्ति व सोर्स सेग्रीगेसन के लिए प्रयास करेंगे। मैन पावर और मशीनों का बेहतर सदुपयोग हो। जिन निकायों में यूज्ड वाटर प्रोसेसिंग यूनिट कार्य कर रही, उसके प्रोसेस्ड पानी का विभिन्न रूपों में सदुपयोग भी किया जाए। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने पर ध्यान दिया जाए। नगर विकास मंत्री ने नगर आयुक्त प्रयागराज को महाकुंभ की तैयारियों में कहीं पर भी चूक न होने तथा सभी कार्य बेहतर तरीके से समयबद्ध रूप से कराने को कहा, जिससे कुम्भ के माध्यम से प्रयागराज की खूबसूरती पूरे देश व दुनिया में फैले। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण में भी प्रयागराज नगर निगम की स्थिति में राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में सुधार देखने को मिले। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला, निदेशक स्थानीय निकाय अनुज कुमार झा, विशेष सचिव सुधाकर सिंह सहित शासन एवं मुख्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे तथा सभी निकायों के नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी वर्चुअल प्रतिभाग किये।

एलडीए जनता अदालत में आये 41 मामले,13 का मौके पर निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण में जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान नामांतरण, रजिस्ट्री, फ्री-होल्ड व अवैध निर्माण आदि से सम्बंधित कुल 41 मामले आये जिनमें से 13 मामलो में मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया शेष प्रकरणों के निस्तारण के सम्बंध में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व सचिव विवेक श्रीवास्तव द्वारा समय-सीमा निर्धारित करते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया हैं। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि गुरूवार को प्राधिकरण भवन के पारिजात सभागार में प्राधिकरण दिवस/जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार द्वारा जनता अदालत में उपस्थित होकर जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया। जनता अदालत में पहुंची शेफाली रस्तोगी ने गोमती नगर के विपुल खण्ड स्थित भूखण्ड संख्या-2/58 के नामांतरण के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर उपाध्यक्ष ने नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा रकाबगंज के दालमण्डी निवासी संजय केसरवानी ने प्रार्थना पत्र दिया कि ऐशबाग योजना के रामनगर में प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2003 में भूखण्ड आवंटित किये गये थे। जिसमें कुछ जगहों पर भू-माफिया द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए अतिक्रमण कर लिया गया है। इस पर सम्बंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर स्थल निरीक्षण करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह एवं सोमकमल सीताराम, मुख्य नगर नियोजक के.के गौतम, विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, वंदना पाण्डेय, रंजना अवस्थी, शशिभूषण पाठक, देवांश त्रिवेदी एवं रवि नंदन सिंह समेत अन्य अधिकारी व अभियंतागण उपस्थित रहे।

किसान पराली न जलाएं : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। अपर मुख्य सचिव के शासनादेश पर जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उप कृषि निदेशक प्रयागराज कार्यालय के कृषक प्रतीक्षालय में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन सीटू मैनेजमेन्ट आफ काप रेजीड्यू योजनान्तर्गत ''जनपद स्तरीय गठित सेल के सदस्यों के साथ पराली संवेदीकरण हेतु सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग तथा सम्बन्धित विभागों के अधिकारी /नामित सदस्यों की उपस्थिति रही।

जिलाधिकारी के आदेशों द्वारा गठित समितियों के सदस्यों को पराली जलाये जाने की घटनाओं के न होने देने के लिए पूर्व में ही दिये गये कड़े निर्देश के विषय पर प्रमुख रूप से चर्चा की गयी।

वर्तमान में धान के फसल की कटाई की तीव्रता के दृष्टिगत जनपद के अन्य तहसीलों विशेष रूप से यमुनापार के क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की सम्भावना अधिक है। ऐसे में जनपद के समस्त तहसीलों में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित तहसील स्तरीय टास्क फोर्स तथा ग्राम प्रधान व लेखपाल की अध्यक्षता में गठित ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समितियों का दायित्व है कि वर्तमान में फसल की कटाई की तीव्रता को देखते हुए समय रहते निगरानी किये जाने, विशेष रूप से पूर्व में पराली जलाये जाने वाली ग्राम पंचायतों के साथ अन्य ग्राम पंचायतों में निगरानी बनाये रखने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने भी जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों को सम्बोधित पत्र प्रेषित करते हुए ग्राम प्रधानों से किसी भी दशा में कृषकों द्वारा पराली नहीं जलाये जाने का अनुरोध किया गया है।

साथ ही ऐसे कृत्य पर दिये जाने वाले दण्ड के प्राविधानों से *उपकृषि निदेशक एसपी श्रीवास्तव* ने अवगत कराया कि

वर्तमान में राष्ट्रीय हरित न्यामिकरण की धारा 24 एवं 26 के अन्तर्गत खेत में फसल अवशेष जलाया जाना एक दण्डनीय अपराध है। पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु दण्ड के प्रावधान निम्नवर है- 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए 5000 प्रति घटना। 02 एकड़ से 05 एकड़ क्षेत्र के लिए 10000 कर प्रति घटना। 06 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए 30000 प्रति घटना। अपराध की पुनरावृत्ति करने पर अर्थदण्ड से दण्डित किया जाएगा । साथ ही साथ विभागों द्वारा मिलने वाले समस्त लाभों से भी वंचित कर दिया जायेगा।

आनंदीबेन ने बच्चों के साथ मनाया जन्मदिवस, योगी ने दी बधाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में बच्चों के साथ अपना जन्मदिवस मनाया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ खुशियां बांटी। उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान से बढ़कर कोई उपहार नहीं है और उनके साथ समय बिताना एक विशेष अनुभव है। यह आयोजन राज्यपाल जी के सादगी और सेवा भाव का प्रतीक बनकर सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को बुके एवं राम नाम की पुस्तक भेंट कर उन्हे जन्मदिन की शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनकी शिक्षा, रुचियों और सपनो के बारे में जाना। बच्चों ने भी राज्यपाल को अपने हाथों से बनाए हुए पेंटिंग, पत्र और कार्ड उपहार स्वरूप भेंट किए।

कैसरबाग़ में अवैध रूप से हो रहे निर्माण को किया गया सील

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण की ज़ोन 6 की प्रवर्तन टीम द्वारा कैसरबाग़ में कैंटोनमेंट रोड पर गुड बेकरी के निकट अवैध रूप से हो रहे एक निर्माण को सील कर दिया गया। ज़ोन 6 के जोनल अधिकारी शशि भूषण पाठक ने बताया की कैसरबाग़ में कैंटोनमेंट रोड पर गुड बेकरी के निकट लखनऊ विकास प्राधिकरण से बिना मानचित्र स्वीकृत कार्य हो रहे एक निर्माण को सील कर दिया गया। बताया जा रहा है यह निर्माण बाबा लस्सी वाले द्वारा कराया जा रहा था।

केंद्र सरकार छह सूत्रीय मांगो को करे पूरा: धर्म संसद

मथुरा। सन्तों की साधना स्थली श्री धाम वृंदावन के गुरुकुल मार्ग पर स्थित श्री कृष्ण साधक ट्रस्ट के विशाल सभागार में गुरुवार को आयोजित धर्म संसद में केन्द्र सरकार से छह सूत्रीय मांगो को पूरा करने पर सभी की सहमति बनी। धर्म संसद मे पारित प्रस्ताव की जानकारी देते हुए धर्मसंसद के संरक्षक आचार्य बद्रीश ने बताया कि पारित प्रस्तावों में योगिराज भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली श्रीकृष्ण जन्म भूमि पर भव्य एवं दिव्य मंदिर बनाए जाने की मांग मुख्य थी ।इसे पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार से मांग की गई। इसके अलावा विवादित मस्जिद का सर्वे कराकर नमाज बंद कराने के लिए केन्द्र सरकार से अनुरोध किया गया। उन्होंने बताया कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाना, मानसरोवर यात्रा में आने वाले व्यवधान को समाप्त करना, एनआरसी कानून, जनसंख्या नियंत्रण कानून, धर्मांतरण पर नियंत्रण कानून, लव जिहाद नियंत्रण कानून, के अलावा ब्रज क्षेत्र में अंडा, मांस व मदिरा की बिक्री पर पूर्ण रूप से रोक लगाए जाने की मांग भी केन्द्र सरकार से की गई। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्याय के अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि आज की यह बैठक में न केवल संत- महंत महामंडलेश्वर व धर्माचार्यों ने भाग लिया बल्कि सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए जब कि धर्म संसद में भारी संख्या में लोग मौजूद थे। इस धर्म संसद में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर बनाने की मांग भले ही केन्द्र सरकार से की गई हो लेकिन इस मामले में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लगभग डेढ़ दर्जन वाद विचाराधीन हैं।

पूर्व सांसद धनन्जय सिंह जमानती वारंट पर कोर्ट में हुए पेश

जौनपुर। जौनपुर के पूर्व सांसद धनञ्जय सिंह और एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशू सात वर्ष पुराने मामले में गुरुवार को एमपी एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके खिलाफ कोर्ट ने जमानती वारेंट जारी किया था, कोर्ट ने बीस-बीस हजार रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र पर वारंट रिकॉल किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जौनपुर के निवासी और प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू समेत 35 लोगों के खिलाफ 6 नवंबर 2017 को एफ आई आर दर्ज कराया था कि ब्लाक प्रमुख सरजू देवी यादव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर प्रशासन द्वारा 6 नवंबर 2017 को 11:00 बजे खुटहन ब्लाक के परिसर में प्रस्ताव पर परिचर्चा होना था। वादी अपनी बहू नीलम(ब्लाक प्रमुख) के साथ वहां जा रहा था।

जी.एम फसलों के खिलाफ भारतीय किसान संघ आंदोलित, ज्ञापन सौंपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। देशव्यापी आंदोलन के तहत भारतीय किसान संघ काशी प्रांत के जिला प्रयागराज का प्रतिनिधि मंडल ने प्रयागराज लोकसभा सांसद माननीय उज्जवल रमण सिंह के प्रतिनिधि विनय कुशवाहा को राष्ट्रीय जीएम नीति बनाने में देश के किसानों की राय को शामिल करने की मांग का एक ज्ञापन पत्र सौंपा और आगामी शीतकालीन सत्र में इस विषय पर संसद में प्रश्न के माध्यम से चर्चा करने का आग्रह भी किया गया। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि जीव जंतुओं के जीन को डालकर नया जीव की तैयारी का खेल चल रहा हैं।ऐसी फसलों को फसल या जीव खाद्यान्न फसल कहेंगे जीव जंतुओं का जीन डाला जाता हैं तो उसको शाकाहारी बोलेंगे या मांसाहारी तो व्यापक विचार विमर्श होना चाहिये। ज्ञापन देने में मुख्य रूप से भारतीय किसान संघ जिला प्रयागराज के जिलाध्यक्ष श्री चंद्रशेखर पांडेय जिला उपाध्यक्ष शेष मणि पांडेय व जिला उपाध्यक्ष आनन्द मिश्र राजुल जिला सह मंत्री हरि शंकर पटेल शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष सनत कुमार सिंह उर्फ राजेश सिंह ब्लॉक मऊआइमा मंत्री रामेश्वर पटेल आदि किसान नेता उपस्थित रहें।

सुपर 30 एनसीसी कैडेट्स कैंप का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज। जमुनापार क्षेत्र के पीड़ी महाविद्यालय पीड़ी में 16 यूपी एनसीसी बटालियन प्रयागराज की ओर से चल रहे दस दिवसीय एनसीसी कैडेटों के कैंप में बृहस्पतिवार को सुपर 30 एनसीसी कैडेट्स कैंप मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। जिसमें कैडेट्स को सेना के जीवन एवं अनेक प्रकार की गतिविधियों से अवगत कराया जा रहा है। 535 कैडेट्स के अलग-अलग बटालियन से 30 कैडेटों को जो सेना में जाने के इच्छुक है उन्हें चयनित किया गया है। उन्हें विशेष रूप से एस एस बी के लिए तैयार किया जा रहा है। जिसकी जिम्मेदारी मुख्य रूप से कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल निशांत बरियार एवं कर्नल आशीष नौटियाल ने ली है। ग्रुप डिस्कशन , स्टोरी, राइटिंग आबेस्टिकल जैसे अन्य गतिविधियों का अभ्यास करा कर उनके व्यक्तित्व को निखारते हुए उन्हें सेना में भर्ती के लिए तैयार किया जा रहा है । इनके अलावा अन्य कैडेट्स भी अपने प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। जिसे मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट ,फायरिंग, ग्रुप डिस्कशन, आपदा प्रबंधन, पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं एनसीसी के उद्देश्य एवं कर्तव्यों के विषय में सीख रहे हैं। पीड़ी महाविद्यालय पीड़ी के प्रबंधक नवीन कुमार शुक्ल प्रबंध निदेशक अनुराग शुक्ल की ओर से इस कैंप के सुचारू रूप से संचालित करने में विशेष योगदान है। उन्होंने कैंप में शिरकत किए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है। कैंप में सूबेदार राम बहादुर खरका, नायब सूबेदार सतीश कुमार, सी एच एम अवधेश कुमार आदि लोग शामिल हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्या	106-टेली/टेंडर/07/2024–25		
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल में रेलनेट कनेक्टिविटी का प्रावधान एवं नेटवर्किंग संरचना में सुधार का कार्य।		
अनुमानित लागत	₹1,81,16,450.49	निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	₹2,40,600/-	कार्य पूरा करने की अवधि	180 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	13.12.2024 को 15:30 बजे		
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in. वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ		

• ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती हैं। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सूचना सं.: 106–टेली/टेंडर/07/2024–25
दिनांक: 20.11.2024 3577/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रमुख सचिव ने किया श्वान बंधयाकरण केंद्र व राधा गौशाला का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गुरुवार को प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात तथा विशेष सचिव नगर विकास महेंद्र बहादुर सिंह द्वारा लखनऊ नगर निगम के अंतर्गत जरहारा, इंदिरानगर स्थित श्वान बंधयाकरण केंद्र का निरीक्षण किया गया जिसका संचालन ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल इंडिया संस्था द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कण्ट्रोल ट्रेनिंग सेंटर की प्रगति के विषय में स्थालीय निरिक्षण कर जानकारी ली और मुख्य अभियंता महेश वर्मा कों विश्व स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर बनाने के लिए निर्देश दिए। साथ ही साथ वर्तमान एबीसी सेंटर के सौंदर्यीकरण कर उच्चकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। सार्वजनिक स्थलों, पार्को, स्कूल, कॉलेज के आस पास सघन कार्यक्रम चलाया तथा स्कूल के बच्चों और वेटरीनरी कॉलेज के बच्चों की एक्सपोज़र विजिट कराने के भी निर्देश दिए गए। जिससे उन्हें भी प्रक्रिया और एबीसी कार्यक्रम की जानकारी हो सके। लखनऊ नगर निगम द्वारा 2019 से वर्तमान तक 84500 श्वानों का सफल बंध्याकरण तथा टीकाकरण किया जा चुका है श्वानों की कुल संख्या अनुमानित 1,10000 के आस पास है। तत्पश्चात प्रमुख सचिव ने राधा उपवन गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गायों कों गुड़ भी खिलाया और फोटोग्राफ भी खींचे तथा राधा उपवन गौशाला और गोवंश फोटो नगर विकास के पोर्टल पर अपलोड किये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा पशुओं पर आरोपित जुर्माना की जानकारी ली और निर्देश दिए की पशुपालको से ऑनलाइन जुर्माना लेने की व्यवस्था विकसित की जाए और पशुओं कों दूध देने के उपरांत खुला छोड़ने पर अधिकतम जुर्माना लिया जाय। गौशाला के सौंदरियकरण के लिए मुख्य अभियंता कों निर्देश भी दिए हैं। इस मौके पर एबीसी मॉनिटरिंग कमिटी की राज्य सदस्य गौरी मुलेखी, अपर निदेशक मो. असलम अंसारी, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द राव, मुख्य अभियंता महेश वर्मा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव कमरे में मिला, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुबग्गा। कोतवाली क्षेत्र न्यू फरीदीपुर इलाके में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में बंद पाया गया। मृतक की पहचान राम जीवन मिश्रा उर्फ मौजी लाल (उम्र लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस को इस मामले की जानकारी उनके भाई रवि मिश्रा ने दी, जिन्होंने शव से दुर्गंध आने के बाद पुलिस को सूचित किया था।

मृतक के पड़ोसी सूत्रों के अनुसार राम जीवन मिश्रा और उनकी पत्नी शीलू के बीच हाल ही में कुछ विवाद हुए थे। खासकर बीते रविवार को दोनों के बीच गंभीर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद शीलू ने अपने भाई-बहन पर मारपीट का आरोप लगाया था। इस पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई थी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया था। बाद में शीलू अपने मायके चली गईं और राम जीवन अकेले घर पर रह गए थे।

पड़ोसियों ने जताया शक

पड़ोसियों के अनुसार राम जीवन मिश्रा पिछले कुछ दिनों से कमरे में बंद थे और वे अकेले ही रहते थे। जब शव का पता चला तब घर से बेहद तीव्र दुर्गंध आ रही थी। पुलिस को सूचना मिलने पर दुबग्गा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घर का दरवाजा तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। वहां शव पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव का पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भाई ने हत्या का आरोप लगाया

मृतक के भाई, रवि मिश्रा ने अपनी भाभी शीलू और उनके परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। रवि ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है, जिसमें उसने कहा कि शीलू के साथ विवाद के बाद राम जीवन की जान को खतरा हो सकता था। रवि का कहना है कि विवाद के बाद शीलू अपने मायके चली गई थीं। बाद में किया हुआ किसी को पता नहीं चला लेकिन पुलिस की कोई जांच या कानूनी कार्रवाई न होने से उनकी शक की स्थिति और गहरी हो गई है। रवि ने यह भी दावा किया है कि राम जीवन का शव कमरे में तख्त के नीचे पड़ा मिला शरीर पर चोट के निशान थे। खासकर उनके सिर और गर्दन पर जिससे खून बह रहा था। और यह हत्या की ओर इशारा करता है।

पुलिस की जांच जारी

वर्तमान में पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, ताकि मौत के कारणों का पता चल सके। दुबग्गा थाना प्रभारी अभिनव कुमार वर्मा का कहना है कि रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा होगा।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज के बच्चों को दिलाई तंबाकू निषेध की शपथ

सैकड़ों छात्रों ने नशे की लत से दूर रहने की ली शपथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम क्षेत्र स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को तंबाकू एवं उसके उत्पाद का प्रयोग न करने से संबंधित शपथ प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा एवं द्वारा दिलाई गई। शिक्षक अमित कुमार द्वारा बताया गया कि तंबाकू में विषैला तत्व निकोटिन पाया जाता है जो माउथ कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। तंबाकू एवं उत्पादों का प्रयोग करने से जो भी स्फूर्ति का अनुभव होता है वह सब आभासी होता है और शरीर के कई अंग जैसे लिवर, फ़ेफड़े और किडनी पर भी बहुत दुष्प्रभाव पड़ता है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय के आसपास कि दुकानदारों से भी अपील की गई है कि वह तंबाकू और पान मसाला की बिक्री स्वेच्छा से न करें क्योंकि इससे अनमोल जीवन नष्ट होता है साथ ही साथ विद्यालय परिसर और घरों में भी गंदगी फैलती है।

बेसमेंट खुदाई के दौरान मिट्टी धसने से तीन मजदूर दबे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार को नाका थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर में एक बिल्डिंग निर्माण के लिए बेसमेंट की खुदाई की जा रही थी अभी मज़दूर मिट्टी की खुदाई कर ही रहे थे की की अचानक मिट्टी धंस गयी। मिट्टी धसने से यहाँ काम कर रहे 3 मज़दूर मिट्टी के नीचे दब गए। जिनको काम कर रहे अन्य मजदूरों ने 15 से 20 मिनट की खुदाई करके मिट्टी से बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। जिसके बाद घायल मजदूरों को इलाज के लिए हॉस्पिटल भेजा गया है। बताया जा रहा है की बिना सुरक्षा दिवार बनाये ही खुदाई करने से ये हादसा पेश आया। इस घटना में मज़दूर सरोज व सरोज की पत्नी फूलमति व ससुर जय दायालू घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा व ज़ोनल अधिकारी शशि भूषण पाठक, तथा सम्बंधित एई व जेई मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे अपर सचिव द्वारा बताया गया की किये जा रहे निर्माण का आवासीय नक्शा पास है। उनके द्वारा बताया गया की बेसमेंट, ग्राउंड व फर्स्ट फ्लोर का नक्शा पास है। उन्होंने बताया की घटना में तीन मजदूर घायल हुए हैं जो कि खतरे से बाहर है फिलहाल सुरक्षा की दृष्टि से निर्माण की जगह को मौके पर ही सील करवा दिया है निर्माणकर्ता को निर्देशित किया गया है की सुरक्षा के मानकों का पालन करते हुए निर्माण किया जाए।

बिजली विभाग की छापेमारी में 41 लोगों पर फिर हुई एफ़आईआर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार को बिजली चोरी रोकने के उद्देश्य से बिजली विभाग द्वारा मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया। ये मॉर्निंग रेड अभियान हुसैनगंज, अमीनाबाद, अपट्रान तथा चौक डिवीजन में चलाया गया था। लखनऊ मध्य क्षेत्र के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया की गुरुवार को विभाग द्वारा हुसैनगंज डिवीज़न के विधानसभा मार्ग उपकेंद्र के नया गाँव फीडर के क्षेत्र बाग़ मुन्नू इलाके में चेकिंग के दौरान आठ लोगों को बिजली चोरी करते पाया गया। अमीनाबाद डिवीजन के अंतर्गत अमीनाबाद उपकेंद्र के फीडर चिकमंडी के क्षेत्र हाता फकीर मोहम्मद, साहिल स्कूल के निकट, व चिकमंडी इलाके में चेकिंग के दौरान चार लोगों को बिजली चोरी करते हुए पाया गया। इसके अलावा अपट्रान डिवीज़न के न्यू नूरबाड़ी उपकेंद्र के फीडर पुराना चबूतरा काली जी खरियारी के क्षेत्र सुल्तानपुर गढ़ाइय्या, बीबीगंज, सआदतगंज, पुराना चबूतरा, कटरा नजफ मैं चेकिंग के दौरान 11 लोगों को बिजली चोरी करते पाया गया। इसके अलावा चौक डिवीजन के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के आगा मीर देयोढ़ी फीडर के क्षेत्र टेहरी बाजार सुभाष मार्ग में 4 लोगों को व मेहताब बाग उपकेंद्र के फीडर मोहनी पुरवा के क्षेत्र मोहनी पुरवा में 4 लोगों को और नादान महल उपकेंद्र के फीडर नक्खास के क्षेत्र शाहगंज व अशरफाबाद में जाँच के दौरान 6 लोगों को तथा उपकेंद्र के फीडर दुर्गा देवी मार्ग के क्षेत्र दुर्गा देवी मार्ग इलाके में 4 लोगों को अभियान के दौरान बिजली चोरी करते पाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान दौरान कुल 103 उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को चेक किया गया जिसमें से कुल 41 उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में अनियमितता पाई गई। इन सभी 41 उपभोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया की बिजली चोरी रोकने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी इसी तरह से जारी रहेगा।

स्प्रिंग कप 2024 की विजेता बनी कल्पना फाउण्डेशन टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी, लखनऊ । सार स्पोर्ट्स ग्रुप द्वारा आयोजित स्प्रिंग कप का फाइनल मैच गुरुवार को बीकेटी स्थित सार स्पोर्ट्स ग्राउण्ड पर काल्विन क्रिकेट अकादमी और कल्पना फाउण्डेशन के बीच खेला गया।टॉस जीतकर कॉल्विन की टीम ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया वही कल्पना फाउण्डेशन की टीम ने 198 रन बनाये जिसमें हर्षित तिवारी ने 51रन और सम्यक त्रिवेदी ने 75 रन का योगदान दिया और काल्विन की टीम से रुद्रेश वाष्णेय ने 5 विकेट प्राप्त किये।जवाब में काल्विन अकादमी ने सभी विकेट खोकर 187 रन ही बना पायी, जिसमें अमन पाण्डेय ने नाबाद 35 रन बनाये,बाकी के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाये।प्रतियोगिता में कल्पना क्रिकेट अकाद?मी के सम्यक त्रिवेदी को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और आकाश गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक माइक्रोलिट के कपिल गुप्ता व प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार सार स्पोर्ट्स ग्रुप के अंश पटेल को चुना गया। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष और क्षेत्रीय नेता सुनील सिंह भदौरिया ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन कर उपविजेता व विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान किया।

नगर निगम की ज़मीन से हटाया गया अतिक्रमण

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को नगर आयुक्त डॉ इन्द्रजीत सिंह व अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के आदेश पर संजय यादव प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) व तहसीलदार अरविंद कुमार पांडे द्वारा ग्राम-जेहटा तहसील-सदर व जनपद-लखनऊ की खसरा संख्या 1448/0.145 हे. मैदान हेतु सुरक्षित भूमि जोकि अभिलेखों में दर्ज है। जिस पर अतिक्रमण कर्ताओं द्वारा अतिक्रमण करते हुए अस्थाई निर्माण कर लिया गया था। इस अवैध अतिक्रमण को नगर निगम नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार तथा तहसील लेखपाल बृजेश व अरूणेन्द्र के साथ-साथ नगर निगम लेखपाल सैफुल हक, अरूण गौतम, अनुपम कुमार व अजीत तिवारी के द्वारा पुलिस बल की उपस्थिति में 15608 वर्ग फुट भूमि से अतिक्रमण को शान्तिपूर्वक रूप से धवस्त करा दिया गया। अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी भूमि आबादी से लगी हुई है जिसकी बाजारू कीमत नगर निगम द्वारा लगभग 31,21,600 रूपये बताई जा रही है।

कर्तव्य ने की शानदार बल्लेबाजी, यूनिटी ने नार्दर्न रेलवे को हराया

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। यूनिटी क्रिकेट एकेडमी ने नार्दर्न रेलवे क्रिकेट एकेडमी को 23 रन से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में यूनिटी के सलामी बल्लेबाज कर्तव्य जैन ने शानदार 61 रन बनाये। वहीं गौरी शंकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। यूनिटी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में सात विकेट गवांकर 224 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज कर्तव्य जैन ने 11 चौकों के साथ 61 रन बनाये। प्रणव मात्र छह रन बनाकर आउट हो गये, जबकि स्मोकर रिजवी ने 46 रन का योगदान दिया। विशाल चौधरी ने 22 रन बनाये। हिमांशु शंकर ने 17 रन बनाये। वहीं नार्दर्न रेलवे क्रिकेट एकेडमी की टीम 201 रन ही बना सकी और यूनिटी की टीम ने 23 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक चंद्रा ने 48 रन बनाये। अंजुल मिश्रा ने 46 रन बनाये, जबकि सलामी बल्लेबाज सुर्जीत ने 34 रन बनाये। अखंड यादव ने 22 रन का योगदान दिया।

एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में नवप्रवेशित छात्रों के सृजन-2024 का भव्य आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी, लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में नवप्रवेशित छात्रों के स्वागत के लिए आयोजित भव्य फ्रेशर्स पार्टी ल्लसृजन-2024ङ्क में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने प्रेरणादायक विचारों से छात्रों का मार्गदर्शन किया।इस सांस्कृतिक आयोजन में छात्रों ने गीत,नृत्य और नाट्य मंचन कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

श्री ब्रजेश पाठक ने अपने उद्बोधन में छात्रों को मेहनत और सकारात्मक सोच के महत्व को समझाते हुए अनुशासन और लगन के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।उन्होंने शिक्षा को जीवन का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों को छूने का संदेश दिया साथ ही कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने छात्रों को तकनीक के सकारात्मक उपयोग की सलाह दी।

इस अवसर पर एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन पीयूष चौहान ने छात्रों को संस्थान के समर्पण और उनके समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाया तथा छात्रों को शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।इस आयोजन ने छात्रों को अपनी प्रतिभा पहचानने और प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया गया।बी.टेक के मिस्टर और मिस फ्रेशर के खिताब जहान्वी और शिवांश को मिले,एमबीए के मिस्टर और मिस फ्रेशर प्रथम और आयुषी चुने गए।बी.वोक के मिस्टर और मिस फ्रेशर के रूप में पलक और हर्षित को सम्मानित किया गया।आयुष विभाग के मिस्टर और मिस फ्रेशर हेमंत और काजल बने,वहीं आईएमबीए के मिस्टर और मिस फ्रेशर का खिताब राज और श्रेया ने अपने नाम किया वही फैशन शो का विजेता बी.टेक विभाग और ग्रुप डांस का खिताब बायोटेक के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जीता।इस कार्यक्रम ने छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें नए उत्साह के साथ अपने शैक्षिक और सह-शैक्षिक जीवन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया साथ ही एसआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के उच्च शैक्षिक मानकों और समर्पण को भी दर्शाया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग उत्तर प्रदेश बैजनाथ रावत,विधायक योगेश शुक्ला, विधायक आशा मौर्या,विधायक अमरेश रावत,सदस्य विधान परिषद अंगद सिंह,सदस्य विधान परिषद उमेश द्विवेदी,वरिष्ठ प्रचारक गिरिजा शंकर,विधायक मनीष रावत,क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह,अध्यक्ष संस्कृत भारती जेपी सिंह,पूर्व एडिशनल कमिश्नर फ़ूड सप्लाई अशोक सिंह,डीसीपी लखनऊ आर.एन.सिंह,एसीपी बीकेटी ऋषभ रूणवाल ने भी अपने विचार रखकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

ट्रांसपोर्ट नगर में 5 अवैध व्यावसायिक बिल्डिंग हुई सील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने गुरूवार को सरोजनी नगर के ट्रांसपार्ट नगर में अभियान चलाते हुए बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित की जा रहीं 5 व्यावसायिक बिल्डिंग को सील कर दिया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि संजय सिंह व अन्य द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में भूखण्ड संख्या-जी-1/123 पर लगभग 430 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से व्यावसायिक गोदाम का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी तरह नरेश खेतान, सुनीता खेतान, मनीष अग्रवाल व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या-सी-1/17 पर लगभग 865 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। वहीं अमित सिंह, दुर्गा प्रसाद तिवारी व अन्य द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर के फ़ेस-2 में भूखण्ड संख्या-एम.जी.-4 पर लगभग 150 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक भवन का निर्माण करवाया जा रहा था। इसके अलावा प्रदीप कुमार द्वारा भूखण्ड संख्या-ई-22 पर लगभग 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल में वेयर हाउस का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी तरह सबज्ञान इन्फ्रास्ट्रक्चर एलएलपी के ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या-ई-59 पर लगभग 919 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिल्डिंग का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इन पांच निर्माण कार्यों के खिलाफ़ विहित न्यायालय द्वारा सीलिंग के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते अवर अभियंता प्रमोद कुमार पाण्डेय व भरत पाण्डेय द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से इन सभी अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

दो दिवसीय ताइकवांडो प्रतियोगिता का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। गुरूकुल ताइकवांडो एकादमी द्वारा तरणताल स्टेडियम सीतापुर मे किया गया था जिसमे आर.जे.जे.एजूकेशन प्वाइंट बीरमपुर, सीता इंटर कालेज महमूदाबाद, सिघानियाँ स्कूल, हिन्द स्कूल,एल.पी .एस सीतापुर ने भाग लिया ।कार्यक्रम का उदघाटन सीतापुर नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती नेहा अवस्थी जी के द्वारा हुआ।पहले व दूसरे दिन बच्चो ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया गया कार्यक्रम के अंतिम दिन ताइकवांडो एसोसशियन उ.प्र. के सेक्रेट्री राजकुमार जी के द्वारा विजेताओ को पुरस्कार वितरित किये गये।जिसमे आर .जे.जे. एजूकेशन प्वाइंट को 8 स्वर्ण ,8 रजत व 15कांस्य पदक मिले कार्यक्रम मे मुकेश कुमार , शोभित टण्डन, अनुज शर्मा,आर.जे.जे. एजूकेशन प्वाइंट के व्यवास्थापक रूपेश प्रिंस आदि सम्मिलित थे। एजुकेशन पॉइंट मे

बच्चों क़ो मैडल पहनाकर और सर्टिफिकेट देकर संस्थापक श्री जगदीश जयसवाल,प्रबंधक कुलदीप जयसवाल, प्रिंसिपल पूनम जयसवाल , वाइस प्रिंसिपल अरूनीमा श्रीवास्तव ने सम्मानित किया ।

निर्धारित दर पर ही करें, उर्वरक बिक्री : उप कृषि निदेशक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिला कृषि अधिकारी मनजीत कुमार ने बताया कि उप कृषि निदेशक, महोदय सीतापुर की अध्यक्षता में उर्वरक उपलब्धता, वितरण एवं

थोक उर्वरक विक्रेताओं के कसे गये पेंच

निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं के साथ बैठक की गयी। जनपद में आज दिनांक को 33384मी0टन यूरिया, 3725मी0टन डी0ए0पी0, 6252 मी0टन एन0पी0के0, 8474मी0टन एन0पी0के0 एवं 334 मी0टन एम0ओ0पी0 की उपलब्धता है। उप कृषि निदेशक महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि थोक विक्रेताओं के द्वारा मुख्य उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग न की जाए तथा निर्धारित दर पर ही

उर्वरकों की आपूर्ति जनपद के फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को की जाये। साथ ही उर्वरकों की आपूर्ति के समय ही रियल टाइम एक्नॉलेज किया जाय। उप कृषि निदेशक महोदय द्वारा किसान भाइयों से भी अपील की है कि फसल सस्तुत मात्रा के अनुसार ही उर्वरक क्रय करें। अनावश्यक भण्डारण न करें, जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है।

शिविर लगाकर 25 बुजुर्गों के बनाए गए आयुष्मान कार्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में नैमिषारण्य के मातृ-पितृ सदन (वृद्धाश्रम) में एक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बुजुर्गों के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाए गए। आश्रम में वर्तमान में 83 व्यक्ति ऐसे रह रहें हैं, जिनकी उम्र 70 साल या इससे अधिक है। इनमें से 25 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बना दिए गए हैं। शेष कार्ड बनाने के लिए शीघ्र ही शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर कार्यक्रम के नोडल अफसर डॉ. राजशेखर ने कहा कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी को 5 लाख रुपये तक के

नैमिषारण्य के वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया शिविर

निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलती है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जिन पात्र लोगों ने अभी तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है, वह अपना कार्ड बनवा लें, और बाहर जाने पर सदैव ही उसे अपने पास रखें, जिससे कि किसी भी आपातस्थिति में उसका लाभ कार्डधारक को मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड जिले की सभी सीएचसी पर तैनात आयुष्मान मित्रों द्वारा बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा जन सेवा केंद्रों पर भी यह कार्ड बनाए जा सकते हैं। लाभार्थी इस कार्ड को अपने मोबाइल फोन पर आयुष्मान भारत ऐप डाउनलोड करके भी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत यह आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं। इस कार्ड के माध्यम से लाभार्थी देश भर में पंजीकृत किसी भी अस्पताल में भर्ती होकर पांच लाख रुपए तक का अपना उपचार करा सकता है।

कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ. अभिज्ञान सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत कुल 2,250 बीमारियां शामिल हैं। इसमें मातृ स्वास्थ्य और प्रसव या उच्च जोखिम प्रसव की सुविधा, नवजात और बच्चों के स्वास्थ्य स्वास्थ्य, कैंसर, टीवी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, हार्ट बाईपास सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, आंखों की सर्जरी, दिल की बीमारी, किडनी, लीवर, कोरोनरी बाईपास, घुटना प्रत्यारोपण, स्टंट डालना, आंख, नाक, कान और गले से संबंधित बीमारियां, डायरिया, मलेरिया आदि शामिल है। इन समस्याओं के हल के लिए मरीज के भर्ती होने पर विभिन्न आयुष्मान सूचीबद्ध चिकित्सालयों में उपचार उपलब्ध है। शिविर में मिश्रिख सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रखर श्रीवास्तव, जिला सूचना प्रणाली प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव, नरेंद्र सिंह, आयुष्मान मित्र अजय कुमार, ओटी टैक्निशियन उदयभान, सीएओ प्रियंका, मोनिका वर्मा, बीएचडबल्यू नवीन आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग ने आयुक्त से की शहर कोतवाल की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

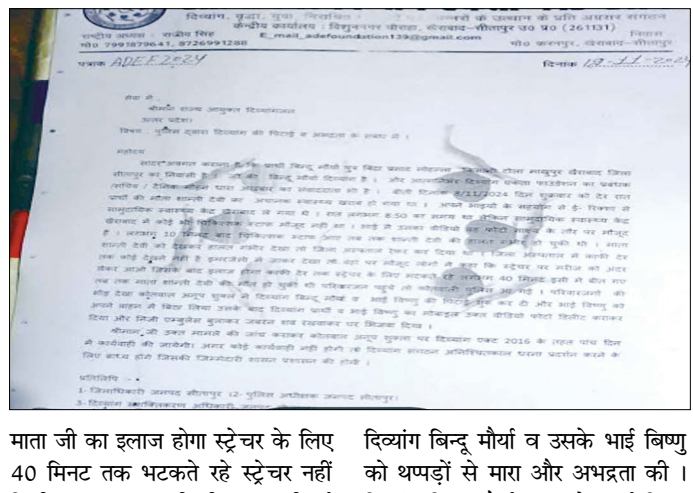

सांत्वना देने के बजाए कोतवाल अनूप शुक्ल ने दिव्यांग को जड़ा थप्पड़।

सीतापुर । आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन के प्रबंधक सचिव बिन्दू मौर्या ने राज्य आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर शहर कोतवाल की शिकायत की बताया कि बीती 8 नवंबर को माता शांति देवी का इलाज करवाने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैराबाद ले गए थे वहां मौके पर कोई चिकित्सक स्टाफ मौजूद नहीं था दस मिनट बाद चिकित्सक स्टॉप आया तब तक शांति देवी की हालत गंभीर हो चुकी थी चिकित्सक देखने के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गए इमरजेंसी में जाकर बताया कि मेरी माता जी की हालत गंभीर है वहां पर मौजूद स्टाफ ने कहा कि आप स्ट्रेचर पर अंदर ले आओ तब आप की माता जी का इलाज होगा स्ट्रेचर के लिए 40 मिनट तक भटकते रहे स्ट्रेचर नहीं मिली तब तक माता जी की जान चली गई । जिस पर परिवारजन रोने - बिलखने लगे ।

पीड़ित जब इसकी सूचना परिवारजनों को दी तब परिवारजन जिला अस्पताल पहुंचे तब तक कोतवाली पुलिस आ गई कोतवाल अनूप शुक्ला भीड़ देख पीड़ित दिव्यांग बिन्दू मौर्या व उसके भाई बिष्णु को थप्पड़ों से मारा और अभद्रता की । दिव्यांग बिन्दू मौर्या व उसके भाई विष्णु का मोबाइल छीन लिया वीडियो व फोटो डिलीट कराकर मोबाइल दे दिया और जबरन निजी एम्बुलेंस बुलाकर शव को घर भिजवा दिया । दिव्यांग ने आयुक्त को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।

राष्ट्रवादी ब्राह्मण संगठन ने थाना सदना पुलिस द्वारा ब्राह्मण जन प्रतिनिधि का अपमान की जांच की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर राष्ट्रवादी ब्राह्मण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम प्रसाद अवस्थी एवं सीतापुर के जिला अध्यक्ष रत्नेश द्विवेदी द्वारा आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पुलिस अधीक्षक सीतापुर को ज्ञापन दिया गया जिसमें थाना सदना पुलिस द्वारा बीरेंद्र मिश्रा उर्फ वीरू तथा उनके पुत्रों पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र अवस्थी की पत्नी की तहरीर पर कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज थाना परिसर के बाहर खड़े कराकर गुंडों जैसा व्यवहार कर फोटो सेशन कराकर जेल भेज दिया गया है। जबकि वीरू मिश्रा पूर्व ब्लाक प्रमुख तथा एक मिश्रिख क्षेत्र से विधायक

का चुनाव लड चुके हैं तथा प्रमुख व्यवसायी प्रतिष्ठित लोगों में शुमार है इन्हीं मुद्दों को को लेकर ब्राह्मण संगठन द्वारा आज ज्ञापन सौंपा गया जिसमें पर्दे के पीछे छिपे राजनेताओं द्वारा जो कहानी रचवाई गई है और संभ्रांत व्यक्ति की सामाजिक मर्यादा को नष्ट करने का प्रयास किया गया उसकी निष्पक्ष जांच की जाये। तथा बीरेंद्र मिश्रा तथा सुरेन्द्र अवस्थी का समझौता होने के बाद भी इस मामले को इतना गंभीर बनवा दिया गया।

सीतापुर में फंदे से लटकता मिला प्रेमी जोड़े का शव, हत्या का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर ।जनपद के कोतवाली महमूदाबाद के भिटौरा गांव में घर में युवक युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया जानकारी लेने पर पता चला की गुड्डू पिता रामविलास निवासी बरगदिया उम्र करीब 25 वर्ष रुचि पिता भगवती प्रसाद निवासी भीठौरा कोतवाली महमूदाबाद उम्र करीब 18 वर्ष दोनों की एक दूजे से शादी होने वाली थी। इनका प्रेम प्रसंग लगभग 3 वर्षों से चल रहा था। और घर में आना-जाना था घर के परिवारी जन व अन्य लोग सभी शादी के लिए खुश थे। जिनकी शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 24 नवंबर को शादी होनी थी। जिसकी किसी कारण वश डेट कैंसिल हो गई थी। इसके बाद परिवारी जनों ने मंदिर से शादी करने का निर्णय लिया इसी को लेकर आज घर में छैई कार्यक्रम था जिसकी तैयारिया चल रही थी। वही आज बृहस्पतिवार को सुबह करीब 6 बजे जब परिवारी जन घर के अंदर गए तब देखा कि दोनों युवक और युवती एक ही साड़ी के फंदे से लटकते हुए मिले जिसको देखते ही परिवार में कोहराम मच गया इसके बाद परिवारी जनों के द्वारा इसकी सूचना कोतवाली महमूदाबाद को दी गई मौके पर कोतवाल सहित पुलिस फोर्स पहुंची शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। जिसकी अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। मृतक मान सिंह के फूफा राम नाथ का मकान भिटौरा निवासी रुचि के घर के सामने है। मान सिंह अक्सर आया जाया करता था। मान सिंह लुधियाना में मजदूरी करता था। जब फूफा के घर आता तो रुचि से मुलाकात होती। यहीं से प्रेम परवान चढ़ा था।

सवर्ण सेना 23 को जिलाधिकारी से मिलकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपेगा

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद की एलिया ब्लाक में हो रहे भ्रष्टाचार पर सवर्ण स्वाभिमान संस्थान सवर्ण सेना ने रोष व्यक्त किया साथ ही 23 नवंबर को जिलाधिकारी से मिलकर समस्त बिन्दुओ पर ज्ञापन देकर ब्लाक प्रमुख,खंड विकास अधिकारी सहित दोषियों पर कार्यवाही की मांग की जाएगी जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी किया जायेगा, सवर्ण सेना प्रमुख प्रभाकर सिंह चौहान ने नारजगी व्यक्त करते हुए कहा की विकास सबका बराबर होना चाहिए ना की एक धर्म विशेष का एलिया ब्लाक में व्यापक स्तर पर धांधली चल रही है कहने को तो ब्लाक प्रमुख सत्ता पक्ष के हैं लेकिन उक्त और प्रमुख कार्य विपक्ष की मंशानुरूप कर रहे हैं सवर्ण सेना एलिया में हो रहे भ्रस्टाचार के लिए आर पार की लड़ाई लड़ेगा।

शातिर चोर गिरफ्तार, कुल 8,300/-रुपये बरामद

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद सीतापुर में चोरी/नकबजनी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारीगण व प्रभारी निरीक्षकगण को घटनाओं को रोकने व अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री प्रकाश कुमार के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर श्री अमन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा चोरी/नकबजनी के अपराध में संलिप्त अभियुक्त पारस कश्यप उर्फ हावडा पुत्र लल्ला कश्यप निवासी मुंशीगंज हाल पता घूरामऊ बंगला थाना कोतवाली नगर जनपद सीतापुर को बहुगुणा चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया । जिससे चोरी से संबंधित कुल 8,300/- रुपये बरामद हुए है। अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया कि वह अपने साथियो के साथ मिलकर बंद घरो की रेकी कर चोरी की योजना बनाकर घटनाओं को अंजाम देते हैं, अपने साथियों के साथ कुछ दिन पहले शहर में बन्द घरों के अन्दर चोरी किये थे जिनमें दिनांक 02.11.2024 की रात में अपने साथी के साथ मिलकर मोहल्ला विजय लक्ष्मीनगर में बन्द मकान के अन्दर गेट का ताला तोड़कर जेवर तथा नकदी चोरी किये थे व दिनांक 10.11.2024 की रात में मोहल्ला लोहारबाग एन0सी0सी0 चौराहे के पास बन्द मकान में ताला तोड़कर मकान में ताला तोड़कर चोरी किये थे। बरामद हुए रुपये इन्ही चोरियो से शेष बचा रुपया है। घटनाओं के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0 410/2024 व मु0अ0सं0 422/2024 पंजीकृत हैं। अभियुक्त उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है।

वाराणसी के बुजुर्ग पत्रकारों व उनके परिजनों का बना आयुष्मान कार्ड

वाराणसी। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब की ओर से गुरुवार को पराड़कर स्मृति भवन में शिविर आयोजित कर संघ से जुड़े बुजुर्ग पत्रकारों और उनके परिजनों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। सरकार द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों के लिए पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कार्ड बनाया गया। इसका लाभ पत्रकारों व उनके परिजनों ने उठाया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयुष्मान के नोडल तथा एसीएमओ डॉक्टर एस? एस? कन्नौजिया ,डीआईएसएम नावेंद्र सिंह के साथ ही सहायक के रूप में गोपाल यादव, रूपा दुबे, बिंदु यादव, सोनी व गुड़िया ने लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया। शिविर में वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र, मंत्री विनय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष संदीप गुप्त, काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डा? अत्रि भारद्वाज, महामंत्री अखिलेश मिश्र आदि की उपस्थिति रही।

इंस्टाग्राम पर तमंचे के साथ फोटो वायरल करने का आरोपित छात्र गिरफ्तार

मुरादाबाद। महानगर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अगवानपुर निवासी कक्षा नौ में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र की इंस्टाग्राम पर तमंचे के साथ एक फोटो कई दिन से वायरल हो रही थी। गुरुवार शाम को पुलिस ने आरोपित छात्र को गिरफ्तार कर लिया। थाना सिविल लाइन एसएचओ मनीष सक्सेना ने बताया कि दो दिन पहले थाना पुलिस को सूचना मिली कि कई दिन से 13-14 साल के एक बच्चे की तमंचे के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हो रही है। जिसके बाद फोटो के आधार पर थाना क्षेत्र में छात्र की पहचान का प्रयास किया गया। जिसके बाद आज शाम आरोपित छात्र को दबोच लिया। पकड़ा गया छात्र थाना क्षेत्र के अगवानपुर गांव का निवासी हैं और कक्षा नौ में पढ़ता है।

पेस संस्था एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के तत्वावधान में आमना-सामना कार्यशाला का किया गयाआयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ब्लाक पहला सीतापुर। ब्लॉक सभागार पहला में पेस संस्था एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के तत्वावधान में ब्लॉक सभागार में। आमना-सामना कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें गटखख़ विभाग एवं महिला समूह सदस्यों के बीच आमना-सामना करवाया गया। कार्यशाला में पेस द्वारा 50 ग्राम पंचायतों में चलाए जा रहे पंचायतीराज सशक्तिकरण परियोजना में से 9 ग्राम पंचायतों से कुल 57 सदस्यों की उपस्थिति रही ग्राम पंचायत - मलेथू, सिकंदराबाद, कबरा, सरैयाशंकरबक्श, ठठेरिया,कबरा, कोरार, खालगांव, देवकलिया, दिल्ली आगरा, पंचायतों के समूहों के सदस्यों की उपस्थिति रही। पेस संस्था से जिला समन्वयक बीना पाण्डेय ने आये हुए सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए सभी का आपसी परिचय करवाया एवं संस्था का परिचय बताते हुए परियोजना के उद्देश्य को भी बताया। उसके बाद *एन आर एल एम* विभाग से आये हुए *ब्लॉक मिशन मैनेजर पुष्पेंद्र सिंह जी द्वारा सभी समूह के सदस्यों का पंचायत वार प्रस्तुतीकरण करा कर उनकी समस्याओं के बारे में जाना

जिसमें कुछ समस्याएं निकल कर आयी जैसे पंचायतों में समूह सखी का चयन न होना स्टार्टअप की समस्या, सीआईएफ की समस्या, आर एफ की समस्या, को सुना एवं उसके बाद उन्होंने समस्या के समाधान को लेकर भी बताया समूह सदस्यों द्वारा ज्ञापन तैयार करें, प्रत्येक सप्ताह बैठक करें, अपने कार्यवाही रजिस्टर तैयार करें जिससे सीसीएल हो सके। उपस्थित समूह सदस्यों ने अपने अपने समूह की समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी दिये। उसके बाद आये हुए सदस्यों को बताया कि अगर आप के समूह में कोई समस्या आती है तो मुझे बताए। उसके बाद अन्त में बीना पाण्डेय द्वारा आये हुए सभी समूह सदस्यों को धन्यवाद देकर कार्यशाला को समाप्त किया गया परियोजना टीम से *बीना पाण्डेय, हरिओम वाजपेई, शैलजा कान्त, रितिक, शैलेन्द्री, वन्दना, तनुजा राजाराम, हरीश, अंकित, अकांक्षा आदि भी उपस्थित रहे।

कागजों पर दौड़ रही मनरेगा की रेल, प्रधान, सेक्रेटरी मिल कर खेल रहे खेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेहटा, सीतापुर। सरकार के लाखो प्रयासों के बावजूद बेहटा ब्लॉक में फर्जीवाड़ा रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है आए दिन कुछ न कुछ नया देखने को मिलता हैं ऐसा ही मामला ब्लॉक बेहटा की ग्रामपंचायत भवानीपुर में देखने को मिला जहां पर 21 नवम्बर को मनरेगा के तहत स्वामी दयाल के खेत से कतरा बॉडर्र तक 50 व्यक्तियों की उपस्थिति दर्शाई गई जबकि हकीकत में यहां पर एक भी लेवर नहीं लगाया गया न तो कोई काम ही हुआ बिंदु नम्बर 2 मेन रोड से पहलवान पुरवा 49 व्यक्तियों की उपस्थिति दर्शाई गई जबकि हकीकत में यहां पर केवल 5व्यक्ति

ही कम करते पाए गए आखिर इनको किसका संरक्षण प्राप्त है जो कही पर 50 की जगह 5 तो कही 50में जीरो आखिर किसके सह पर मनरेगा गारंटी योजना को पलीता लगाया जा रहा है व जिम्मेदार अंजान बने बैठे है।

परविंदर सिंह का नाम एशिया बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्डस में दर्ज

गोरखपुर। एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स के द्वारा थाई वाट कुशीनगर में अयोजित सम्मान कार्यक्रम में पेज थी समाचार पत्र अमेरिका के प्रबंध संपादक एवम अमेरिका निवासी अप्रवासी भारतीय डा. परविंदर सिंह को एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स के प्रतिनिधि मंडल द्वारा धरा धाम प्रमुख सौहार्द शिरोमणि संत डा सौरभ पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स के राष्ट्रीय निदेशक डा.नारायण यादव के संयोजन में वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र एवम स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया । डा.परविंदर सिंह का नाम उनके द्वारा अमेरिका,भारत,थाईलैंड, आस्ट्रेलिया एवम कनाडा से प्रकाशित समाचार पेज थ्री विश्व का ऐसा समाचार पत्र है जिस समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित नही किया जाता है जो अद्वितीय एवम अनुकरणीय है। कार्यक्रम में फ्रा अचन सोमफोंग, प्रमुख वॉट थाई कुशीनगर, फ्रा अचन का सभी को शुभाशीष प्राप्त हुआ ।

डीएम साहब! सडकों पर अवैध कब्जा किये बैठे हैं अतिक्रमण कारी

मुख्यमंत्री योगी के अतिक्रमण हटाओ अभियान को अवैध अतिक्रमणकारी दे रहे खुली चुनौती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । जिले की सबसे पुरानी नगर पालिकाओ में शुमार पडरौना नगर की सडके अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जे मे है। कहना मुनासिब होगा कि सूबे के वजीरेआला योगी आदित्यनाथ का अतिक्रमण हटाओ अभियान को यहा के अतिक्रमणकारी न सिर्फ़ ठेंगा दिखा रहे है बल्कि खुलेआम चुनौती दे रहे है। सडक के दोनो तरफ अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जा करने के वजह से रात में चौड़ी दिखने वाली शहर की सड़कें सुबह होने के साथ ही सिकुड़कर गली मे तब्दील हो जाती है। नतीजतन आये दिन राहगीरों को जाम की मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।

काबिलेगौर है कि शहरों में अतिक्रमण को लेकर सीएम के निर्देश पर बीते वर्ष अप्रैल माह मे पडरौना नगर सहित पूरे जनपद मे जोरदार अभियान चलाया गया था। अवैध वाहन स्टैंड हटा दिए गए थे। फुटपाथों को पूरी तरह से साफ करा दिया गया था, लेकिन तीन महीने बाद ही इस अभियान की हवा निकल गयी। हुआ यह कि अतिक्रमणकारी अभियान को ठेंगा दिखाकर पूर्व के भाति सडको के किनारे अपना अवैध कब्जा बहाल कर लिया। यही वजह है कि पडरौना शहर के सभी प्रमुख सड़कों, बाजारों में अतिक्रमण से राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे बुरा हाल नगर के तिलक चौक का है यहां फल विक्रेताओं ने आधी सड़क पर अपना कब्जा जमा लिया है। तिलक चौक से दरबार रोड जाने के लिए सडक के कोने पर स्थित फल व्यवासी ने तो सारे नियम-कानून को ताक पर रख दिया। इसने तो अपने फल की पूरी दूकान ही सडक पर सजा रखी है। इस दुकानदार की मनबढई तो देखिये जब उसे सडक पर अतिक्रमण किये जाने बात कोई कहता है तो दुकानदार ताल ठोकर बोलता है हमने बैनामा कराया है। इसी तरह शहर के मेन रोड, धर्मशाला रोड पर तो फुटपाथ ही नहीं दिखाई देता हैं। फुटपाथ के साथ सड़कें भी पार्किंग स्थल बन चुकीं है। यहां दुकानदार आधा सामान दुकानों के बाहर फुटपाथ पर रख देते हैं। इस रोड पर बडे कॉम्पलेक्स, कटरे व बैंक हैं मगर उनके पास पार्किंग के नाम जमीन ही नहीं है। इस कारण दुकानदार और वहां आने वाले ग्राहक सड़क पर ही अपना वाहन खडा करते है। जिससे यह सड़क सिकुड़ गली मे तब्दील जाती है और आने जाने वाले लोगों को हर दिन जाम की समस्याओं से जूझना पड़ता है। शहर के मुख्य पश्चिमी गंडक नहर से मेन बाजार और बावली चौक से सुभाष चौक तथा अम्बे चौक से जटहा रोड तक रात मे चौडी दिखने वाली सड़कें सुबह होते ही फुटपाथों पर अतिक्रमण होने से सिकुड़ जाती हैं। शहरों में अतिक्रमण को लेकर सीएम के निर्देश पर अप्रैल में जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर फुटपाथों को साफ कराया गया था। वाकई कुछ दिन तक शहर पूरी तरह साफ व स्वच्छ भी दिखने लगा था। मगर अतिक्रमणकारियों को स्वच्छ और सुन्दर शहर ज्यादे दिन रास नही आया।

यातायात माह का भी असर नहीं

कहने के लिए तो समय समय पर प्रशासन द्वारा यातायात माह शुरू किया जाता है लेकिन यातायात माह के दौरान भी रात मे दिखाई देने वाली चौड़ी सड़कें सुबह सिकुड़कर गली मे तब्दील हो जाती है और प्रशासन धृतराष्ट्र बना रहता है। जबकि इन्ही अवैध अतिक्रमणकारियों के वजह से आये दिन शहर मे दुर्घटना भी होती है।

अतिक्रमण हटाने के लिए तैयार किया गया था विशेष मसौदा

बतादे कि बीते वर्ष अप्रैल माह शहरी क्षेत्रों में अवैध पार्किंग व अतिक्रमण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर नगर विकास विभाग ने प्रदेश भर में एक माह तक विशेष अभियान चलाने का मसौदा तैयार किया था। इसके तहत प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी किए थे। इसमें कहा गया था कि नगर निकाय के अधिकारी अधिकृत बस, टैंपो, टैक्सी रुकने वाले स्थानों को चिह्नित कराते हुए जरूरी व्यवस्था कराएंगे। रोड निशान, दिशा सूचक, पेयजल, मार्ग प्रकाश व्यवस्था का काम भी कराया जाएगा।प्रमुख सचिव ने जिला व पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए व्यापार मंडल, स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन के साथ बैठक कर सार्वजनिक स्थानों व अवैध वाहन स्टैंड, अवैध पार्किंग, सड़कों, नालों आदि से अतिक्रमण हटाए जाने का निर्देश दिए थे।

श्रीराम-परशुराम संवाद और विवाह प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रोता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। क्षेत्र के अमवा श्री दूबे में आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ के दौरान मानस मर्मज्ञ अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने भगवान श्रीराम की कथा सुनाकर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने धनुष भंग, परशुराम-लक्ष्मण संवाद और श्रीराम विवाह के प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया।

अतुल कृष्ण भारद्वाज जी ने बताया कि विश्वामित्र जी ने श्रीराम को जनकपुरी में सीता स्वयंवर में ले जाकर समाज को संदेश दिया कि अधर्म अब टिक नहीं सकेगा। जब श्रीराम ने धनुष तोड़ा, तो परशुराम स्वयंवर सभा में आए। परशुराम और लक्ष्मण के बीच तर्क-वितर्क के बाद परशुराम ने श्रीराम को समाज की जिम्मेदारी सौंप दी और भक्ति में लीन हो गए।

कथा में राजा जनक द्वारा राजा दशरथ को बारात के लिए न्योता भेजने और जनकपुरी में बारात के स्वागत का रोचक वर्णन किया गया। महाराज ने कहा कि श्रीराम ने वनवासी, गिरिवासी और दीन-दुखियों के सहयोग से धर्म की स्थापना की। समाज में व्याप्त भेदभाव और बुराइयों को संगठित शक्ति से दूर करना आज भी प्रासंगिक है।

कथा का शुभारंभ राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अ.प्राप्त प्रधानाचार्य मधूसुदन मणि त्रिपाठी, ई. अजय उपाध्याय, पूर्व प्रधान मनीष तिवारी और देवानंद गिरी ने पूजन-अर्चन कर किया।इस दौरान बाद में पहुंचे खड्डा के विधायक विवेकानंद पांडेय, समाजसेवी दीपनारायण अग्रवाल,भाजपा नेता नित्यानंद पांडेय,रामबृक्ष गिरी,डा.संजय मणि त्रिपाठी,काशी से पधारे यज्ञाचार्य पंडित त्रिभुवन पाण्डेय, मुख्य यजमान सोनी देवी, हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक, हृषिकेश द्विवेदी, चित्रसेन द्विवेदी, मनोज द्विवेदी, अखिलेश द्विवेदी, गुड़गुड़ लाल श्रीवास्तव, शैलेश गौड़,जीतन गौड़, अशर्फी गुप्ता, जगदीश गुप्त,उपेंद्र द्विवेदी, गुड्डू द्विवेदी , गुरुदत्त उपाध्याय समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम में स्वरोजगार के दिये टिप्स

स्वयं का उद्यम स्थापित करने से दूसरों को भी मिलेगा रोजगार: विजय पाण्डेय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, ईडीआईआई, अहमदाबाद के शाखा कार्यालय द्वारा कुशीनगर स्थित वत्स कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर में छः साप्ताहिकी उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनको उद्यमिता के मुख्य विषयों जैसे- उद्यमि. के गुण, उद्यमी बनने के लाभ, उद्यम अवसरों की पहचान एवं उनका चयन, उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया, समस्या समाधान, विपणन, किस कार्य के लिए किससे मिले , के.वी.आई.बी के.वी.आई.सी एवं जिला उद्योग केन्द्र बैंक आदि के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाएं, ऋण प्रक्रिया, उपलब्धि प्रेरणा, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, लेखा एवं आय प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, कुशीनगर के सहायक प्रबंधक के एम पांडेय ने अपने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वत्स इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक मनोज कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण चला रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप ई.डी.आई.आई. द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का पूरा लाभ उठा सकेंगे और अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने पूर्व में अपने यहां आयोजित इसी प्रकार के कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि ईडीआईआई बार अकाउंटेंसी पर आधारित कार्यक्रम चलाया गया था। उक्त कार्यक्रम में भाग लेने वाले कई प्रतिभागियों ने अपना स्वयं का कार्य शुरू कर दिया है, जिन्हें मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। इसी प्रकार आप भी सफल हों। यही मेरी कामना है। ई.डी.आई.आई. के परियोजना अधिकारी विजय कुमार पांडेय ने कहा कि परंपरागत रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे युवक-युवतियों को नौकरी मिलना काफी कठिन होता है। ऐसे में स्वरोजगार करके हम न केवल अपने लिए रोजगार सृजित करेंगे बल्कि दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। वही इस कार्य में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई के महानिदेशक प्रोफ़ेसर सुनील शुक्ला जी का पैतृक निवास भी कुशीनगर जिले में है और उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि हमारे देश और प्रदेश के साथ-साथ कुशीनगर के लोग भी अधिक से अधिक उद्यमिता को अपनाएं और स्थानीय स्तर पर स्थानीय संसाधनों के माध्यम से स्वरोजगार विकसित करें। इससे युवाओं का पलायन रोकने में भी मदद मिलेगा।

एजेंसियों पर मेहरबान परिवहन विभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । बीते माह धनतेरस और दीपावली के दिन हीरो, होण्डा, टीवीएस, बजाज, सुजुकी, रायल बुलेट आदि दोपहिया वाहन एजेंसियों एंव महेन्द्रा, मारुति, टाटा, फोड, टोयटा आदि चार पहिया शोरुमो द्वारा बिना पंजीकरण व नम्बर प्लेट लगाये अवैध रूप से नियम विरुद्ध बेची गई गाडिय़ों के बाद भी एआरटीओ विभाग द्वारा अभी तक किसी एजेंसी व शोरुम के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की गयी, जो अपने आप में सवाल है। सवाल यह भी है कि मोटर व्हीकल एक्ट के मुताबिक कोई भी वाहन बिना पंजीकरण व बिना नम्बर के एजेन्सी अथवा शोरुम से बाहर सडक पर नही आ सकती है। ऐसे में धनतेरस व दीपावली पर हजारो की संख्या मे दोपहिया और सैकडों की संख्या में चार पहिया वाहन एजेंसी व शोरुम मे बाहर निकलकर सडको पर किसके शह पर दौड़ने लगी। विभाग के जिम्मेदार अब तक एजेंसी व शोरुम के खिलाफ कार्रवाई क्यो नही किये है? कही एआरटीओ विभाग के जिम्मेदार और वाहन एजेंसियों के बीच मोटी डिलिंग की चर्चा वाली बात सच तो नही? गौरतलब है कि 29 अक्टूबर धनतेरस और 31 अक्टूबर दीपावली को हीरो, टीवीएस, होण्डा, रायल बुलेट, बजाज, सुजुकी आदि कम्पनियों के एजेन्सियों द्वारा पडरौना नगर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में दोपहिया वाहन बिना पंजीकरण व बिना नम्बर प्लेट के नियम विरुद्ध तरीके से बेची गयी है। इसके अलावा मारुति, महेन्द्रा, टाटा, फोड, टोयटा आदि शोरुमो से सैकड़ों की संख्या मे चार पहिया व विभिन्न कम्पनियों के सैकडों तीन पहिया बाहन बिना पंजीकरण और नम्बर प्लेट लगाये अवैध रुप से गाडियों का बिक्री किया गया है जो सडको पर नियम विरुद्ध तरीके से फर्राटे से दौड रही है जबकि मोटर व्हीकल एक्ट के मुताबिक कोई भी वाहन बिना पंजीकरण व बिना नम्बर के एजेन्सी अथवा शोरुम से बाहर सडक पर नही आ सकती है। इसके बावजूद धनतेरस व दीपावली के दिन हजारो की संख्या मे दोपहिया और सैकडों की संख्या में चार पहिया वाहन एजेंसी व शोरुम मे बाहर निकलकर सडको पर दौड रही है जो एआरटीओ विभाग के निकम्मेपन को प्रदर्शित कर रहा है। जानकारों का कहना विभाग को चाहिए कि जिन शोरुम व एजेंसियों द्वारा बिना पंजीकरण और नम्बर प्लेट की गाडियां नियम विरुद्ध तरीके से एजेन्सी से बेची गयी है उन एजेंसी व शोरुम के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते है एजेंसी के निरस्त्रीकरण के लिए नोटिस जारी करना चाहिए। किन्तु अफसोस एआरटीओ विभाग इन एजेंसियों व शोरुमो के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सूरदास बना बैठा है। मतलब साफ है कि सूत्रों के दावे में कही न कही सच्चाई जरूर है कहना न होगा कि बिना पंजीकरण और नंबर प्लेट के कोई एजेंसी अथवा शोरुम कोई भी गाड़ी नहीं बेच सकती है। ऐसा करना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है जिसके खिलाफ परिवहन विभाग को कार्रवाई करने का प्राविधान है। इसके अलावा, बिना नंबर प्लेट की गाड़ी चलाना भी गैरकानूनी अपराध है अगर पुलिस बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ी चलाते हुए किसी व्यक्ति को पकड़ती है, तो उस व्यक्ति को जुर्माना भरना होगा। चार पहिया वाहन कंपनियों को प्रत्येक गाड़ी पर हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट लगानी होगी। जब कार तैयार होकर फैक्ट्री से शोरूम में बिकने के लिए पहुंचेगी तो उसमें नंबर प्लेट होना जरूरी है। शोरूम में कार खरीदने के बाद उसमें रजिस्ट्रेशन नंबर की एंबोजिंग भी करानी होगी। सबब यह है कि बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के गाड़ी शोरूम से बाहर नहीं निकल सकती है। नंबर प्लेट पर किसी विभाग या सांकेतिक चिह्न नहीं होना चाहिए।इसके अलावा प्राइवेट वाहनों पर नंबर प्लेट सफ़ेद या काले रंग में होनी चाहिए और व्यावसायिक वाहनों पर नम्बर प्लेट पीले रंग में होना अनिवार्य है। इसी तरह दोपहिया वाहनों के लिए पंजीकरण व नंबर प्लेट लगाना कानूनी तौर पर ज़रूरी है।अगर कोई बिना नंबर प्लेट का बाइक चलाता हैं, तो ट्रैफ़िक पुलिस रोककर उस गाडी पर जुर्माना लगायेगी और परिवहन विभाग बिना पंजीकरण और बिना नम्बर प्लेट की गाडियां बेचने वाले शोरुम व एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। किन्तु विडम्बना यह है कि कुशीनगर जिले में अब तक कोई कार्रवाई नही की गयी जो अपने आप में सवाल है।

पूर्व बीईओ द्वारा बंद विद्यालय पुनः संचालित मिला, कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारी जारी निर्देश के क्रम में बीएसए डा. राम जियावन मौर्य के निर्देश पर बिना मान्यता के संचालित विद्यालयों की जांच करते खंड शिक्षा अधिकारी डा. प्रभात चंद राय दुदही विकास खंड के दुबौली बाजार पहुंचे। जहां कुछ ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उक्त बाजार में संचालित ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल बिना मान्यता के चलाया जा रहा है। यह भी जानकारी मिली कि शिक्षा विभाग द्वारा उक्त विद्यालय पूर्व में भी बंद कराया जा चुका है लेकिन जिम्मेदार पुनः विद्यालय संचालित कर रहे हैं। बीईओ विद्यालय पहुंचे तब वह चलता पाया गया। विद्यालय में छात्र मौजूद थे। बीईओ ने मान्यता संबंधी दस्तावेज मांगा जिसे संचालक दिखा न सके। बीईओ ने

तत्काल विद्यालय बंद कराते हुए छात्रों को नजदीकी सरकारी विद्यालय में नामांकन कराने का निर्देश दिया। बीईओ ने संचालक को चेतावनी दी बिना मान्यता के विद्यालय चलता पाया गया तो एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाते हुए सील कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि संगठन को चुस्त दुरुस्त करें : बालेंदु मणि

एजेंसी

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के संगठन का चुनाव औरा चौरी स्थित पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला चुनाव अधिकारी बालेंदु मणि त्रिपाठी की उपस्थिति में मंडल अधिकारियों की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि कार्यकर्ता भाजपा की नींव हैं। आप सबके सहयोग और समर्पण से संगठन खड़ा हुआ है। ये हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि हम संगठन को चुस्त दुरुस्त करें। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर तक बूथ और शक्ति केंद्रों के चुनाव को सम्पन्न करना है। साथ ही हर बूथ पर पन्ना प्रमुख भी बनाए जाने हैं। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि हर बूथ पर कम से कम 50 लोगों की प्राथमिक सदस्यता रजिस्टर भी बनाया जाय और उन्हीं

कार्यकर्ताओं का चयन हो जिनके अंदर संगठन के प्रति समर्पण का भाव हो। संगठन की मजबूती के लिए कुछ दिनों के लिए अपनी व्यक्तिगत समस्याओं और व्यस्तताओं को परे रखकर पार्टी के मजबूती के लिए कार्य करें। बैठक का संचालन जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से जिला सह चुनाव अधिकारी जयनाथ कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, अजय कुमार दुबे, संजय सिंह एडवोकेट, महामंत्री प्रमोद शाही, जिला मंत्री डॉ. हेमंत मिश्रा, अरविंद पांडे, अजय उपाध्याय, संजय तिवारी, अशोक पांडे, राजकुमार शाही, जिला मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, त्रिपुनायक विश्वकर्मा, रामजी सिंह, डॉ. विनय राव, अंगद तिवारी, शैलेंद्र सिंह आजाद, अंकुर राय मौजूद रहे।

साइबर अपराध डिजिटल अरेस्टिंग रोकने में संचार सारथी पोर्टल कारगर, आमजन रखें जानकारी

पोर्टल में संदिग्ध नंबर का रिपोर्ट करने पर विधिवत उस नंबर की जांच होती है, सत्य का पता लगता है

एजेंसी

वाराणसी। साइबर अपराध खास कर डिजिटल अरेस्टिंग जैसे गंभीर अपराधों के रोकथाम के लिए केन्द्र सरकार ने संचार सारथी पोर्टल लांच किया है। इसमें किसी भी अनजान नंबर जो कि आपको संदेहास्पद लगते हैं, उसकी रिपोर्ट करने के लिए इसमें प्रावधान किया गया है। वाराणसी के वरुणा पार के एडीसीपी सरवण टी के अनुसार संचार सारथी पोर्टल में आप इसमें संदिग्ध नंबर जैसे ही डालते हैं, उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा आप खुद के मोबाइल नंबर से किसी अन्य का मोबाइल नंबर जुड़ा है कि नहीं इसको भी पोर्टल से जान सकते है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि आमजन को इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी रखनी चाहिए कि संचार सारथी का इस्तेमाल कैसे करें। और किसी भी प्रकार के साइबर अपराध, फ्रॉड को कैसे रोक सकें। संचार सारथी पोर्टल तकनीक का ऐसा उपहार है,

जो न केवल अपराधियों को पकड़ने में सहायक है, बल्कि लोगों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित अनुभव प्रदान करता है।

गौरतलब हो कि संचार सारथी पोर्टल तकनीक का ऐसा उपहार है जो न केवल अपराधियों को पकड़ने में सहायक है बल्कि लोगों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित अनुभव प्रदान करता है। जागरूक रहें, सतर्क रहें और साइबर अपराध से बचाव के लिए इस तकनीक का लाभ उठाएं। खास यह है कि आपका मोबाइल फोन कहीं खो गया है तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे अपने मोबाइल फोन को ब्लॉक कर सकते हैं। सरकार का ये पोर्टल आपकी इसमें पूरा मदद करेगा। अभी तक आमतौर पर लोग स्मार्टफोन चोरी या गुम होने पर पुलिस में शिकायत दर्ज करा कर मौन हो जाते थे। मगर अब सरकार ने एक ऐसे पोर्टल को लॉन्च किया है जिसके जरिए आप अपने चोरी या खोए हुए स्मार्टफोन को प्राप्त कर सकते हैं। रेल और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 मई को संचार साथी पोर्टल को लॉन्च किया था।

धड़ल्ले से चल रहा मिट्टी खनन का गोरखधंधा

योगी का आदेश का नहीं है असर, अधिकारियों ने मूंदी आंखें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी के आदेश के बावजूद दर्जी कुआं और खोराहसा पुलिस चौकी क्षेत्र में मिट्टी खनन का गोरखधंधा धड़ल्ले से चल रहा है।इसका उदाहरण गोंडा फैजाबाद रोड पर तेज गत से दौड़ रही ट्रैक्टर - ट्रालियां देहात कोतवाली क्षेत्र के पुलिस चौकी के क्षेत्र में सड़क पर तेज गति से दौड़ने वाली ट्रालियों को देखने को मिल रहा है। प्रदेश की योगी सरकार से लोगों को उम्मीदें है कि क्षेत्र में जल्द अवैध कारोबार पर लगाम लगेगा।लेकिन खनन माफिया पर पुलिस नकेल कसेगी,लेकिन इन दिनों लोगों के उम्मीदों पर पानी फिर गया है।अवैध कारोबार रुकने के बजाय बढ़ने लगा।खनन माफिया प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर धड़ल्ले से मिट्टी खनन कर राजस्व को लाखों का क्षति पहुंचाने में लगे हुए हैं।देहात कोतवाली क्षेत्र के चौकी क्षेत्र दर्जी कुआं और खोराहसा क्षेत्र क सुल्तानजोत,कोयलीजगल,फिरोजपुर,चिश तीपुर खोराहसा जमुनिया बाग आदि गाँवो में अवैध खनन का कार्य तेजी से चल रहा है।वही सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि इस गोरखधंधे में पुलिस प्रशासन सहभागी बने हुए हैं।वहीं अगर कोई व्यक्ति अपने निजी कार्य या मकान बनाने के लिए अपने खेत से मिट्टी निकाल रहा है तो पुलिस सख्त कदम उठा रही है,लेकिन खनन कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस के पसीने छूट जाते हैं।सूत्र बता रहे है कि पुलिस आती और चली जाती है और खनन चालू रहता है।अवैध खनन मैं लगी ट्रैक्टर ट्रालियां की गति इतनी तेज होती है सड़क पर कि तेज गति से दौड़ रही । ट्रालिया से बड़ी घटना का कारण बन सकता है।अवैध तरीके से मिट्टी निकालने के बाद उक्त जगह तालाब की तरह बड़े गड्ढे बन जाते हैं।बारिश होने पर गड्ढा पानी से लबालब भर जाता है जिससे घटना होने का भय बना रहता है।किसी दिन भी यह अवैध खनन बड़ी घटना का सबब बन सकता है।आए दिन मिट्टी लगी ट्रालियों से लोगों के के साथ घटनाएं घट रही हैं।वहीं क्षेत्र में हो रहे मिट्टी खनन की जानकारी खनन अधिकारी से लेने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर बताया।

साहब ! मैं तो जिंदा हूँ लेखपाल ने मुझे मृत दिखाकर वरासत किसी और के नाम कर दी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । अभी दो साल ही आई मशहूर एक्टर पंकज त्रिपाठी की फिल्म कागज आपने देखी ही होगी।इस फिल्म में कागज में हीरो पंकज त्रिपाठी खुद को जिंदा साबित करने के लिए तहसील से लेकर अदालत का चक्कर लगाते हैं। बहुत संघर्ष के बाद वह खुद को जिंदा साबित कर पाते हैं। फिल्म कागज प्रशासनिक व्यवस्था की बड़ी खामी को दर्शाती है।यह तो हुई फिल्म की बात,लेकिन यहां हकीकत में एक जीवित महिला को मुर्दा बना दिया गया।पीड़िता अट्ठारह वर्ष बाद कागज में खुद को जिंदा घोषित कराने के लिए प्रशासन के चक्कर लगा रही थी अब जाकर पीड़ित की शिकायत पर आरोपी महिला और तत्कालीन लेखपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ है।पूरा मामला जिले के तरबगंज क्षेत्र में एक तत्कालीन लेखपाल ने उसकी 46 बीघा भूमि कथित पुत्री के नाम वरासत कर दिया।अठ्ठारह वर्ष बाद इसकी जानकारी होने पर पीड़ित ने महिला आरोपी समेत तत्कालीन लेखपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।बताया जाता है कि आरोपी लेखपाल स्वतंत्र कुमार शुक्ला वर्तमान समय में मनकापुर तहसील में रजिस्ट्रार कानूनगो के पद पर तैनात हैं।तहसील कर्नलगंज क्षेत्र के ग्राम चरौंहा निवासी पीड़ित राजपति सिंह पुत्र रामनरेश सिंह ने तरबगंज थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ग्राम महेशपुर नवाबगंज में स्थित गाटा संख्या 399/3-7100 हे.करीब 46 बीघे भूमि का संक्रमणीय भूमिधर है और अभी पूर्णतया स्वस्थ व जीवित है।ग्राम महेशपुर नवाबगंज के कुछ भूमाफिया लोगों ने उसे मृत दिखाकर उसका असल कागजात के रूप में प्रयोग करते हुए संजू देवी उर्फ गायत्री देवी कथित पुत्री मृतक राजपति सिंह पुत्र रामनरेश सिंह निवासी ग्राम महेशपुर का दर्शाते हुए ग्राम महेशपुर के तत्कालीन लेखपाल स्वतंत्र कुमार शुक्ला जो वर्तमान में तहसील मनकापुर में रजिस्ट्रार कानूनगो के पद पर तैनात हैं,को अनुचित लाभ देकर मिलीभगत करके 27.जुलाई 2006 को जरिये पक 11 का आदेश कराकर भूमि की वरासत करवा लिया।जबकि,संजू देवी उर्फ गायत्री देवी के नाम की उसकी कोई पुत्री नहीं है।मामले में आरोपी महिला और तत्कालीन लेखपाल के विरुद्ध भा0दं0सं0 के धारा 419, 420,467,468,471 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष तरबगंज विवेक त्रिवेदी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी संजू देवी उर्फ गायत्री देवी व तत्कालीन लेखपाल स्वतंत्र कुमार शुक्ला के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

मांगों को लेकर अधिवक्ताओं ने सड़क जाम कर किया धरना प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उपजिलाधिकारी कैसरगंज के मनमाने रवैया के खिलाफ अधिवक्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन, लखनऊ बहराइच हाइवे किया जाम

कैसरगंज बहराइच । उपजिलाधिकारी कैसरगंज के मनमाने रवैये के खिलाफ अधिवक्ताओं ने पूर्व सूचना के आधार पर कैसरगंज मुख्य बाजार तहसील परिसर के सामने चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। अधिवक्ता संघ कैसरगंज ने 17 सितंबर से कैसरगंज उपजिलाधिकारी के अमर्यादित आचरण व गलत व्यवहार की भाषा से छुब्ध होकर न्यायालय का बहिष्कार कर दिया था, जो भी अनवरत 2 माह से अधिक आज भी जारी रहा।अधिवक्ता संगठन की उपजिला अधिकारी आलोक प्रसाद पर शासन द्वारा उचित कार्यवाही न किए जाने के विरोध में मुख्य मार्ग लखनऊ बहराइच हाइवे को जाम कर प्रदर्शन किया,इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह ने अधिवक्ताओं से जाम खोलने का अनुरोध किया, लेकिन लामबंद अधिवक्ता अपने मांगों में उपजिलाधिकारी के खिलाफ कार्यवाही को लेकर डटे रहे। आधे घंटे के चक्का जाम में कैसरगंज मुख्य बाजार में यातायात व अन्य व्यवस्था को लेकर अफरा तफरी का माहौल रहा। मौके पर कैसरगंज थाने की पुलिस व अन्य थानों की पुलिस एवं भारी पुलिस सुरक्षा बल मौजूद रहा। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता संघ अध्यक्ष बृजेश प्रसाद मिश्रा, महामंत्री ज्ञान बाबू वर्मा, पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश सिंह, विनोद कुमार सिंह, नसीब अहमद खां, राज किशोर यादव, विजय प्रताप सिंह, अधिवक्तागण मनोज कुमार सिंह, सूर्यभान सिंह, दयाराम यादव, सहित सैकड़ो की संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

बजाज चीनी मिल में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ पेराई सत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड कुन्दुरखी के पेराई सत्र 2024 और 2025 बृहस्पति वार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधायक तरबगंज प्रतिनिधि व ब्लाक प्रमुख मनोज पाण्डेय,विक्रमजोत केन सोसायिटी के चेयरमैन अरविन्द सिंह,करनैलगंज केन सोसायिटी के चेयरमैन चन्द्रेष प्रताप सिंह,गोंडा केन सोसायिटी के चेयरमैन भारत सिंह, नवाबगंज केन सोसायिटी के चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह, बहराइच के पूर्व केन सोसायिटी चेयरमैन राघवेन्द्र प्रताप सिंह, यूनिट हेड पी.एन.सिंह एवं जोनल एच.आर.हेड एन.के.शुक्ला ने विधि-विधान व वैदिक मंत्रोचार से पूजा अर्चना कर डोंगे में गन्ना डालकर किया। इसके पूर्व चीनी मिल परिसर में 20 नवम्बर को अखंड श्रीराम चरित मानस पाठ का आयोजन हुआ। किया गया। जिसका अयोध्या से पधारे आचार्य डॉक्टर अखिलेषश्वेदान्ती व चीनी मिल के पुजारी आचार्य अनिल कुमार ने विधि-विधानपूर्वक 21 नवम्बर को समापन कराया।महा प्रबन्धक गन्ना डॉ.ए.के.तिवारी एवं महाप्रबन्धक इंजीनियरिंग जगजीत सिंह ने चीनी मिल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नारियल फोड़कर,कॉटें पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली एवं ट्रक की पूजा किया।समारोह के दौरान यूनिट हेड पी.एन.सिंह ने कहा कि बजाज चीनी मिल किसान हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।किसान हितों को ध्यान में रखते हुए विगत पेराई सत्र के बकाया धनराषि का सम्पूर्ण भुगतान शीघ्र ही करा दिया जायेगा।जोनल एच.आर.हेड एन.के.शुक्ला ने अतिथियों व किसानों का आभार प्रकट करते हुए अपील किया कि सभी लोग मिल संचालन में चीनी मिल प्रबन्धन का सहयोग करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पेराई के दौरान कृषकों को अपना गन्ना बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या आने नहीं दी जायेगी।इस मौके पर चारों गन्ना समितियों के सचिवगण, चीनी मिल के उत्पादन प्रमुख आमोद विष्नोई, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक (आई.टी.)प्रदीप कुमार, उप महाप्रबन्धक (वित्त व लेखा) एस.एन. शुक्ला, प्रबन्धक (वित्त व लेखा) राजीव पाण्डेय,वरिष्ठ प्रबन्धक (क्यू.सी.)मनोज सिंह सहित चीनी मिल परिक्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य कृषकगण मौजूद रहे।

मोस्ट प्रतिभा सम्मान समारोह की हुई समीक्षा मीटिंग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। मोस्ट कार्यालय निषाद भवन विनोवापुरी में 3 जनवरी 2025 को देश की प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले जयंती के अवसर पर आयोजित मोस्ट प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 की तैयारी/समीक्षा मीटिंग की गयी।

उक्त मीटिंग में मोस्ट प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजक राम उजागिर यादव ने सभी मोस्ट पदाधिकारियों समर्थकों/सामाजिक चिंतकों से प्रचार-प्रसार में लग जाने व तन-मन-धन से सहयोग की अपील की है। इस अवसर पर मोस्ट डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल ल्लगुरूजील्ल, प्रदेश कमेटी पेरियार समभोले वर्मा, प्रदेश कमेटी इं. मनोराम वर्मा, प्रदेश प्रमुख ज़ीशान अहमद, सह संयोजक एडवोकेट संतोष सोनकर ल्लफौजील्ल, जिला प्रमुख डा. गोविंद भगत, ब्लाक संयोजक राज बहादुर कोरी, मोस्ट रक्षक दल सदस्य डा. राहुल निषाद, कैप्टन मोस्ट रक्षक दल रोहित निषाद, अनुराग, पीयूष, अरबाज गनी, सुमित सहित दर्जनों लोग मैजूद रहे।

नहरों से माध्यम से खेत में पानी पहुंचाया जाये, मण्डलायुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील की अध्यक्षता में फसल बुवाई के दौरान नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाए जाने को लेकर सिंचाई विभाग एवं सिंचाई से संबंधित अन्य विभागों की बैठक आहुत की गयी। यह बैठक जनपद बलरामपुर के तहसील तुलसीपुर के सभागार में आयोजित की गई।बैठक में मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि जनपद में चार विकास खंड पचपेड़वा हरैया सतघरवा,तुलसीपुर, गैसड़ी हार्ड एरिया ब्लॉक हैं, इन क्षेत्रों में बोरिंग सफल न होने से फसलों की सिंचाई हेतु कृषकों को परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए सिंचाई विभाग द्वारा नहरों में पूरी क्षमता के साथ खेतों तक पानी उपलब्ध कराया जाए।इसके अलावा उन्होंने निर्देश दिया कि नहरों के माध्यम से बड़े तालाबों को भरा जाए तथा सिंचाई के लिए इनका उपयोग किया जाए। उन्होंने बड़े जलाशयों जैसे चित्तौड़गढ़ बांध की भी सिल्ट सफाई की भी कार्ययोजना तैयार किए जाने का निर्देश दिया।उन्होंने सहायक अभियंता लघु सिंचाई एवं अभियंता हाइड्रोलॉजी को हार्ड एरिया ब्लॉक में सर्वे किए जाने का निर्देश दिया जिससे कि उन स्थानों को चिन्हित किया जा सके जहां बोरिंग सफल हो। सिंचाई के लिए नए बैराज बनाए जाने के संबंध में भी कार्ययोजना तैयार किए जाने का निर्देश दिया।बैठक के दौरान बलरामपुर के मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्त, एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार,मंडलीय अधिकारी सिंचाई विभाग,नलकूप विभाग, विद्युत विभाग,उपनिदेशक कृषि व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कोल्डवेव से पशुओं को बचाने के लिए पशुपालन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने कड़ाके की ठंड (कोल्डवेव) के दौरान पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पशुओं को ठंड के प्रकोप से बचाने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता है। पशुओं को दिन में धूप में रखने और रात से सुबह तक काऊकोट या झोले का उपयोग करके ढकने की सलाह दी गई है। पशुशाला को ठंडी हवा से बचाने के लिए तिरपाल लगाना चाहिए, साथ ही दरवाजे, खिड़कियां और रोशनदान को टाट या बोरे से ढक देना चाहिए। पशुओं को पर्याप्त मात्रा में ताजा और स्वच्छ पानी पिलाने पर जोर दिया गया है। ठंड बढ़ने पर गुनगुने पानी का भी उपयोग किया जा सकता है। कोल्डवेव के कारण पशुओं की श्वसन दर में कमी आ सकती है और शरीर का तापमान 99 डिग्री से. से 100 डिग्री से. तक हो सकता है। ऐसे में पशुओं को कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और अन्य आवश्यक दवाएं दी जानी चाहिए। ठंड के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखना आवश्यक है। पशुओं को खुरपका-मुंहपका, एचएस, बकरियों में पीपीआर, ईटी और स्वाइन फीवर जैसी बीमारियों से बचाने के लिए पशु चिकित्सालय में उपलब्ध टीके अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि रात में पशुओं को खुले स्थान पर न रखें और ठंडे पानी से नहलाने से बचें। पशु बाड़े की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने का आग्रह करते हुए उन्होंने बताया कि गोबर और मूत्र के निकास की उचित व्यवस्था करें और बाड़े को सूखा रखें। पशुओं को संतुलित आहार दें और उनके भोजन में खली, दाने और अजवाइन-गुड़ का उपयोग बढ़ाएं। ठंड लगने की स्थिति में तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें। पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध हैं। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे ठंड से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति सतर्क रहें और किसी भी समस्या के लिए पशु चिकित्सा अधिकारियों से संपर्क करें।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

कुड़वार/सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय बीआरसी पर शारदा प्रशिक्षण के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र कुड़वार पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। ब्लॉक में संचालित152 परिषदीय प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक तथा कंपोजिट विद्यालय में नामित नोडल शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन कर तीन बैच में भाषा, गणित, विज्ञान , अंग्रेजी, सामाजिक विषय, संस्कृत, पर्यावरण के संघनित पाठों पर चर्चा की गई। आरपी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बच्चा स्कूल हर दिन आए इसके लिए सबको सजग रहने की आवश्यकता है।वर्ष में 30 दिन तक अनुपस्थित रहने पर बच्चे आउट ऑफ स्कूल की श्रेणी में शामिल हैं। एआरपी संजय कुमार यादव ने सामाजिक विषय के पाठ्य विंदु पर विस्तार से बताया। एआरपी राजेश मिश्रा ने प्रतिभागी से चर्चा करते हुए कहा कि हमें आउट ऑफ स्कूल बच्चों को लक्षित दक्षताओं को हासिल करने के लिए प्रयास करना है। अनुज तिवारी अरुण बरनवाल, राजेश कुमार श्रीवास्तव,रमेश तिवारी, घनश्याम लाल विवेक प्रताप सिंह आदि के प्रश्नों पर चर्चा की गई।

नजूल की भूमि पर बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के खड़ा हो गया तीन मंजिल का मकान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । अब इसे दुस्साहस नहीं तो क्या कहेंगे।प्रशासन की सख्ती के बाद भी अगर भू-माफिया नजूल की भूमि पर बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के नगर मजिस्ट्रेट के रोकने के बावजूद अगर निर्माण कर ले और उस पर मकान पर गेट और दरवाजे लग जाएं तो इससे साफ है कि उन्हें किसी का खौफ नहीं।कृपाल आश्रम की गली में नजूल की जमीन पर मालवीय नगर में बिना मानचित्र बिना फ्री होल्ड के एक तीन मंजिला मकान बनाकर खड़ा हो जाता है। और नजूल विभाग के कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगती है।ऐसे ही अभी कुछ माह पहले महाराजगंज पुलिस चौकी के पास नजूल की भूमि पर बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के मकान का निर्माण हो रहा था।इसकी शिकायत किसी ने सिटी मजिस्ट्रेट से की तो सिटी मजिस्ट्रेट ने निर्माण करने वाले व्यक्ति को जेल भेज दिया था।और मकान पर कोई कार्रवाई नहीं की थी।और अब वह मकान बनाकर तैयार हो गया है गेट और दरवाजे लग गए हैं।वही मालवीय नगर गुरुद्वारा के पास नजूल की भूमि पर बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के हो रहे अवैध निर्माण की समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने पर सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर जाकर अवैध निर्माण को तो रुकवा दिया था लेकिन नियम पालन नहीं कराया ना तो मकान को सील कराया और ना ही समान को जप्त किया और अवैध निर्माण फिर से निर्माण कार्य शुरू हो गया है।और अब उस जगह पर आज एक दुकान खुल गई है।वही आसपास के लोगों की माने तो यह निर्माण या तो तड़के दो-तीन घंटे होता है या फिर रात के पहर।नजूल के दो अमीन और राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से मालवीय नगर इलाके में सरकारी भूमि पर कुछ ही वर्षों में दर्जनों से अधिक मकान बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के मकान खड़े हो गए।भू-माफिया हर दिन कब्जा करते रहे और अधिकारी व राजस्वकर्मी आंखें बंद किए रहे।जब-जब मामला मीडिया में गया तो प्रशासनिक अधिकारी दिखावे के लिए एक-दो निर्माण को सिर्फ कुछ दिनों तक मामला शांत रहने के बाद फिर से अवैध निर्माण शुरू होता गया और गेट लग मकान खड़ा हो गया है।अब सवाल यह है कि आखिर किसकी सह पर भू-माफिया सरकारी भूमि पर बिना फ्री होल्ड बिना मानचित्र के निर्माण हो रहे हैं।ऐसे तो किसी में इतनी हिम्मत नहीं की वह महीनों मजदूरों को लगवाकर मकान खड़ा कर ले और अधिकारियों को पता न चले।कहीं न कहीं ऊपर तक इसके तार जुड़े हैं।वही सूत्र बता रहे है कि नगर पालिका परिषद के एक कर्मचारी ने ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरकारी भूमि पर यूं ही कब्जा नहीं किया जा सकता।इसमें नजूल विभाग के दो अमीन मिले हुए है और इन दोनों ऊपर से नीचे तक चढ़ावा चढ़ाते है,तभी यह निर्माण कार्य संभव है।वर्तमान समय में नगर पालिका क्षेत्र में करीब दर्जनों स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है।कई जगहों पर छत की ढलाई भी हो गई है।और दरवाजे भी लग गए हैं तो कहीं तीन मंजिल मकान बनाकर खड़ा हो गया है।अब देखना यह है कि मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक अधिकारी सरकारी नजूल की भूमि पर बिना मानचित्र बिना फ्री होल्ड हो चुके अवैध निर्माण को ढहाते हैं या फिर हर बार नोटिस देकर हर बार की तरह ठंडे बस्ते में डाल देते हैं।वही सिटी मजिस्ट्रेट का सिर्फ रटा-रटाया एक ही बयान आता है पट्टे की जमीन थी नोटिस भेजी जा रही है।लेकिन सवाल यह उठता है कि नोटिस का खेल कब तक खेला जाएगा।

जनपद बहराइच व श्रावस्ती के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म का किया अवलोकन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । फिल्म ''द साबरमती रिपोर्ट'' को बृहस्पतिवार को उ.प्र. के सभी जनपद के सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। अभिनेता विक्रांत मैसी की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' गोधरा कांड की घटना पर आधारित है। देश के मा0 प्रधानमंत्री जी से लेकर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी फिल्म को देखकर इसकी सराहना की है।

इसी क्रम में आज जनपद बहराइच व श्रावस्ती के माननीय जनप्रतिनिधियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी फिल्म देखकर उसकी सराहना की। फिल्म का प्रसारण सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा बहराइच स्थित के-सिनेमा (कुमार पिक्चर पैलेस) में किया गया। जिसका मा0 सांसदगण/विधायकगण/अध्यक्ष जिला पंचायत /नगर पालिका/नगर पंचायत/जनप्रतिनिधिगण/पाटी पदाधिकारीगण/सहयोगी दलो द्वारा देखा गया। जिसकी लोगों ने खूब सराहना भी की।

जानलेवा हमले के आरोपी को कोर्ट से राहत

सुलतानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र के प्रतापपुर भण्डरा में सखन सिंह व उनके पिता पर जानलेवा हमला करने के आरोपी अनिल सिंह को जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ल ने जमानत दी है। आरोपी के अधिवक्ता सन्तोष पाण्डेय ने अर्जी पेश की। आरोप है कि गांव में हुए विवाद में आरोपियों विक्रम सिंह, विवेक सिंह, विपिन सिंह और अनिल सिंह ने लाठी डंडा कुल्हाड़ी से सखन सिंह व उनके पिता पर जानलेवा हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई थी। कोर्ट ने साक्ष्यों और अधिवक्ता के तर्कों के आधार पर आरोपी अनिल सिंह को जमानत पर रिहाई के आदेश दिया है।

सूचना

सशपथ सूचित करता हूँ कि प्रार्थी इंद्रजीत पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय शिवराम पाण्डेय का मूल दस्तावेज गाटा संख्या 1074 मौजा जानकीनगर परगना व तहसील गोण्डा,अंश 1600 वर्गमीटर विक्रेता नीलेश कुमार पाण्डेय बैनामा 25.08.2007 मूल रूप से गायब हो गया है।

सपथी/प्रार्थी
इंद्रजीत पाण्डेय
पुत्र स्वर्गीय शिवराम पाण्डेय,
निवासी ग्राम विद्यानगर,
परगना व तहसील मनकापुर,
जनपद गोण्डा।

एआरटीओ साहब सोनू ढाबे पर खड़े आड़े तिरछे ट्रक दुर्घटनाओं को दे रहे दावत, यातायात माह की उड़ रही जमकर धज्जियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। सरकार यातायात नियमों को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रत्येक वर्ष यातायात माह चला कर यातायात के प्रति जागरूकता एवं सुरक्षित परिवहन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जाता है। जिसमें चालक परिचालक और राहगीरों को सुझाव देती है। इस समय भी यातायात प्रभारी पूरे जनपद में यातायात माह चला कर लोगों को जागरुक कर रहे हैं। और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर जुर्माना वसूल रहे है। लेकिन पूरनपुर में नेशनल हाईवे पर स्थित सोनू ढाबा इन सभी यातायात नियमों का जमकर खोल उल्लंघन कर रहा है। ढाबे के सामने नेशनल हाईवे पर नेशनल हाईवे के दोनों तरफ आने तिरछे ट्रक सहित अन्य चौपाइयां वहां खड़े करवाता है। कई बार इस तरह से खड़े हुए ट्रैकों से दुर्घटनाएं होते होते बची हैं। लेकिन इन घटनाओं से है।एआरटीओ पीलीभीत भी लगातार जनपद में चेकिंग कर अभियान चलाकर कार्रवाई कर रहे हैं। लेकिन उनकी नजर भी नेशनल हाईवे पर स्थित सोनू ढाबे पर अभी तक नहीं पड़ी है।

पुलिसिया करतूतों से खफा ग्राम प्रधानों ने थाने का घेराव कर जताया विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । थाना शुकुल बाजार क्षेत्र के जैनबगंज बाजार में बुधवार को ग्राम पंचायत अहमदपुर के प्रधान प्रतिनिधि के इशारे पर उनके साथियों द्वारा एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया था। घटना का एक वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने प्रधान प्रतिनिधि संजय मौर्य और उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया जबकि दूसरे पक्ष ने भी पुलिस को तहरीर सौंपी लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नही किया तो गुरुवार को पुलिसिया करतूतों से खफा प्रधान संघ अध्यक्ष की अगुवाई में दर्जनों ग्राम प्रधानों और उनके समर्थकों ने थाना बाजार शुकुल का घेराव कर लिया। ग्राम प्रधानों ने स्थानीय पुलिस पर एक पक्षीय कार्यवाही किये जाने का आरोप लगाते हुये थाने के सामने ही धरने पर बैठ गये। थाना क्षेत्र के जैनबगंज बाजार में मनोज यादव निवासी ग्राम पूरे लोहरन मरदानपुर अपनी मिठाई की दुकान पर बैठा था।बुधवार की सुबह अहमदपुर गांव के प्रधान प्रतिनिधि संजय मौर्य मौके पर पहुंचे और उनके साथ उनके साथियों ने मनोज यादव की पिटाई शुरू कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद पीड़ित मनोज यादव की तहरीर पर पुलिस ने प्रधान प्रतिनिधि और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया जो कि ग्राम प्रधानों को नागवार गुजरा।गुरुवार को प्रधान संघ अध्यक्ष सतीश कुमार मिश्रा की अगुवाई में कई ग्राम पंचायतों के प्रधान अहमदपुर के प्रधान प्रतिनिधि के समर्थन में आ गये और थाना शुकुल बाजार के बाहर धरने पर बैठ गये। इन मौजूद रहे।

ग्राम प्रधानों के विरोध जताने के बाद पुलिस ने दूसरे पक्ष के भी खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

प्रधानों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उनके प्रतिनिधि के खिलाफ यह मुकदमा फर्जी है।उन्होंने कहा कि संजय मौर्य तो सिर्फ मौके पर खड़े थे जबकि पिटाई के दौरान वह कहीं मौजूद नही थे। ग्राम प्रधानों की भीड़ देखकर थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा मौके पर पहुंचे और ग्राम प्रधानों को समझा बुझाकर शांत कराया।पुलिस ने मनोज यादव समेत दूसरे पक्ष के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन दोनों पक्षों में आज भी आक्रोश व्याप्त है।इस मौके पर ग्राम प्रधान राजेश चौहान,रवीन्द्र सिंह, जगदीश पाल, राकेश शर्मा, राम उजेरे, रमन शुक्ला, संजय यादव, शोएब अहमद सहित कई ग्राम प्रधान व अन्य तमाम लोग

मतदेय स्थलों पर विशेष कैम्प का आयोजन तेइस और चौबीस नवम्बर को होगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । अपर जिलाधिकारी /उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पित गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि एक जनवरी 2025 के आधार पर उनतीस अक्टूबर से अठाइस नवम्बर 2024 तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान कार्यक्रम के दौरान तेइस एवं चौबीस नवम्बर को जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सम्बन्धित बीएलओ मतदाता सूची एवं फार्मों के साथ अपने मतदेय स्थलों पर उपस्थित रहेगें व मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन छह जनवरी 2025 को किया जायेगा। इस क्रम में उन्होंने सभी अर्ह नागरिकों से अपील किया है कि उपरोक्त अवधि में सम्बन्धित मतदेय स्थल अथवा तहसील में जाकर आलेख्य मतदाता सूची का निरीक्षण कर लें, यदि किसी अर्ह मतदाता जो एक जनवरी 2025 को अठारह वर्ष की उम्र पूरी कर रहे हों अथवा उससे अधिक आयु के हों, परन्तु उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित न हुआ हो तो वे प्रारूप-छह में अपना आवेदन सम्बन्धित पदाभिहीत स्थल पर नियुक्त पदाभिहीत अधिकारी/बीएलओ के समक्ष अथवा सम्बधित तहसील क्षेत्र के मतदाता रजिस्ट्रेशन केन्द्रों पर प्रस्तुत कर सकते है। उन्होंने बताया कि किसी सम्मिलित नाम के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो प्रारूप-सात एवं मतदाता के नाम से सम्बन्धित किसी प्रविष्टि में कोई त्रुटि हो तो उसे शुद्ध कराने या उसी विधानसभा के किसी अन्य मतदेय स्थल पर स्थानान्तरित कराये जाने अथवा डुप्लीकेट पहचान पत्र जारी कराये जाने या दिव्यांग मतदाता चिन्हित कराये जाने हेतु प्रारूप-आठ में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अब वर्ष में चार अर्हक तिथि क्रमशः एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई एवं एक अक्टूबर निर्धारित की गयी है अर्थात एक पात्र नागरिक को जो वर्ष 2025 में अर्ह तारीखों अर्थात एक अप्रैल 2025, जुलाई 2025 एवं एक अक्टूबर 2025 में से किसी भी तिथि को अठारह वर्ष की आयु प्राप्त करने वाला है, वह अग्रिम में प्रारूप-छह में निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित करने के लिए दावा कर सकेगा और उस पर सम्बन्धित अर्हता तारीख के संदर्भ में सम्बन्धित तिमाही में विचार और विनिश्चय किया जाएगा।

गाजियाबाद की घटना लेकर वकीलों ने जताया विरोध किया प्रदर्शन उपस्थित रहे सैकड़ो अधिवक्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।गाजियाबाद जनपद न्यायालय में अधिवक्ताओं के साथ हुए दुरव्यवहार एवं कोर्ट रूम में वकीलों पर लाठी चार्ज की घटना के विरोध में जनपद मुख्यालय के अधिवक्ताओं में अपना विरोध प्रदर्शन किया खटीमा रोड से होते हुए नकटादाना चौराहा तक नारेबाजी करते हुए। विरोध प्रदर्शन किया कलेक्टर चौराहे पर अधिवक्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर उत्तर प्रदेश सरकार और जिला जज गाजियाबाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जापान में अधिवक्ताओं ने कहा कि घटना में शामिल पुलिसकर्मियों की विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए अगर पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वकीलों का प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा अधिवक्ताओं के ऊपर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं दोषी पुलिसकर्मी पर मुकदमा दर्ज किया जाए घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा दिया जाए। न्यायालय में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाए प्रत्येक अधिवक्ता को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की तरफ से ?5 लाख इलाज के लिए मुक्त बीमा योजना लागू की जाए विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से सिविल वर अधिनियम के अध्यक्ष विवेक पांडे, आलोक कुमार, मोहन गिरी, संयुक्त बार एसोसिएशन के सचिव आनंद मिश्रा, अश्वनी कुमार सिंह, स्नेह लता तिवारी, रीता शर्मा, प्रियंका सिंह ,फरहीन,जूही,शायरा, उर्वशी,मिथिलेश,बाबूराम शर्मा, संतराम राठौर, राजीव अवस्थी,किशन लाल,अजय सक्सेना, रामदेव, प्रेम प्रकाश गंगवार,अमित पाठक, शिव शर्मा, अशोक भारती, मनोज कुमार, सुधीर मिश्रा, संजय तोमर, सुशील यादव, साबिर अंसारी, राहुल अवस्थी, अशोक शर्मा, राजेश शर्मा, मजहर जाफरी, नुजहत खान, इमरान खान सहित सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे हैं।

विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर दो सचिव हुए निलंबित

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में कुछ सचिव लगातार भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं।अपनी ग्राम पंचायतो में शिकायतें मिलने पर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए। जिला पंचायत राज अधिकारी सतीश कुमार सहित अन्य अधिकारियों से जांच करवाई जांच में मामला सही पाए जाने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला पंचायत राज्य अधिकारी सतीश कुमार ने दो सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विकासखंड मारवाड़ी में तैनात सचिन सचिन कुमार ने मनरेगा द्वारा निर्माण कराई गई अहमद बली के घर से प्यारेलाल के घर तक सीसी सड़क निर्माण,देवीपुरा में संचालित गौशाला में मृत गोवंशों को दफनाए जाने में अत्यंत लापरवाही और उदासीनता बरती थी। इसके अलावा लगभग आठ बिंदुओं पर जांच हुई जिसमें सचिव दोषी पाए गए।इसके अलावा सचिव तोलेराम के खिलाफ भी जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी सतीश कुमार ने तत्काल प्रभाव से दोनों सचिवों को निलंबित कर दिया गया है।

मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए परिषदीय विद्यालयों में चलाया जाएगा जागरूकता अभियान आदेश जारी

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। खंड शिक्षा अधिकारी मरौरी सुनील कुमार ने समस्त प्रधानाध्यापक एव इंचार्ज प्रधानाध्यापक को पत्र भेज कर विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम चलने का आदेश दिया है। प्रभागीय वन अधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व को पत्र भेज कर कहा कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पीलीभीत के पत्र का संदर्भ ग्रहण करने के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पिछले कुछ वर्षों से बाघों की वन क्षेत्र से बाहर निकालने की घटनाएं लगातार घटित हो रही हैं।जिससे निकटवर्ती गांव में मानव वन जीव संघर्ष होने का सामना भी करना पड़ रहा है।पिछले कई वर्षों से पीलीभीत टाइगर रिजर्व और सफारी संस्था वन विभाग के सहयोगी के रूप में जागरूकता तथा अन्य कार्यक्रम संचालित कर रही है। संस्था द्वारा वन क्षेत्र के किनारे स्थित स्थानीय गांवों में रहने समुदायों के ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यालयों में मानव वाघ सह अस्तित्व जागरूक कार्यक्रम किया जाना है।इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु विद्यालय द्वारा सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसलिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व व सफारी संस्था के द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों में अपेक्षित सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें जिस कार्यक्रम का सफल संचालन हो सके और वन क्षेत्र किनारे रहने वाले ग्रामीणों को जागरूक किया जा सके।

राज्यमंत्री ने गोधरा काण्ड पर आधारित फिल्म को नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ देखा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

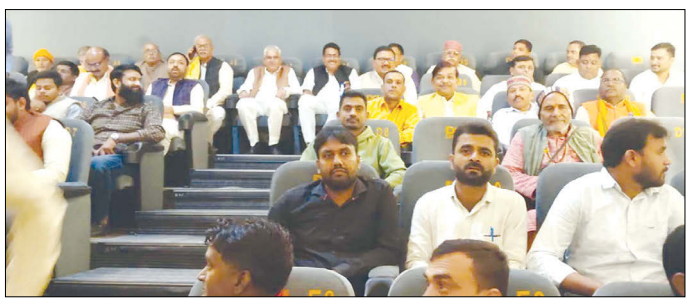

अमेठी । गोधरा कांड पर आधारित फिल्म को गुरुवार को गौरीगंज स्थित डी डी सिनेमा जामों में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री एवं तिलोई के विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह भाजपा जिलअध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा एवं सभी प्रमुख जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर के दिखा। पूरी फिल्में जिस प्रकार से अयोध्या से जा रही साबरमती ट्रेन को गोधरा स्टेशन पर साजिश के तहत एक विशेष वर्ग ने जलाया और उसमें बैठे हुये राम भक्त कारसेवक जो की ढोल हारमोनियम से राम भजन कर रहे थे।निर्दोष कारसेवकों को एस छह एवं एस सात बोगी को पूर्ण रूप से जला दिया गया उसके बाद में देश की आसुरी शक्तियों ने जिस प्रकार से गोधरा कांड को छिपाने का काम किया एवं विभिन्न प्रकार से पूरे देश को साजिश के तहत जलाने का काम किया पूरी फिल्में उन सभी पहलुओं को दिखाया गया है गोधरा कांड पूरे देश के लिए एक कलंक था राम भक्तों का निर्दोष जल जाना पूरे विश्व के लिए एक कलंक था इन सब का चरित्र चित्रण बखूबी फिल्म में किया गया है। भाजपा के प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने बताया कि फिल्म को देखने वालों में तिलोई के ब्लॉक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह,अनिल सिंह,केशव सिंह, सुधांशु शुक्ला, राकेश सिंह, प्रभात शुक्ला, रमेश सिंह,महेंद्र मिश्रा,अतुल सिंह,विनोद मिश्रा, घनश्याम पाण्डेय, सोनू सिंह,पंकज सिंह,मोहन सिंह सहित सभी प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाजार से घर जा रहे पूर्व बीडीसी पर फायरिंग, सामान में लगी गोली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भदैंया/सुलतानपुर। बुधवार की देर शाम हनुमानगंज बाजार से घर जा रहे बाइक सवार पूर्व बीडीसी पर पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग की गयी। जो बीडीसी के सामान मे लगी और वह बाइक लेकर गिर पड़े। लोगों के दौड़ने पर हमलावर भाग निकले। पीड़ित ने मामले मे नामजद तहरीर दी है और पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। देहात कोतवाली के कुछमुछ बरगदवा निवासी पूर्व बीडीसी शोभनाथ निषाद बुधवार की देर शाम अपनी बाइक से घर पर स्थित परचून की दुकान का सामान लादकर घर जा रहे थे। वह घर के निकट निआज के खेत के पास मोड़ पर पहुंचे थे कि सड़क किनारे झाड़ी मे पहले से ही घात लगाकर बैठे लोगों ने उन पर फायर झोंक दिया। फायरिंग के बाद गोली उनके पीछे बंधे सामान मे जा लगी और वह बाइक लेकर गिर गये । गोली की आवाज सुनकर आस पास के लोग व परिजन मौके पर पहुंचे तो हमलावर चार लोग मौके से भाग निकले। जिसके बाद उनको बेहोशी की हालत मे सीएचसी भदैंया ले आया गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। इलाज के बाद देर रात वह घर पहुंचे है। शोभनाथ ने गोशांईगंज निवासी दुर्गादत्त, कोतवाली नगर के चुनहा निवासी नंदलाल, कुछमुछ निवासी रंजीत और कुछमुछ निवासी महताब के नाम नामछद तहरीर दी है। पीडित का आरोप है कि गांव की ही गुड्डा देवी उपरोक्त लोगो से मिलकर उनकी जान की दुश्मन बनी है और हत्या की शाजिश रची है। देहात पुलिस घटना की जांच पड़ताल मे जुटी हुई है। देहात कोतवाल सतेन्द्र कुमार सिह ने बताया कि शोभनाथ पर गांव की ही गुड्डा देवी ने छेडछाड सहित गंबीर धाराओ मे मुकदमा पंजीकृत कराया है। जिसमे वह वांछित है ।

रम्पुरा कपूरपुर एफसीआई गोदाम पर कम मजदूरी देने पर मजदूरों का हंगामा विधायक से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव रम्पुरा कपूरपुर में एफसीआई गोदाम पर कार्य करने वाले मजदूरों को मजदूरी कम दी जा रही है। जिसको लेकर मजदूरों में काफी रोष दिखाई दे रहा है।मजदूरों द्वारा पिछले काफी समय से काम किया जा रहा है। आरोप है कि 580 बोरी चावल को उतारने पर 3500 रुपए निर्धारित है। उसके बाद भी उनको सिर्फ 1900 रुपए दिए जाते है। इसको लेकर मजदूरों ने विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मामले में स्थानीय विधायक बाबूराम पासवान के कार्यालय पर पहुचकर कम मजदूरी देने की शिकायत की गई।विधायक पुत्र ऋतुराज पासवान ने एसडीएम से बात करते हुए मजदूरों की समस्याओं का समाधान कराने को कहा है।

किराना स्टोर के पास में छात्रा को टक्कर मारने के बाद ट्राला खाई में पलटा पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव कपूरपुर के रहने वाले रामशरन पुत्र मेवाराम ने गुरुवार समय 11:00 बजे बताया। उनकी 14 वर्षीय पुत्री नैंसी देवी सुबह 7:45 पर साइकिल से स्कूल जा रही थी। इसी दौरान एक राइस मिल का ज्वाइन्डर ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से छात्रा को टक्कर मार दी और ट्रैक्टर खाई में पलट गया। घायल छात्रा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया छात्र के पिता ने चालक पर लापरवाही बरतने के मामले में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

पुरूष नसबन्दी पखवाडे का शुभारम्भ एवं सारथी वाहन को सीएमओ ने दिखाई हरी झंडी

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पीलीभीत से दो सारथी वाहनों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सारथी वाहन को गुब्बारों एवं परिवार नियोजन से सम्बन्धित बैनरों से सजाया गया था। उक्त दोनो सारथी वाहन नगर क्षेत्र के सभी मोहल्लों में जाकर 21 नवम्बर 2024 से 24 नवम्बर 2024 तक चलने वाले पुरूष नसबन्दी पखवाडे में पुरूष नसबन्दी एवं परिवार नियोजन के अन्य साधनों के विषय में प्रचार-प्रसार करेंगें एवं भारत सरकार द्वारा प्रेषित थीम ल्लआज ही शुरूआत करें,पति पत्नी मिलकर परिवार नियोजन की बात करेंल्ल के माध्यम से जनमानस को जागरूक करेंगें। जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता वाहन ल्लसारथी वाहनङ्क में परिवार नियोजन की रोचक थीम पर गीतों एवं पम्पलेट वितरित कर लोगों को पुरूष नसबन्दी अपनाकर अपने परिवार को सीमित रखने के लिये प्रेरित किया जायेगा। नगरीय आशा बहनों द्वारा सारथी वाहन के माध्यम से इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन के साधनों को भी वितरित किया जायेगा।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आलोक कुमार,उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एसके सिंह,सीएमएसडी स्टोर इंचार्ज डॉ0 ज्ञान प्रकाश, चीफ फार्मासिस्ट मनोज वर्मा, पटल सहायक मुन्ना लाल, जिला परिवार नियोजन प्रबन्धक अमित शर्मा,अंकुर भटनागर,अवसार अहमद, कौशल कुमार,संजीव कुमार, सुशील कुमार,अर्बन फार्मासिस्ट अमरेश कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी एंव अधिकारी उपस्थित रहे हैं।

पूर्व विधायक सफदर रजा मामले में सुनवाई टली

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। चांदा विधानसभा सीट के पूर्व विधायक सफदर रजा पर मतदान में गड़बड़ी के आरोप में जारी मुकदमे में एमपी - एमएलए कोर्ट में गुरुवार को आरोप तय नहीं हो सके। पूर्व विधायक पर 1997 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीपरपुर में मतदान में गड़बड़ी के आरोप में केस दर्ज हुआ था। उधर धम्मौर थाना क्षेत्र के भाईं में 10 साल पैमाईश करने गए लेखपाल से अभद्रता, सरकारी काम में बाधा और अन्य आरोपों में भी पूर्व विधायक के खिलाफ जारी मुकदमे में भी हाजिर नहीं होने पर सुनवाई भी 29 नवम्बर के लिए टल गई है।

आत्महत्या के मामले में आरोपी को राहत

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। किशोरी की आत्महत्या के मामले में जेल भेजे गए आरोपी प्रशांत कुमार मौर्य को सेशन जज लक्ष्मीकांत शुक्ल ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। आरोपी के वकील विनोद कुमार श्रीवास्तव ने उस पर लगाए गए आरोपों को निराधार और कथित सुसाइड नोट को संदिग्ध बताया जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को जमानत दी है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र की एक नाबालिक किशोरी ने बीते पांच सितंबर को कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका ने गोराबारिक निवासी प्रशांत मौर्य को जेल भेजवाने के सम्बन्ध में मां के नाम सुसाइड नोट लिखा था जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

दुधारू पशुओं के लिए पशु चाकलेट बनाने का प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुड़वार/सुलतानपुर। स्थानीय कृषि विज्ञान केन्द्र बरासिन में दुधारू पशुओं में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए पशु चाकलेट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें दर्जनों लोगों ने हिस्सा लिया।

गुरुवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र बरासिन में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ गौरव पाण्डेय द्वारा पशुपालकों को यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक पशु चॉकलेट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। पशुचिकित्सा वैज्ञानिक ने बताया कि यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक दुधारू पशुओं हेतु प्रोटीन का सस्ता एवं बहुत ही अच्छा श्रोत है। यह ब्लॉक जुगाली करने वाले जानवर जैसे गाय, भैंस, भेड़, बकरी, को जिनकी उम्र एक वर्ष से ऊपर है उन्हें उचित मात्रा में दिया जा सकता है। दुधारू पशुओं में यह ब्लॉक दुग्ध उत्पादन को बढ़ाता है एवं प्रजनन एवं रिपीट ब्रीडिंग जैसे विकार दूर करता है। इस ब्लॉक को बनाने हेतु ब्लॉक बनाने की मशीन, गेहूं का चोकर, गुड का राब/शीरा, मिनरल मिक्सचर, नमक, विटामिन, यूरिया आदि सामग्री की आवश्यकता होती है।

डॉ गौरव पाण्डेय ने बताया कि जहां हरा चारा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध न हो वहां सफल डेयरी संचालन हेतु यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक राम बाण साबित होगा। इसके लिए जनपद की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं पुरुषों को कृषि विज्ञान केन्द्र बरासिन में इसका प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने घरों में इसे बना कर डेयरी को अच्छे दामों पर उपलब्ध कर अपनी आय को बढ़ाया जा सकता है।

सगे भाईयों ने जाली खतौनी बनाकर बेच दिए क्रय केंद्र पर लाखों का धान, जारी हुई नोटिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भदैंया/सुल्तानपुर। लंभुआ विकास खंड के ग्राम पंचायत शिवगढ़ के दो सगे भाइयों ने फर्जी खतौनी और जाली दस्तावेज तैयार कर धान क्रय केंद्र पर दो सौ कुंतल धान बेंच दिया। जिसकी शिकायत गांव के ही सूरज साहू ने खाद्य व रसद विभाग लखनऊ से की है। जिसके बाद विभाग ने जांच शुरू कर उनको नोटिस जारी कर जबाब मांगा है। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के शिवगढ़ गांव निवासी आशुतोष सिंह और अभिषेक सिंह सगे भाइयों ने फर्जी खतौनी और जाली दस्तावेज तैयार कर धान क्रय केंद पर करीब दो सौ कुंतल धान बेच दिया है। गांव के ही शिकायतकर्ता सूरज साहू ने प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग लखनऊ से उक्त प्रकरण की शिकायत कर जांच व कार्रवाई की मांग की है। शिकायत को संज्ञान मे लेकर प्रमुख सचिव ने जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को निर्देशित करते हुए उक्त प्रकरण पर जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी संजय पांडेय ने दोनों सगे भाइयों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर मामले का जबाव मांगा है। उन्होंने कहा है कि साक्ष्य प्रस्तुत न करने की दशा में दोनो को दोषी माना जायेगा और विधिक कार्रवाई सम्पादित कराई जाएगी। इस बारे में शिवगण थाने के एस ओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस बारे मुझे कोई जानकारी नहीं है। यदि शिकायत मिलती है तो अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाही की जाऐगी।

साल भर पहले शंभूगंज क्रय केन्द्र का है मामला, अब हो रही कार्रवायी

मामला सहकारी संघ के पीसीएफ के शंभूगंज क्रय केन्द्र से जुड़ा है। शिवगढ निवासी आशुतोष सिह ने कादीपुर तहसील के महमदाबाद ग्राम पंचायत की करीब तीन हेक्टेयर की खतौनी पर किसान आईडी 1790181425 पर 26/11/23 को 99 कुंतल धान बेंचा है। जिसका भुगतान 216553 रूपया उनके ग्रामीण बैंक शिवगढ खाते मे भेजा गया है। उनके भाई अभिषेक सिह ने कादीपुर तहसील के उडरी गांव की तीन हेक्टेयर की खतौनी पर किसान आई डी 1790181437 पर 96 कुंतल धान बेचा है । और उनके खाते मे 209568 रूपये का भुगतान किया गया है। दोनो भाईयो को चार लाख से अधिक का भुगतान शासन ने किया है।

जनहित याचिका से खुली घोटाले की पोल

बिना जमीन के दो सगे भाइयों को राजस्व विभाग ने खतौनी धारक बना दिया है। फर्जी खतौनी पर एसडीएम कादीपुर ने दोनो भाइयों को बड़ा काश्तकार भी दर्शा दिया है। धान खरीद का अप्रूवल मिलने पर मामले की पोल खुली है। स्थानीय शिवगढ़ ग्राम प्रधान सूरज साहू के शिकायत पर जांच होने पर अफसरों की लीपापोती भी उजागर हुई है। कादीपुर तहसील से मामला जुडा है जिसकी जांच जनहित याचिका के बाद डीएसओ और जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने की है। जनहित याचिका को संज्ञान में लेकर हाईकोर्ट ने पूरे मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है । जिला खाद्य विपणन अधिकारी संजय पांडेय ने बताया कि फर्जी काश्तकार बनने के मामले में हाई कोर्ट को जवाब भेजा जा रहा है।

दिल्ली प्रदूषण: भारत की फजीहत

पिछले कई वर्षों से दिल्ली एवं एनआरसी में हर साल की सर्दियों में होने वाला स्मॉग (धुंध व धुंआ) लोगों के लिये अनेक तरह की समस्याएं लेकर आता है। इसके कारण दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि कुछ ही मीटर की दूरी तक भी दिखाई देना बन्द हो जाता है। राष्ट्रीय महामार्ग पर अनेक हादसे होते हैं, ट्रेनें व जहाजों की उड़ाने या तो रद्द होती हैं या फिर विलम्ब से उनका परिचालन होता है। स्कूलों में अक्सर छुट्टियां दे दी जाती हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ही गम्भीर परिणाम पड़ते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की शिकायतें मिलती हैं। मौसम के ठंडा होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में पराली जलाने के कारण गाढ़े धुंए की मोटी परत पूरे इलाके पर छा जाती है। विभिन्न तरह की परेशानियों और समस्याओं को लेकर आने वाले प्रदूषण का असरकारक तोड़ अब तक न दिल्ली सरकार ढूंढ़ पाई है और न ही केन्द्र सरकार। पराली जलाने के आरोप में हरियाणा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के खिलाफ मामले दर्ज करने के अलावा अब तक ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी है। अब यह मामला अजरबैजान की राजधानी बाकू में जलवायु परिवर्तन पर चल रहे वैश्विक सम्मेलन सीओपी 29 में गूंज गया है जिसमें इस पर प्रदीर्घ मंथन तो हुआ ही, भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती भी हो गयी। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 294 पहुंच गया जो गम्भीर से अधिक माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के ऊपर चला गया। पार्टिकूलेट पॉल्यूशन 1000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से भी ज्यादा रहा। यह प्रदूषण ब्लैक कार्बन, ओजोन, जीवाश्म ईंधन और पराली के जलाने से होता है जो स्वास्थ्य के लिये बेहद खतरनाक है। इसमें सांस लेना मानों कई दर्जन सिगरेटें पीना है। इसका प्रतिकूल असर लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञ इस दिशा में तत्काल और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत बतला रहे हैं। पिछले कुछ साल से ठंड के मौसम में इस प्रकार का स्मॉग इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को चपेट में लेता है और इस पर हाय-तौबा मचती है। एक बार यह मौसम खत्म होने तथा स्मॉग साफ हो जाने के बाद लोग इसे भूल जाते हैं और सरकारें भी। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने स्थिति की भयावहता पर तो प्रकाश डाला ही है, उन्होंने तंज कसा कि श्हम वैश्विक मुद्दों पर तो बात करते हैं लेकिन लाखों लोगों के स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सम्भवतः उनका इशारा बाकू में भारत के प्रतिनिधित्व एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की ओर उसकी चिंताओं की ओर था, जबकि भारत की राजधानी में लाखों लोगों के स्वास्थ्य को गम्भीर खतरा है। दमा, फ़ेफड़े में संक्रमण, एलर्जी आदि से पीड़ित लोगों के लिये यह मरण काल है। दिल्ली-एनसीआर के इस मामले की अनुगूंज सीओपी 29 में जिस तरीके से सुनाई दी वह भारत के लिये पर्याप्त अपमानजनक थी। बहुत सी ऐसी बातें कही गयीं जो कई देशों के साथ सीधे भारत की ओर इशारा करती हुई उसे चोट पहुंचाने वाली रहीं। ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ एलायंस के उपाध्यक्ष कर्टनी हार्वर्ड ने कनाडा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्पिछले वर्ष वहां के जंगलों में लगी आग ने 70 प्रतिशत आबादी के जीवन को खतरे में डाल दिया था और उस त्रासदी से निपटने में उस देश को निपटने में वित्तीय समस्या आई थी।श उनका कहना था कि जब एक समृद्ध देश को इतनी परेशानी हो सकती है तो गरीब देशों के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिये गरीब देशों को वित्तीय मदद की जरूरत है। पर्यावरणविद भावरीन कंधारी का कहना है कि सीओपी 29 को अपने दूसरे हफ्ते में शहरी जलवायु की ओर ध्यान देना होगा। उन्होंने इस स्थिति को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालश बतलाया। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण पर सीओपी-29 में मुद्दा गरीब देशों के हवाले से उठा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कई दावे हवा में उड़ गये। पहला यह कि मोदी भारत को एक बड़ी आर्थिक ताकत बतलाकर खुद की पीठ ठोंकते रहे हैं।

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है। परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं।

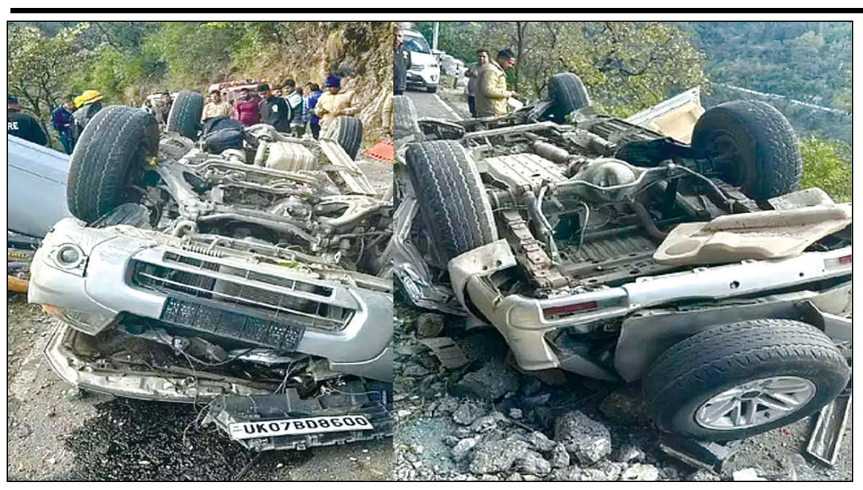

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है। परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? -ललित गर्ग

जय भवानी का उद्घोष कर बलिवेदी पर सो गई एक वीरांगना

झलकारी बाई की जयंती पर विशेष

-गौरव अवस्थी

झलकारी बाई का जन्म झांसी के पास भोजला गांव में एक कृषक परिवार में 22 नवंबर 1830 को हुआ था। पिता सदौवा सिंह और माँ जमुना देवी के घर जन्म लेने वाली झलकारी बाई की वीरता की कई कहानियां बुंदेलखंड में आज भी सुनाई जाती हैं। किसान होने के बावजूद झलकारी बाई के पिता एक वीर पुरुष थे। छोटी ही उम्र में झलकारी के सिर से माँ जमुना देवी का साया उठ गया। पिता ने बेटे की तरह उनका लालन-पालन किया।

देश के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में झांसी राज्य की आन-बान और मर्यादा के लिए वीरांगना झलकारी बाई और उनके पति पूरन सिंह कोरी ने अंग्रेजों से युद्ध करते हुए अपना बलिदान दिया था। वह झलकारी बाई ही थीं जिन्होंने रानी को अंग्रेजों के चंगुल से सकुशल निकालने के लिए झांसी की रानी का वेश धारण कर गोरे सैनिकों से युद्ध करके उनके छक्के छुड़ा दिए। उनके बलिदान को याद किए बिना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान की स्मृति अधूरी ही रहती है। झलकारी बाई का जन्म झांसी के पास भोजला गांव में एक कृषक परिवार में 22 नवंबर 1830 को हुआ था। पिता सदौवा सिंह और माँ जमुना देवी के घर जन्म लेने वाली झलकारी बाई की वीरता की कई कहानियां बुंदेलखंड में आज भी सुनाई जाती हैं। किसान होने के बावजूद झलकारी बाई के पिता एक वीर पुरुष थे। छोटी ही उम्र में झलकारी के सिर से माँ जमुना देवी का साया उठ गया। पिता ने बेटे की तरह उनका लालन-पालन किया। उन्होंने अपनी बेटी को घुड़सवारी तथा अस्त्र-शस्त्र संचालन सिखाए। उन्होंने झांसी की रानी की सेवा में तोपची के रूप में नियुक्त युवक पूरन सिंह कोरी के साथ झलकारी बाई का विवाह कर दिया। पूरन ने ही पहली बार रानी से झलकारी बाई को मिलवाया। रानी झलकारी बाई से पहली बार में बहुत प्रभावित हुईं और उन्हें अपनी सेना में नियुक्त कर लिया। अपनी सूझबूझ, संगठन क्षमता और अस्त्र-शस्त्र संचालन में कुशलता के चलते वह जल्दी ही रानी की विश्वास पात्र बन गई। सेवा में नियुक्त होने के थोड़े दिन बाद ही अंग्रेज फौज ने झांसी पर घेरा डाल दिया। रानी लक्ष्मीबाई ने आपातकालीन युद्ध परिषद की बैठक बुलाई। इसी बैठक में झलकारी बाई ने रानी के सामने प्रस्ताव रखा कि दुश्मन को धोखे में डालने के लिए आपका वेश धारण करके मैं छोटी-सी टोली के साथ रहकर अंग्रेजी सेना पर आक्रमण करूं। दुश्मन मुझे रानी समझकर पकड़ने के लिए पीछा करें, तभी आप दूसरे मोर्चे से किले से निकल जाएं। रानी को झलकारी बाई की योजना बहुत पसंद आई लेकिन उन्होंने झलकारी की जान जोखिम में डालने के लिए प्रस्ताव खारिज कर दिया। झलकारी ने फिर कहा कि भारत माता को आपकी जरूरत है। मेरे रहने और न रहने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस पर रानी लक्ष्मी बाई योजना से सहमत हुई और झलकारी को अपनी छाती से चिपका कर कहा कि जिस राज्य में झलकारी की तरह की वीर नारियां हैं, उस राज्य का दुश्मन कभी बाल बांका नहीं कर सकता। झांसी की रानी को अपने ही गद्दारों से परेशान थीं। झलकारी बाई की इस योजना को भी राज्य का एक गद्दार, अंग्रेज सैनिक को बताने जा ही रहा था कि झलकारी वहां पहुंच गईं और अपनी तलवार से उसका सिर कलम कर दिया। गद्दारों की वजह से ही अंग्रेजी सेना महलों में घुसने में सफल हुई। मजबूरी में रानी को महल छोड़ना पड़ा। तब झलकारी ने योजना के अनुसार ही अंग्रेजी सेना से मोर्चा संभाला और झांसी की रानी सुरक्षित राजकुमार को लेकर महल से निकल गईं।

सेहत मंत्र

बॉडी बनाने की होड़ में युवा कर रहे किडनी को बीमार

ऐसे युवाओं की संख्या बहुत अधिक है, जो सलमान खान और ऋतिक रौशन जैसे बालीवुड अभिनेताओं की तरह का शरीर पाने के लिए.... युवाओं में सलमान खान , ऋतिक रौशन और टाइगर श्रॉफ जैसी बॉडी पाने की होड़ बढ़ रही है और इस होड़ में आज के युवा जिम में या अपने घर पर 'सिक्स पैक एब्स' पाने के लिए खास तरह की एक्सरसाइज करते हैं और हाईप्रोटीन डाइट लेते हैं। कई बार जिम इंस्ट्रक्टर शरीर के कुछ हिस्सों में मांसपेशियों में उभार लाने के लिए हाईप्रोटीन डाइट, स्टेरॉयड एवं हार्मोन के इंजेक्शन लेने की सलाह देते हैं, लेकिन इन सबके मिलेजुले दुष्प्रभाव के कारण कई युवा किडनी फ़ेल्योर (गुर्दा काम न करना) के शिकार बन रहे हैं। मरीजों से प्राप्त जानकारियों के विशच्चेषण एवं परीक्षणों से पता चला है कि उनकी किडनी फ़ेल्योर का कारण सिक्स पैक्स बनाने के लिए जिम में कराई जाने वाली खास तरह की एक्सरसाइज एवं स्टेरॉयड एवं हार्मोन के इंजेक्शनों का प्रयोग है। ऐसे युवाओं की संख्या बहुत अधिक है, जो सलमान खान और ऋतिक रौशन जैसे बालीवुड अभिनेताओं की तरह का शरीर पाने के लिए जिम में जाकर घंटों तक खास तरह की एक्सरसाइज करते हैं तथा स्टेरॉयड एवं हार्मोन के इंजेक्शनों का सहारा लेते हैं और अपनी किडनी खराब कर बैठते हैं। आज के युवाओं के मन में एक्सरसाइज को लेकर कई तहर की भ्रांतियां बन गई हैं। वे अपने शरीर को स्वस्थ एवं चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए एक्सरसाइज नहीं करते, बल्कि अपने शरीर को बॉलीवुड या हॉलीवुड के हीरो की तरह के सिक्स पैक लुक पाने के लिए एक्सरसाइज करते हैं। जिम का ट्रेनर भी शरीर के शिल्पकार की तरह इन युवाओं के शरीर में बदलाव लाने के लिए खास तरह के एक्सरसाइज डिजाइन करता है। खास डायट प्लान बताता है। कई युवा आगे बढ़कर स्टेरॉयड एवं हार्मोन के इंजेक्शन लेने लगते हैं और इन सब का मिलाजुला दुष्प्रभाव यह होता है कि उनकी किडनी खराब हो जाती है।

धर्म मंत्र

कर्मों का फल निश्चित रूप से हर किसी को भोगना ही पड़ता है

भगवान श्रीराम जी ने सुग्रीव के मन की थाह पा ली थी। वे तो समझ गए थे कि सुग्रीव के मन में श्रीविभीषण जी के संबंध में अतिअंत ही नकारात्मक विचारों ने आकार ले रखा है। सुग्रीव यह तो देख ही नहीं पा रहे कि कैसे-कैसे श्रीविभीषण जी ने हमें समर्पित होकर, रावण के विरुद्ध लोहा लिया है। रावण के प्रति खुले रूप में विद्रोह करना, साक्षात मृत्यु को दावत थी। लेकिन हमारी खातिर श्रीविभीषण जी ने, अपनी नन्हीं जान की भी चिंता नहीं की। वे अपना सब राज-पाट, यश व वैभव को लात मार कर, हमारी शरणागत होने पधारे हैं। लगता है सुग्रीव को अपने साथ हुए, बालि के अन्याय भूल गए हैं। सुग्रीव को अपने साथ घटित प्रत्येक हिंसा व अत्याचार तो याद है, लेकिन वैसा ही अत्याचार, श्रीविभीषण जी के साथ भी घटा है, इसका उन्हें आभास तक नहीं है। संसार में जीव का यही स्वभाव, उसे आध्यात्मिक व नैतिक स्तर पर, ऊँचा उठने में बाधक बनाये रखता है। जीव दूसरे का सुख व प्रसन्नता देख, स्वयं में वह सुखद अनुभव ढूंढ़ने का तो अथक प्रयास करता है। लेनिक स्वयं को मिली पीड़ा का अनुभव, कभी भी किसी अन्य प्राणी में महसूस करने का प्रयास नहीं करता। सुग्रीव श्रीविभीषण जी के प्रति, यह भाव भी तो रख सकता था, कि बेचारे विभीषण जी के साथ तो घोर अन्याय हुआ है। मुझे भी मेरे भाई बालि ने जब, मुझे मेरे घर से निकाल दिया था, तो मुझे कैसे छुप-छुप कर भयभीत हो, कंद्रायों में अपना जीवन व्यतीत करना पड़ा था। यह तो धन्य हैं श्रीराम जी। जिनकी कृपा से मुझे, अनाथ व दीन पर उनकी दया के फलस्वरुप, आज राज-पाट मिले हुए हैं। नहीं तो मैं यूँ ही दर-दर की ठोकरें खाने को विवष होता। ठीक वैसी ही प्रस्थिति

पर्यटन

विश्व भर के सैलानियों को आकर्षित करता है ज्यूरिख

कुदरत ने ज्यूरिख को प्राकृतिक सौंदर्य का वरदान तो दिया ही है, साथ ही यहां के रखरखाव व पर्यटकों की सुविधा के लिए कुशल प्रबंधन का योगदान भी कम नहीं है। तभी तो स्विट्जरलैंड का यह शहर विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है तथा पर्यटन यहां एक उद्योग की तरह फलफूल रहा है। यहां का मुख्य आकर्षण ज्यूरिख झील है। यहां तक आने के लिए आप नदी मार्ग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। नदी के किनारे खरीदारी के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें, खाने-पीने के लिए रेस्तरां तथा रहने के लिए होटल और दूसरे किनारे पर मछुआरों के साफ-सुथरे रंगरोगन किए घर भी हैं। नदी में पारदर्शी छतों व दीवारों वाली तैरती नावें पर्यटकों को घुमाती हैं व गाइड शहर का इतिहास बताता है। शॉपिंग माल के बाद सबसे अधिक पर्यटक झील पर ही दिखाई देते हैं। यह यहां की तीसरी सबसे बड़ी झील है। इसमें बत्तखें तथा जलमुर्गियां अठखेलियां करती रहती हैं। कितना भी समय झील के किनारे बिताओ, प्राकृतिक सौंदर्य देखकर मन ही नहीं भरता। पर्यटकों को चाहे ज्यूरिख के आसपास के शहरों की यात्रा करनी हो या आल्पस की बर्फ से ढकी चोटियों को करीब से देखना हो या इंटरलेकन के प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शन करना हो अथवा फिर जुंगफ्रा की घाटियों के ऊपर हवा में तैरती ट्रालियों में सैर करनी हो, हर जगह के लिए तीव्र व सुविधाजनक तथा आरामदेह लेकिन महंगी रेल सेवा उपलब्ध है। ज्यूरिख से लूसर्न तक का मार्ग बेहद सुंदर है। स्विट्जरलैंड में किसी भी पहाड़ की चोटी तक जाना हो, किसी भी शहर में पहुंचना हो तो यातायात के साधन उपलब्ध हैं, जोकि आरामदायक और तेज हैं। कहीं भी पैदल आने-जाने में समय बरबाद करने की आपको जरूरत नहीं पड़ेगी। पितालुस पर्वत की चोटियों के नीचे खुले मुंह वाली गुफाएं बनी हुई हैं। यहां से चारों ओर का सुंदर दृश्य देखा जा सकता है। स्विट्जरलैंड में पर्यटन का विस्तार एक फलते-फूलते उद्योग की तरह हुआ है जो दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है।

डीएम ने की उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार झा की अध्यक्षता में उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण की समीक्षा बैठक की गयी,जिसमें कृषि, सहकारिता, पीसीएफ, इफको के अधिकारियों के साथ-साथ जनपद के समस्त थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहें। बैठक में जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में वर्तमान 3137 मीट्रिक टन डीएपी तथा 7907 मीट्रिक टन एनपी के उपलब्ध है। विगत 02 दिनों में जनपद में प्राप्त पीपीएल एवं कोरोमण्डल कम्पनी की डीएपी की रैंक से पीसीएफ के माध्यम से प्राप्त स्टाक का 30 प्रतिशत समितियों पर प्रेषित कराया जा रहा है तथा शेष स्टाक निजी क्षेत्र के बिक्री केन्द्रों पर आपूर्ति किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आज जनपद में एनएफएल कम्पनी की टीएसपी के रैक प्राप्त हुई है। जिसमें से पीसीएफ को 30 प्रतिशत तथा शेष स्टाक निजी बिक्री केन्द्रों पर आपूर्ति कराया जा रहा है। कल दिनांक 22.11.2024 को आईपीएल कम्पनी की डीएपी मात्रा 654 मीट्रिक टन तथा टीएसपी 641 मीट्रिक टन की प्राप्त हो रही है, साथ ही इफको की डीएपी/एनकेपीएस की एक रैक प्राप्त हो जायेगी तथा आगामी 02 से 03 दिनों में कृभको एनपीके 12:32:16 की रैंक प्राप्त हो जायेगी।

जिलाधिकारी द्वारा जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं के गोदाम में उपलब्ध फास्फ़ेटिक उर्वरकों की समीक्षा की गयी तथा कड़े निर्देश दिया गया कि किसी भी दशा में गोदामों में उर्वरकों का अनावश्यक भण्डारण न किया जाए तथा जो भी उर्वरक उपलब्ध हो वह तत्काल फुटकर विक्रेताओं को आपूर्ति किया गया ताकि कृषकों को सुगमतापूर्वक सभी उर्वरक प्राप्त हो सकें। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि जनपद में प्राप्त होने वाली रैकों से तत्काल फुटकर उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर आपूर्ति कराते हुए तत्काल एक्नॉलेजमेन्ट सुनिश्चित करायें ताकि वितरण में किसी प्रकार की समस्या न आने पाये। किसी भी दशा में निर्धारित दर से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री न हो तथा कृषकों को उनकी जोत एवं फसल संस्तुति के अनुसार उर्वरक पीओएस मशीन से ही उपलब्ध करायी जाए। कृषि विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि आवंटित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण सील रहकर यह सुनिश्चित करायें कि किसी भी दशा में उर्वरकों की अधिक दर पर बिक्री न होने पाये। तथा जांच के दौरान यह भी देखा जाए कि जिन विक्रेताओं द्वारा कृषकों को अधिक अधिक मात्रा में उर्वरक बिक्री की गयी हो उन कृषकों से फीडबैक भी प्राप्त करें कि वास्तव में उनके द्वारा उर्वरक प्राप्त किया गया है अथवा नहीं, यदि कोई विक्रेता इसमें दोषी पाया जाए अथवा अधिक दर पर बिक्री करते हुए पाया जाये तो तत्काल उसके विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

अधिकारी भ्रमण सील रहकर किसी भी दशा में उर्वरकों की अधिक दर पर बिक्री न होने दे : डीएम

कृषकों से अपील की गयी कि जनपद के सभी समितियों तथा निजी बिक्री केन्द्रों पर उर्वरकों की उपरोक्तानुसार आपूर्ति करायी जा रही है।कृषक भाई अपनी जोत/अभिलेखों के अनुसार फसल की संस्तुत मात्रा में उर्वरक पीओएस मशीन से निर्धारित दर पर प्राप्त करें तथा पीओएस मशीन की रसीद विक्रेता से अवश्य प्राप्त करें।

58 लाख के गांजे के साथ 4 तस्करो को एएनटीएफ ने किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिले में एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने गाजीपुर से चार शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन तस्करों के पास से 115 किलो 995 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 58 लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करों ने बताया कि वे बिहार और झारखंड से गांजा लाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में उसे बेचने का काम करते थे। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एएनटीएफ की टीम ने गाजीपुर के औड़िहार रेलवे स्टेशन के पास संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों में रामकुँवर (गाजीपुर), अजय यादव, सुरेन्द्र यादव और रोशन यादव (आजमगढ़) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से गांजा, एक कार और एक बाइक भी जब्त की है। तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

मानक के अनुरूप नहीं हुई माइनर की सफाई, शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी क्षेत्र के अंतर्गत नवाबगंज रजबहा से निकली कई माइनरों की सफाई का काम सिंचाई विभाग द्वारा कराया जा रहा है जिसमें माझियावां माइनर की सफाई के नाम पर औपचारिकता निभाई जा रही है जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा आइजीआरएस पोर्टल पर कार्यवाही की मांग की । नवाबगंज रजबहा से निकलकर माझियावां माइनर की सिंचाई विभाग द्वारा जेसीबी से सफाई कराई गई जिसमें सिल्ट निकालने के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाई गई है और जो भी सिल्ट निकाली गई वह आने जाने वाली पटरी पर डाल दी गई जिससे लोगों को आवागमन में कोई दिक्कत होती है इसी गांव के रहने वाले कमल बहादुर ने इसकी शिकायत आई जी आर यस पोर्टल पर कर सफाई कराने वाले ठेकेदार के खिलाफ जांच कराकर कार्यवाही की मांग की है इसके अलावा बक्सावा अजौवा , माइनर की सफाई का भी यही हाल है। अवर अभियंता सिंचाई विभाग नीरज का कहना है कोटवा माइनर की सफाई यदि मानक के अनुरूप नहीं हुई है तो उसकी जांच करा कर कार्यवाही की जाएगी।

महिला फुटबॉल खिलाड़ियों से गंदा व्यवहार क्रीड़ाधिकारी और कोच पर प्रताड़ित व बैड टच करने का भी आरोप एफआईआर दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम मे महिला फुटबॉल खिलाड़ियों से गंदे व्यवहार और प्रताड़ना के आरोपों के बाद पुलिस ने क्रीड़ा अधिकारी और महिला कोच के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला तब सामने आया जब महिला खिलाड़ियों ने शिकायत की, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर और महिला फुटबॉल कोच श्रद्धा सोनकर ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

शिकायत के बाद स्टेडियम में प्रशिक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था

महिला खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर ने फुटबॉल प्रशिक्षण के बहाने उनका शोषण किया। उन्होंने न केवल उन्हें बुरा व्यवहार किया, बल्कि ट्रायल्स और प्रतियोगिताओं में अपनी पहुंच का गलत इस्तेमाल करते हुए उन्हें ड्यूटी पर लगवाया और बाद में बैड टच किया। इसके अलावा फुटबॉल कोच श्रद्धा सोनकर, जो राजेश सोनकर की रिश्तेदार हैं, ने खिलाड़ियों पर दबाव डालते हुए उन्हें क्रीड़ा अधिकारी के साथ मिलने के लिए कहा।

महिला खिलाड़ियों ने इस उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत

खेल निदेशक और जिलाधिकारी से की थी। इसके बाद स्टेडियम में प्रशिक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।हालांकि,क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर को फिर भी बाराबंकी का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया, जिसके बाद इस मामले को लेकर और अधिक विवाद खड़ा हो गया।

पुलिस कार्रवाई और एफआईआर

महिला खिलाड़ियों की शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर, बाराबंकी पुलिस ने क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर और महिला फुटबॉल कोच श्रद्धा सोनकर के खिलाफ शहर कोतवाली में मामला दर्ज किया। पुलिस ने एसडीएम और सीओ द्वारा की गई जांच रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। आईपीएस अधिकारी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि इस मामले में धारा 74, 315(2), और 85 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायतों की गंभीरता

इस मामले में महिला खिलाड़ियों का कहना है कि क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर ने उन्हें कई बार अनैतिक रूप से प्रताड़ित किया और अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी पहुंच का गलत इस्तेमाल करते हुए मानसिक शोषण किया। महिला फुटबॉल कोच श्रद्धा सोनकर का नाम भी इस मामले में सामने आया है, क्योंकि उन्होंने खिलाड़ियों को राजेश सोनकर से मिलने के लिए दबाव डाला था,जिससे पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया।

अब पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना ने खेल की दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

यह मामला समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को भी उजागर करता है, खासकर खेलों में महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में। पुलिस और प्रशासन द्वारा इस मामले की जांच पूरी निष्पक्षता और गंभीरता से की जा रही है, ताकि आरोपी को सजा मिल सके और भविष्य में ऐसे अपराधों को रोका जा सके।

पूर्व चेयरमैन के कार्यकाल में बनाए गए नाले की जांच कराई जाने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। गोंडा बहराइच हाईवे पर नाका सतरिख से सिंह पेट्रोल पंप तक पिछले काफी समय से जल भराव की समस्या बनी रहती है। इस समस्या को देखते हुए शहर के पूर्व चेयरमैन ने अपने चहेते ठेकेदारों को एक करोड रुपए का आरसीसी नाला बनाने का ठेका दिया था। जिसमें नाले को आईसीसी पत्थरों से ढका भी जाना था। लेकिन गैर जिम्मेदार ठेकेदार ने सिंह पेट्रोल पंप से केवल वर्मा मार्केट तक नाले को बनाकर छोड़ दिया और नाले को नाका सतरिख के मुख्य नाले से नही जोड़ा गया। जिससे इस नाले को बनाए जाने का उद्देश्य ही नहीं पूरा हो सका। और तो और इस नाले पर ढक्कन भी नहीं लगाए गए। जिससे जल भराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसके संबंध में पर्यावरण सेवक मनीष मल्होत्रा ने पिछले तहसील दिवस में शिकायत की थी। लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब उन्होंने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर मामले की जांच कर कर कार्रवाई की जाने की मांग की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने शिकायती पत्र में कहा है किलोक निर्माण विभाग निर्माण खंड तीन द्वारा सड़क किनारे इंटरलॉकिंग का कार्य कराया जा रहा है। इस मुख्य सड़क पर 50 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भारी वाहन ट्रक निकलते है। जिसके चलते इंटरलॉकिंग ज्यादा दिन तक नहीं टिकेगी। लिहाजा उन्होंने उक्त सड़क का इंटरलॉकिंग के बजाय डामरीकरण कराए जाने की मांग की है।

डीएम बोले मौका मुआयना कर की जाएगी जांच

मीरजापुर : इंटर कॉलेज में घूसखोरी का भंडाफोड़, सहायक लिपिक रंगे हाथ गिरफ्तार

एजेंसी

मीरजापुर। मीरजापुर के जिगना थाना क्षेत्र के चकचौरा स्थित मौनी स्वामी इंटर कॉलेज में भ्रष्टाचार और घूसखोरी का गंभीर मामला सामने आया है। गुरुवार को एंटी करप्शन वाराणसी की टीम ने विद्यालय के सहायक लिपिक अमित कुमार को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन लगवाने के नाम पर 20 हजार रुपये की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन टीम की पूरी योजना पहले से तैयार थी। सुबह करीब साढ़े दस बजे टीम ने विद्यालय परिसर में प्रवेश किया। इसी दौरान चपरासी के पद पर तैनात सतीश सिंह ने सहायक लिपिक अमित कुमार को 20 हजार रुपये दिए। टीम ने इशारा मिलते ही अमित कुमार को पकड़ लिया। पैसे गिनने के दौरान उनके हाथों पर केमिकल लगा हुआ नोटों का सबूत भी सामने आया। टीम प्रभारी सिद्धार्थ मिश्र और अखिलेश राय ने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सहायक लिपिक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्हें जेल भेजने की तैयारी हो रही है।

चकचौरा के मौनी स्वामी इंटर कॉलेज में एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, चपरासी पद पर नियुक्त सतीश सिंह, धीर प्रताप सिंह और शैलेंद्र शुक्ल के वेतन आहरण पर दो महीने पहले रोक लगा दी गई थी। इस दौरान प्रधानाचार्य ने वेतन भुगतान के लिए भारी रकम की मांग की। इसी के तहत घूस की पहली किश्त दी जा रही थी, जब एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की। मौनी स्वामी इंटर कॉलेज पर लंबे समय से फर्जी नियुक्तियों और वेतन आहरण के नाम पर धन उगाही के आरोप लगते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय प्रशासन भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है। इस घटना ने इन आरोपों को और मजबूत कर दिया है। एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। इस मामले ने शिक्षा संस्थानों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समाज को सच्चाई से अवगत कराने वाली महत्वपूर्ण फिल्म है द साबरमती रिपोर्ट: प्रकाश पाल

कानपुर। साबरमती फिल्म समाज को सच्चाई से अवगत कराने वाली महत्वपूर्ण कृति है। यह बात गुरुवार को सुबह पाली में जेड स्क्वायर मल्टीप्लेक्स में गोधरा कांड पर आधारित फिल्म देखने के बाद मीडिया से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश पाल ने कही। उन्होंने कहा कि यह फिल्म हर भारतीय को देखनी चाहिए क्योंकि इसमें 2002 में गोधरा कांड के दौरान साबरमती एक्सप्रेस में कारसेवकों को जिंदा जलाने की घटना का वास्तविक चित्रण किया गया है। जिस प्रकार उस समय की सरकारों ने इस वीभत्स घटना को मात्र एक दुर्घटना बताने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी और इतिहास को सही रूप में प्रस्तुत करेगी।

लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट ग्राउंड पर विंटर चैलेंजर ट्रॉफी में वीएस अकादमी ब्लेज 11 को 16 रनो से हराया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही विंटर चैलेंजर ट्रॉफी में वी एस क्रिकेट अकादमी ने ब्लेज 11 को 16 रनों से हराया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वी एस क्रिकेट अकादमी की तरफ से उत्कर्ष वर्मा ने 61 रन, प्रियांशु रावत ने 54 रन एवं अपूर्व सिंह के 52 रनों की बदौलत 49.1 ओवरों में 219 रनों पर ऑल आउट हो गई।

ब्लेज 11 की तरफ से गेंदबाजी करते हुए वात्सल्य श्रीवास्तव ने 4 विकेट, शौर्य ठाकुर ने 3 विकेट, राजवीर सिंह ने 2 विकेट एवं विशाल चौहान ने 1 विकेट प्राप्त किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लेज 11 की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए उत्कर्ष ने 68 रन, वात्सल्य श्रीवास्तव ने 31 रन एवं आर्यन यादव के 33 रनों की बदौलत 48.2 ओवरों में पर 203 रनों पर ऑल आउट हो गई।

वीएस क्रिकेट अकादमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अभिषेक यादव, ईशान मिश्रा, सचिन रावत, रहमान खान ने क्रमशः 2-2 विकेट लिए।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार ईशान मिश्रा को को उनकी बेहतरीन खेल के लिए दिया गया।

इस अवसर पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अख्तर अजीज खान,उपाध्यक्ष तारिक जिलानी, सचिव डॉक्टर चौधरी अहमद जावेद, सह सचिव अंकुर माथुर, लॉर्ड बालाजी क्रिकेट ग्राउंड के मैनेजर गौरव तिवारी आदि मौजूद रहे।

गैंगस्टर के दो दोषियों को 2-2 वर्ष से अधिक का कारावास

फिरोजाबाद। न्यायालय ने गुरुवार को गैंगस्टर के दो दोषियों को 2ट्2 वर्ष से अधिक के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सिरसागंज उदयवीर सिंह मलिक ने 7 सितंबर 2022 को इरफान पुत्र हरजू निवासी बड़ा घर कलूपुरा घिरोर मैनपुरी के खिलाफ थाने पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था। वही तत्कालीन थाना प्रभारी उत्तर संजीव कुमार दुबे ने रामू पुत्र देवी दयाल निवासी रविदास नगर नई आबादी सैलई रामगढ़ के खिलाफ 4 फरवरी 2022 को थाने पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद दोनों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट कोर्ट संख्या 9 अर्चना गुप्ता की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक मुरारी लाल लोधी ने बताया मुकदमे के दौरान दोनों आरोपी ने अपना जुर्म का इकबाल कर लिया। न्यायालय ने दोनों को गैंगस्टर का दोषी माना।

बैंक के लॉकर में रखे जेवरात गायब, पीड़ित ने कोतवाली में दी तहरीर

जालौन। उरई कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गांधीनगर निवासी आनंद स्वरूप श्रीवास्तव जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता है। जिन्होंने गुरुवार शाम उरई कोतवाली में आकर तहरीर देते हुए बताया कि उनका लाकर नं 29 जी स्टेट बैंक आफ इण्डिया सिटी ब्रान्च राठ रोड में वर्ष 1980 से लिये हैं। बताया कि आखरी बार उन्होंने अपनी पत्नी मुन्नी देवी के साथ 13 अगस्त 2024 को लाकर चेक किया था। जिसमें उसकी पत्नी मुन्नी सहित बड़ी बहू निधि और छोटी बहू पल्लवी के पुश्तैनी जेवर थे जिसमें 4 हार सोने के वजन 480 ग्राम लगभग, 16 सोने की चूड़ी वजन 300 ग्राम लगभग, 4 सोने की जंजीर वजन 140 ग्राम लगभग, एक सोने का बाजूबन्द लगभग 55 ग्राम, एक बंदी सोने की लगाभग 8 ग्राम, 1 नथ सोने की लगभग 6 ग्राम, तीन जोड़ी सोने के टाप्स वजन लगगभग 25 ग्राम, झाला सोने के एक जोड़ी वजन लगभग 8 ग्राम 10 सोने की अंगूठी वजन लगभग 110 ग्राम, 1 हाफ पेटी चांदी की वजन लगभग 500 ग्राम, 90 चांदी के सिक्के समस्त जेवर रखा हुआ था लेकिन गुरुवार की दोपहर को उनके पास बैंक कर्मी बलवान सिंह का फोन आया कि जल्दी बैंक आ जाओ। बैंक जाने पर उसे जब लाकर दिखाया गया तो वो खुला था और उसमें रखा सारा जेवर नदारत था। जिससे उसके होश उड़ गए।

दबाव से जूझ रही भारतीय टीम के सामने आस्ट्रेलिया की कठिन चुनौती

एजेंसी

पर्थ। अपनी धरती पर न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट श्रृंखला में सफाये के बाद भारी दबाव का सामना कर रही भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में जब आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी तो यह मुकाबला खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाजों का भी होगा। भारत ने 2018-19 और 2020- 21 दौरों पर आस्ट्रेलिया को हराया लेकिन जिस तरह से हाल ही में न्यूजीलैंड ने भारत को उसकी धरती पर टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से हराया, इससे भारतीय टीम का मनोबल जरूर गिरा होगा। असलियत यह भी है कि भारतीय टीम के आधार रहे कुछ सितारे अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं। पैट कमिंस के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला उनके भावी कैरियर की दशा और दिशा तय करेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले रिकॉर्ड तीसरी बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में प्रवेश लगभग तय लग रहा था लेकिन अब मंजिल काफी दूर नजर आ रही है। भारत को इसके लिये आस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। यह उतना ही मुश्किल लग रहा है जैसे भारतीय फुटबॉल टीम का फीफा के दोस्ताना मैच में ब्राजील या अर्जेंटीना को हराना। वैसे मौजूदा टीम को करीब से जानने वालों को पता है कि यह टीम दबाव में भी किस तरह वापसी कर सकती है। टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं ,

आस्ट्रेलिया पिछले पांच साल में भारत से मिली करारी हार का बदला चुकता करने के लिये तैयार है। पहले मैच में उसके सामने भारत के नियमित कप्तान (रोहित शर्मा), रिवर्स स्विंग के महारथी (मोहम्मद शमी) और भावी कप्तान (शुभमन गिल) नहीं होंगे। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं जबकि शमी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और गिल के अंगूठे में फ्रेक्चर है। आस्ट्रेलिया दौरे पर कैरियर बनते और बिगड़ते हैं। सचिन तेंदुलकर ने 'घुमावदार दरारों ' वाली वाका की पिच पर शतक बनाया है। दिलीप वेंगसरकर और कृष्णामाचारी श्रीकांत को 1991-92 दौरे के बाद विदा लेनी पड़ी , वह भी सभी ने देखा। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन कैरियर के उस मुकाम पर हैं जहां खराब प्रदर्शन भारी पड़ सकता है। कोहली 2014 में आस्ट्रेलिया में ही 'किंग कोहली' बने जब उन्होंने चार शतक लगाये जबकि चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत ने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की नींदें हराम की थी। इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दिखाया है। कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं , तब भी तो ऐसा ही होता है। हम भारत से कोई बोझ लेकर नहीं आये हैं। न्यूजीलैंड श्रृंखला से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे नतीजे अलग रहे हैं। दूसरी ओर

कप्तानी को एक पद नहीं, जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं : बुमराह

एजेंसी

पर्थ। जसप्रीत बुमराह को हमेशा से जिम्मेदारी लेना और चुनौतियों का सामना करना पसंद है और यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर वह रोमांचित हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के एडबस्टन टेस्ट के बाद वह दूसरी बार रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तान होंगे। उन्होंने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मैं कप्तानी को एक पद के तौर पर नहीं देखता। मुझे हमेशा से जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। उन्होंने कहा कि मैं बचपन से कठिन काम करने का शौकीन रहा हूं। कठिन हालात में काम करना मुझे पसंद है और यह एक नयी चुनौती है। उन्हें पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिये ही है लेकिन इससे इनकार नहीं है कि वह भविष्य में कप्तानी करना चाहेंगे। बुमराह ने कहा कि स्वाभाविक है कि रोहित को मैं नहीं बोलूंगा कि मैं कर लेता हूं। वह हमारा कप्तान है और बेहतरीन काम कर रहा है। अभी यह एक मैच के लिये है लेकिन भविष्य के बारे में कौन जानता है। उन्होंने कहा कि अगले मैच में हालात बदल सकते हैं और क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मैं फिलहाल वर्तमान में जी रहा हूं। मुझे एक जिम्मेदारी मिली है जो मैं पहले भी एक बार उठा चुका हूं और मुझे बहुत मजा आया। मैं यही सोच रहा हूं कि अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ योगदान कैसे दे सकता हूं। भविष्य पर मेरा वश नहीं है। उनका मानना है कि किसी और की कप्तानी शैली की नकल करने से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा कि आपको किसी की नकल करने की बजाय अपनी शैली तलाशनी होगी। विराट और रोहित काफी कामयाब रहे हैं और नतीजे भी दिये हैं। मेरा तरीका यही है कि मैं कॉपीबुक रणनीति पर अमल नहीं करता। बुमराह ने कहा कि मेरी गेंदबाजी में भी आपको दिखेगा कि मेरी अपनी शैली है। मैने हमेशा ऐसे ही क्रिकेट खेली है। उनका मानना है कि तेज गेंदबाज रणनीति के माहिर होते हैं और अच्छे कप्तान बनते हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का उदाहरण दिया। बुमराह ने हमेशा से खुद को नेतृत्व दल का हिस्सा माना है। उन्होंने कहा कि जब रोहित होता है या विराट कप्तान था, तब भी मैं हमेशा अतिरिक्त योगदान देना चाहता था। मैने उनसे सीखने की कोशिश की और अब नये खिलाड़ियों के साथ मैं अपना अनुभव बांटता हूं।

जीत के साथ 'मिशन लॉस एंजिलिस 2028' का आगाज किया भारतीय महिला हॉकी टीम ने

एजेंसी

राजगीर (बिहार)। पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाने के गम को भुलाते हुए भारत की युवा और पहले से फिट महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखकर 'मिशन 2028 लॉस एंजिलिस' अभियान का आगाज किया। भारत की पुरूष जूनियर टीम को लखनऊ में 2016 में विश्व कप जिता चुके अनुभवी कोच हरेंद्र सिंह और इस टीम के लिये यह नयी शुरूआत है। अप्रैल में टीम के साथ फिर जुड़ने के बाद से हरेंद्र का एक ही लक्ष्य है ३लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिये क्वालीफाई करना। उनका मानना था कि एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीतकर विश्व कप 2026 और ओलंपिक 2028 की तैयारियों की सही शुरूआत की जा सकती है। चीन पर फाइनल में 1-0 से मिली जीत के बाद कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस जीत से अधिक से अधिक लड़कियों को हॉकी खेलने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे खुशी है कि हम अपने देश को और प्रशंसकों को इस जीत का तोहफा दे सके। हरेंद्र का फोकस भारतीय टीम की फिटनेस का स्तर सुधारने पर रहा है और इस टूर्नामेंट में उसकी बानगी भी देखने को मिली कि खिलाड़ियों ने वाकई इस पर काफी मेहनत की है। सलीमा ने कहा कि हम इस जीत का जश्न मना रहे हैं लेकिन हमारे लक्ष्य दीर्घकालिन है। हमें रोज कड़ी मेहनत करनी है और हर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। हम भारत का परचम हर टूर्नामेंट में लहराना चाहते हैं। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में सभी सात मैच जीते। सबसे अच्छी बात दोनों फ्लैंक से आपसी तालमेल रही है। रक्षापंक्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ दो गोल गंवाये जबकि भारत ने टूर्नामेंट में 29 गोल किये जिसमें से 15 फील्ड गोल थे।

यह बेहद प्रतिस्पर्धी होगी, भारत के खिलाफ श्रृंखला पर बोले कमिंस

एजेंसी

पर्थ। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी काफी प्रतिस्पर्धी होने वाली है क्योंकि क्रिकेट के दोनों दिग्गज चार की बजाय पांच टेस्ट मैच खेलेंगे। उनका यह भी मानना है कि यह श्रृंखला इतनी बड़ी है कि खिलाड़ियों का ध्यान जेद्दा में रविवार को होने वाली आईपीएल की मेगा नीलामी पर नहीं होगा। आस्ट्रेलिया की नजरें पिछली दो श्रृंखलाओं में मिली हार का बदला चुकता करने पर लगी होंगी। कमिंस ने पहले मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हमेशा से काफी चुनौतीपूर्ण होती है। पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला तो और भी प्रतिस्पर्धी होगी। आस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी साथ नहीं होंगे जिन्हें पर्थ टेस्ट छोड़कर सनराइजर्स हैदराबाद के लिये दो दिवसीय नीलामी में शामिल होने की अनुमति मिल गई है।

कमिंस ने कहा कि वह नीलामी के लिये जा रहे हैं लेकिन वह पूरी तैयारी के दौरान यहां थे। सारी बैठकों में थे, बातचीत में और नेट अभ्यास के दौरान भी। मुझे नहीं लगता कि नीलामी से खिलाड़ियों का ध्यान बंटेगा। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकांश खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा रह चुके हैं। उन्हें पता है कि उन्हें बस चुपचाप बैठकर यह देखना है कि वह चुने जाते हैं या नहीं। मुझे नहीं लगता कि इससे उनका ध्यान बंटने वाला है। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम पर दबाव होगा जो भारत से पिछली चार टेस्ट श्रृंखलायें हार चुकी है। उन्होंने कहा कि अपनी धरती पर खेलते समय हमेशा दबाव रहता है। भारत की टीम काफी प्रतिभाशाली है और यह अच्छी चुनौती होगी। लेकिन हम बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना शानदार होगा। भारतीय टीम बहुत अच्छी है लेकिन हमारी तैयारी भी पक्की है। कमिंस ने यह भी कहा कि नये बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को डेविड वॉर्नर की नकल करने की बजाय अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। वॉर्नर ने इस साल की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली। कमिंस ने कहा कि उसे अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। डेविड वॉर्नर के जैसा खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिये। वह उसका खेल नहीं है। ''

मैकस्वीनी को वॉर्नर की तरह खेलने की जरूरत नहीं है : कमिंस

पर्थ। आस्ट्रेलिया के नये सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी पर अपेक्षाओं का भारी बोझ है लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर की तरह खेलने की जरूरत नहीं है बल्कि वह अपना स्वाभाविक खेल दिखायें। 25 वर्ष के मैकस्वीनी ने टीम में वॉर्नर की जगह ली है और वह भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलिया के लिये पारी की शुरूआत करेंगे। कमिंस ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' डेवी (वॉर्नर) की जगह लेना बहुत मुश्किल है। नाथन को चाहिये कि वह अपना नैसर्गिक खेल दिखाये। डेविड की तरह 80 की स्ट्राइक रेट से रन बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उसका खेल नहीं है। उन्होंने कहा ,'' मैकस्वीनी और ख्वाजा से हमें अच्छी शुरूआत की उम्मीद है। दोनों क्वींसलैंड के लिये साथ में खेल चुके हैं। उस्मान गेंदबाजों को लंबे स्पैल फेंकने के लिये मजबूर करता है और नाथन भी उसी तरह का बल्लेबाज है।

आईपीएल में दाम घटने के संजय मांजरेकर के बयान पर भड़के शमी

नयी दिल्ली। मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर को इस बयान के लिये आड़े हाथों लिया है कि इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी में भारत के इस तेज गेंदबाज पर ज्यादा बोली नहीं लगेगी। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिये हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी को मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रूपये है। शमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि बाबा की जय हो। थोड़ा सा ज्ञान अपने फ्यूचर के लिये भी बचा लो , काम आयेगा संजय जी। किसी को फ्यूचर जानना हो तो सर से मिले। मांजरेकर ने कहा था कि शमी के लिये कई टीमें बोली लगा सकती है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि टीमों के बीच उनके लिये जोर आजमाइश होगी।

वेस्टइंडीज 2024 को जीत के साथ समाप्त करना चाहता है: आंद्रे कोली

एजेंसी

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच आंद्रे कोली ने बुधवार को कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी निराशाजनक घरेलू टेस्ट सीरीज को पीछे छोड़कर साल का अंत जीत के साथ करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज की टीम 22 नवंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से भिड़ने के लिए तैयार है। भले ही यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हो, लेकिन दोनों टीमों के लिए यह सीरीज बहुत मायने नहीं रखती क्योंकि वर्तमान में बांग्लादेश और वेस्टइंडीज क्रमशः 27.50 और 18.52 अंक प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में आठवें और नौवें स्थान पर हैं। हालांकि, मेजबान टीम साल का समापन जीत के साथ करना चाहेगी, जिसमें उनकी एकमात्र टेस्ट सफलता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा हुई सीरीज है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

सीरीज के बाद वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी लय खो दी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करते हुए वे शुरुआती टेस्ट को ड्रा करने में सफल रहे जबकि दूसरे टेस्ट में उन्हें 40 रन से हार का सामना करना पड़ा, जो कोली के अनुसार एक बड़ी निराशा है। कोली ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले मैच से पहले कहा, जीत के साथ साल का अंत करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका सीरीज में हर तरफ से निराशा ही हाथ लगी थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले, पहले तीन या चार दिन बारिश के कारण बाधित रहे थे और उसके बाद से हम एंटीगुआ में मैदान पर कुछ अच्छे सत्र खेलने में सक्षम रहे और हर कोई अच्छे मूड में है और हर कोई फिट और उपलब्ध है। हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम पाकिस्तान जाने से पहले घरेलू धरती पर जीत के साथ परिणाम हासिल करें... यह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के इस संस्करण में अंतिम चार टेस्ट मैच हैं, हमारे लिए यहाँ अच्छा प्रदर्शन करना, श्रृंखला जीतना और पाकिस्तान जाने से पहले लय हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ, जिन्हें अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए आराम दिया गया था, बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए वापस आ गए हैं।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स 2024 : पहले दिन ही बाहर हुए चीनी पैडलर्स

एजेंसी

किताक्यूशू, जापान। जापान के फुकुओका में 2024 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) फाइनल के पहले दिन बुधवार को चीनी पैडलर्स को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। पुरुषों के एकल वर्ग के मुख्य मुकाबले में लियांग जिंगकुन का सामना जापान के तोमोकाजू हरिमोटो से हुआ। हरिमोटो ने पहला सेट 11-7 से जीता और फिर 11-6 से दूसरा सेट जीतकर अपनी बढ़त को और मजबूत किया। हालांकि लियांग ने तीसरे सेट में 11-9 से वापसी की, लेकिन हरिमोटो ने चौथे सेट में 12-10 से जीत दर्ज करके अपनी जीत पक्की कर ली। जीत दर्ज करने के बाद हरिमोटो ने कहा,''वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, मुझे पता था कि यह कठिन होगा। शुरुआत में पिछड़ने के बाद, मैंने इसे बिंदु दर बिंदु आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मैं इस खिताब को जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह साल का अंतिम टूर्नामेंट है। एक अन्य चीनी प्रतियोगी, लिन गाओयुआन को स्लोवेनिया के डार्को जोर्गिक से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका अभियान समय से पहले ही समाप्त हो गया। महिला एकल में चीन की कियान तियानी और वांग यिदी दोनों आगे बढ़ीं। कियान ने प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज को सीधे सेटों में हराया, जबकि वांग ने चीनी ताइपे की चेंग आई-चिंग को 3-1 से हराया। लेकिन युगल स्पर्धाओं में भी चीन को बड़ा उलटफ़ेर देखने को मिला। पुरुष युगल में चीन के जियांग पेंग और युआन लिसेन क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के पैंग यू एन कोएन/इजाक क्वेक से 0-3 से हार गए। महिला युगल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त सुन यिंगशा और वांग यिदी को जापान की डिफेंसिव जोड़ी हितोमी सातो और होनोका हाशिमोटो ने 1-3 से हराया, जबकि कोरिया की दुनिया की नंबर 1 जोड़ी शिन यू-बिन और जियोन जी-ही भी जापान की सकुरा योकोई और सतसुकी ओडो से 0-3 से हारकर बाहर हो गई।

संक्षिप्त समाचार

सीरी ए 2024-25: जेनोआ के मुख्य कोच नियुक्त हुए पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर पैट्रिक विएरा

रोम। पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर और फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैट्रिक विएरा को जेनोआ का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इतालवी सीरी ए टीम ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। जेनोआ इस सीज़न की शुरुआत से ही संघर्ष कर रहा है, पूर्व कोच अल्बर्टो गिलार्डिनो के नेतृत्व में 12 राउंड के बाद केवल 10 अंक जुटा पाया, जो कि रिलीगेशन ज़ोन से एक अंक ऊपर था, जिसके कारण ग्रिफ़ोन ने 2006 के विश्व कप विजेता को बाहर का रास्ता दिखाया। कैन्स में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करते हुए, विएरा ने आर्सेनल में जाने से पहले एसी मिलान में एक छोटा कार्यकाल बिताया, जहाँ उन्होंने नौ साल के कार्यकाल में प्रसिद्धि हासिल की। ??मिडफील्डर ने 2011 में अपने जूते लटकाने से पहले जुवेंटस, इंटर मिलान और मैनचेस्टर सिटी के लिए भी खेला। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, फ्रांसीसी ने मैनचेस्टर सिटी में एक युवा कोच के रूप में भूमिका निभाई। 48 वर्षीय ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी, नाइस, क्रिस्टल पैलेस और स्ट्रासबर्ग के साथ भी काम किया। इतालवी आउटलेट्स के अनुसार, विएरा ने 2026 तक के लिए एक डील साइन की है। जेनोआ की कमान संभालने के बाद विएरा का पहला मैच शनिवार को कैग्लियारी के खिलाफ घरेलू मुकाबला होगा।

अमेरिकी विनियामक गूगल का एकाधिकार तोड़ने के इच्छुक, क्रोम बेचने के लिए बाध्य करना चाहते हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी विनियामकों ने एक संघीय न्यायाधीश से अनुरोध किया है कि गूगल को उसके सर्च इंजन के माध्यम से प्रतिस्पर्धा में दबदबा कायम रखने से रोका जाए। इससे पहले एक अदालत ने कहा था कि गूगल ने पिछले एक दशक में गलत तरह से इस क्षेत्र में एकाधिकार स्थापित कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा बुधवार रात दायर 23 पन्नों के दस्तावेज में गूगल के प्रस्तावित विघटन में ऐसे दंडों की मांग की गई है जिनमें गूगल के अग्रणी क्रोम वेब ब्राउजर की बिक्री करने और एंड्रॉइड पर अपने स्वयं के सर्च इंजन की वकालत करने से रोकने के लिए प्रतिबंध लगाना शामिल होगा। न्याय विभाग के वकीलों ने दलील दी कि क्रोम की बिक्री 'इस महत्वपूर्ण खोजबीन के बिंदु पर गूगल के नियंत्रण को स्थायी रूप से समाप्त कर देगी और प्रतिद्वंद्वी विभिन्न सर्च इंजन को उस ब्राउजर तक पहुंच की क्षमता प्रदान करेगी जो कई उपयोगकर्ताओं के लिए इंटरनेट का प्रवेश द्वार है। विनियामकों ने गूगल से एंड्रॉइड को बेचने की मांग करने से परहेज किया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायाधीश को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अगर निगरानी समिति को कदाचार के सबूत मिलते रहे तो कंपनी को अब भी अपने इस स्मार्टफोन ऑपरेटिंग सिस्टम को बेचना पड़ सकता है। जिस दंड की सिफारिश की गई है, उसका व्यापक दायरा इस बात को रेखांकित करता है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के तहत काम करने वाले विनियामकों का मानना ??है कि अगस्त में अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमित मेहता द्वारा दिए गए फैसले के बाद गूगल को कितनी कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस फैसले में कंपनी को एकाधिकारवादी (मॉनोपॉलिस्ट) करार दिया गया था। गूगल की सजा पर वाशिंगटन, डीसी अदालत में सुनवाई अप्रैल में शुरू होने वाली है और मेहता 'लेबर डे' से पहले अपना अंतिम निर्णय जारी करने का लक्ष्य सामने रख रहे हैं। यदि मेहता, सरकार की सिफारिशों को स्वीकार करते हैं, तो गूगल को अंतिम फैसले के छह महीने के भीतर अपने 16 साल पुराने क्रोम ब्राउजर को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सीतारमण से मिले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कृषि ऋण सीमा बढ़ाने का आग्रह

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण (एसएओ) की सीमा बढ़ाने को हस्तक्षेप का आग्रह किया। नॉर्थ ब्लॉक में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रस्तावित ऋण आवंटन में भारी गिरावट पर भी प्रकाश डाला, जिसने राज्य की 9,162 करोड़ रुपये की आवेदन सीमा के मुकाबले केवल 2,340 करोड़ रुपये ही स्वीकृत किए है। यह पिछले वर्ष के 5,600 करोड़ रुपये की तुलना में 58 प्रतिशत कम है। सिद्धरमैया ने विस्तृत जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक का लक्ष्य 2024-25 में 35 लाख किसानों को 25,000 करोड़ रुपये का अल्पकालिक कृषि ऋण वितरित करना है।

अडाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों को बताया निराधार

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से अडाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी ने सभी आरोपों को निराधर बताते हुए कहा कि समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता रहा है। अडाणी समूह के प्रवक्ता ने गुरुवार को जारी एक बयान में अमेरिकी अधिकारियों की ओर से लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोपों को निराधार बताया है। बयान में कहा गया है कि सभी आरोप तथ्यों से परे और निराधार है। अडाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि समूह सभी कानूनों का पूरी तरह से पालन कर रहा है। अडाणी समूह ने कहा, ''स्वयं अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि अभियोग में आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना

जाता है, जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं। मामले में हरसंभव कानूनी सहारा लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उद्योगपति गौतम अडाणी की अडाणी समूह की कंपनी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में आज कारोबार के दौरान भारी गिरावट आई है, जिससे इसकी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन मार्केट कैप संयुक्त रूप से 2.45 लाख करोड़ रुपये घट गया है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 500 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये से लेकर 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि का पक्षधर : राजनाथ सिंह

11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस फोरम को रक्षामंत्री ने किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लाओ पीडीआर के वियनतियाने में 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस फोरम को संबोधित किया।

बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, बिना बाधा के वैध वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का पक्षधर है। आचार संहिता पर चर्चाओं पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसी संहिता देखना चाहेगा, जो उन देशों के वैध अधिकारों और हितों को नुकसान न पहुंचाए, जो इन विचार-विमर्शों में पक्ष नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संहिता अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून 1982 के साथ पूरी तरह से सुसंगत होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए चल रहे संघर्षों और चुनौतियों पर रक्षा मंत्री ने कहा कि यह भाग्य है कि 11वीं एडीएमएम-प्लस लाओ पीडीआर में आयोजित की जा रही है, जिसने अहिंसा और शांति के बौद्ध सिद्धांतों को आत्मसात किया है। उनका मानना था कि अब समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को सभी के द्वारा और अधिक निकटता से अपनाया जाए, क्योंकि दुनिया तेजी से ब्लॉकों और शिविरों में विभाजित हो रही है, जिससे स्थापित विश्व व्यवस्था पर तनाव बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए संवाद का पक्षधर रहा है और इसका अभ्यास भी किया है। खुले संवाद और शांतिपूर्ण बातचीत के प्रति यह प्रतिबद्धता सीमा विवादों से लेकर व्यापार समझौतों तक, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों की एक विस्तृत शृंखला के प्रति भारत के दृष्टिकोण में स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि खुला संवाद विश्वास, समझ और सहयोग को बढ़ावा देता है तथा स्थायी साझेदारी की

नींव रखता है। संवाद की शक्ति हमेशा प्रभावी साबित हुई है, जिसके ठोस परिणाम मिले हैं, जो वैश्विक मंच पर स्थिरता और सद्भाव में योगदान करते हैं। भारत का मानना ??है कि वैश्विक समस्याओं का वास्तविक, दीर्घकालिक समाधान तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब राष्ट्र रचनात्मक रूप से जुड़ें, एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करें और सहयोग की भावना से साझा लक्ष्यों की दिशा में काम करें। 21वीं सदी को 'एशियाई सदी' बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि विशेष रूप से आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक रूप से गतिशील रहा है और व्यापार, वाणिज्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तनकारी यात्रा के दौरान भारत इस क्षेत्र का एक विश्वसनीय मित्र बना हुआ है। वर्ष 1927 में दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा के दौरान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की एक उक्ति का संदर्भ देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ''मैं हर जगह भारत को देख सकता था, फिर भी मैं इसे पहचान नहीं पाया'', यह कथन भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच गहरे और व्यापक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आसियान और हिंद-प्रशांत देशों के साथ भारत के संबंधों को सशक्त करने में इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण ने राष्ट्र की नीति के आधार के रूप में आसियान की महत्वपूर्ण भूमिका पर फिर से बल दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन के खतरों का स्मरण दिलाता है। उन्होंने 11वें एडीएमएम-प्लस संयुक्त वक्तव्य के लिए आज के परिदृश्य में सबसे प्रासंगिक विषय चुनने के लिए अध्यक्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन मजबूत करने के लिए बहु-हितधारक जुड़ाव की आवश्यकता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रबंधन के लिए अभिनव समाधान विकसित करना शामिल है। राजनाथ सिंह ने साझा प्राकृतिक संसाधन और इकोसिस्टम, जो जीवन को बनाए रखने और ग्रह पर समृद्धि लाने के लिए आवश्यक हैं- ग्लोबल कॉमन्स की ओर ध्यान आकर्षित किया। 11वें एडीडीएम-प्लस फोरम में 10 आसियान देश, आठ से अधिक देश और तिमोर लेस्ते शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता लाओस के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री जनरल चांसमोन चान्यालथ ने की।

मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखनी चाहिए : वेंकैया नायडू

एजेंसी

हैदराबाद। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखनी चाहिए। उन्होंने हैदराबाद के शिल्पराम में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने शामिल रहे। लोकमंथन अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल उद्घाटन करेंगी।

इस दौरान वेंकैया नायडू ने कहा कि भाग्यनगर में लोकमंथन कार्यक्रम के आयोजन को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि हम अपनी जड़ों की ओर वापस जाना चाहते हैं। हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कला, संस्कृति और वाद्ययंत्रों की रक्षा करनी चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल विचार भारतीयों के दिमाग से उपनिवेशवाद को खत्म करना और भारतीय बौद्धिक विमर्श, संस्कृति, विरासत, संगीत और नृत्य के प्रति गर्व और प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, ''यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। कार्यक्रम के पीछे एक महान विचार है।'' उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपनी परंपराओं को भूल गये हैं। हम प्रकृति और हिंदू धर्म से प्रेम करने वाला एक पवित्र राष्ट्र हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने न सिर्फ हमें आर्थिक रूप से लूटा है, बल्कि हमारा मानसिक रूप से भी लूटा है। उन्होंने कहा कि भगवान के पूजा पाठ और आराधना में विदेशी भाषा अंग्रेजी में आने की कोई शर्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमें गर्व से कहना चाहिए कि हम भारतीय हैं, हम हिंदू हैं। अंग्रेजी का जुनून और उस भाषा पर झुकाव अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति में प्रावधान होना चाहिए कि मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखना उचित रहेगा। उन्होंने खेद प्रकट किया कि विदेशी और पाश्चात्य संस्कृति के असर से परिवार और शादियां टूट रही हैं। परिवार व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग को भारत से बाहर कई देशों में अपनाया गया है। योग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर प्रयास किए हैं। योग से मानसिक शांति और संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

मोदी करेंगे संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे।

सहकारिता मंत्रालय में सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी और इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वैश्विक सहकारी आंदोलन की प्रमुख संस्था अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के इतिहास में पहली बार इफको की पहल पर 'आईसीए महासभा एवं वैश्विक सहकारी सम्मेलन' आयोजन भारत में होगा। यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 30 नवंबर तक होगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। डॉ. अवस्थी ने बताया कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का विषय 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' होगा। इसके अलावा सक्षम नीति एवं उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र, सभी के लिए समृद्धि बनाने को उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व का पोषण, सहकारी पहचान की पुष्टि और भविष्य को आकार देनाः 21वीं सदी में सभी के लिए समृद्धि का एहसास करना आदि उप विषय होंगे।

कार्यक्रम में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2025 भी प्रदान किया जाएगा, जो सहकारी समितियों के विकास और अंतरराष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है। अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) दुनिया भर में सहकारी समितियों का संगठन है। यह एक गैर-लाभकारी अंतरराष्ट्रीय संघ है।

इसरो, एएसए ने गगनयान के लिए कार्यान्वयन समझौते पर किये हस्ताक्षर

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) के बीच प्रथम मानव उड़ान गगनयान मिशन के लिए चालक दल तथा चालक दल मॉड्यूल रिकवरी पर एक आईए पर हस्ताक्षर किए गए। इसरो ने गुरुवार को कहा कि इस समझौते पर इसरो की ओर से बेंगलुरु में एचएसएफसी के निदेशक डीके सिंह और कैनबरा में एएसए की ओर से स्पेस कैपेबिलिटी ब्रांच के महाप्रबंधक जारोड पॉवेल ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच अंतरिक्ष गतिविधियों में सहयोग को और मजबूत करना भी है। 'गगनयान कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य भारतीय क्रू मॉड्यूल में तीन चालक दल के सदस्यों के साथ तीन दिनों तक पृथ्वी की निचली कक्षा में मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करना और मिशन के बाद उन्हें सुरक्षित वापस लाना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक : धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि शांति का वातावरण विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

श्री धनखड़ ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के एक कार्यक्रम 'भारत के मूल मूल्य, हित और उद्देश्य' को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वैश्विक स्तर पर किसी भी स्थान पर शांति भंग होती है, तो इससे विकास और समरसता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इसीलिए राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है। श्री धनखड़ ने कहा कि वैश्विक शांति भंग हो रही है और युद्ध तीव्र हो रहे हैं। शत्रुता सिद्धांतों में बदल रही है और जलवायु संकट मंडरा रहा है। इससे मानवता विनाश के कगार पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुक्ति का मार्ग भारत के प्राचीन ज्ञान में छिपा है। सदियों पुरानी समरसता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व के मूल भारतीय संस्कृति में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत अपनी विविधता पर गर्व करता है। कई आधिकारिक भाषाएं, विभिन्न धर्म और विविध जातीयता एक संविधान के तहत स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करते हैं। शांति-पूर्ण सह-अस्तित्व भारतीय दर्शन में समय-समय पर परिलक्षित हुआ है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की विदेश नीति सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करती है तथा संघर्ष के मुकाबले संवाद को प्राथमिकता देती है। भारत भेदभाव से दूर, त्योहारों, भोजन, भाषाओं और संस्कृतियों में अंतर को अपनी ताकत के रूप में अपनाता है। उन्होंने कहा कि समावेशी विकास, शांति और सार्वभौमिक कल्याण के साथ-साथ पर्यावरण का पोषण भारतीय दर्शन का मूल है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसा राष्ट्र है जो सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि समग्र मानवता के कल्याण के लिए काम करता है। भारत के हित इसके लोगों के कल्याण और वैश्विक शांति से जुड़े हैं तथा यह आतंकवाद और धार्मिक कट्टरवाद से मिलकर निपटने पर जोर देता है।

पेज एक का शेष

गौतम आडाणी...

प्रतिवादियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकार के अधिकारियों को रिश्वत देने की एक विस्तृत योजना बनाई और गौतम एस अदानी, सागर आर अदानी और विनीत एस जैन ने रिश्वतखोरी योजना के बारे में झूठ बोला क्योंकि वे अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों की घोषणा के बाद श्री पीस ने आगे कहा, मेरा कार्यालय अंतरराष्ट्रीय बाजार में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने और निवेशकों को उन लोगों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है जो हमारे वित्तीय बाजारों की अखंडता की कीमत पर खुद को समृद्ध करना चाहते हैं। न्याय विभाग के आपराधिक प्रभाग की उप सहायक अटॉर्नी जनरल लिसा एच. मिलर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ये अपराध कथित तौर पर वरिष्ठ अधिकारियों और निदेशकों द्वारा भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के माध्यम से अमेरिकी निवेशकों की कीमत पर बड़े पैमाने पर सरकारी ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध प्राप्त करने और वित्तपोषित करने के लिए किए गए थे। आपराधिक प्रभाग भ्रष्ट, भ्रामक और बाधा उत्पन्न करने वाले आचरण पर आक्रामक रूप से मुकदमा चलाना जारी रखेगा जो अमेरिकी कानून का उल्लंघन करता है, चाहे वह दुनिया में कहीं भी हो। अभियोग में गौतम अडानी, सागर अडानी और अडानी समूह के अन्य अधिकारियों पर झूठे और भ्रामक बयानों के आधार पर धन प्राप्त करने की अरबों डॉलर की योजना में उनकी भूमिका के लिए प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी करने की साजिश और महत्वपूर्ण प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। गौतम अडानी के नेतृत्व में, अडानी समूह बुनियादी ढांचे, हरित ऊर्जा, एफएमसीजी, खनन और रसद में रुचि रखने वाले देश के शीर्ष व्यावसायिक समूहों में से एक के रूप में उभरा है।

मोदी की विश्वसनीयता...

लगाये गये आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका में जिस मुकदमे की बात हो रही है, उसमें कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन आदि के आरोपों पर उद्योग समूह जवाब देगा, लेकिन जो आरोप प्रधानमंत्री और सरकार पर लगाये हैं, उनको लेकर कई सवाल खड़े हो गये हैं। उन्होंने श्री गांधी और कांग्रेस को इस मामले को अदालत में ले जाने की चुनौती दी। उन्होंने श्री गांधी से सवाल किया कि अमेरिका में जिस मुकदमे का वह जिक्र कर रहे हैं, उसमें चार राज्यों -तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में उनकी पार्टी की सरकारों ने जो अडाणी समूह से निवेश लिया है, क्या उसमें भी घोटाला हुआ है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन चार राज्यों की बात हो रही है, उनमें कांग्रेस एवं सहयोगी दलों की सरकारें हैं। श्री गांधी कह रहे हैं कि कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अडाणी समूह से समझौता करके निवेश ले रहे हैं, पर अजीब बात है कि पैसा प्रधानमंत्री श्री मोदी के पास जा रहा है। वह यह भी कह रहे हैं कि श्री मोदी की विश्वसनीयता समाप्त हो गयी है। उन्होंने कहा, राहुल जी ने आज बार बार कहा कि मोदी जी की विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है। मोदी जी अडानी के पीछे खड़े हैं, इसलिए उनकी विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर समाप्त हो चुकी है।

विपक्ष ने अदाणी...

अधिकारियों को रिश्वत देकर सौर उर्जा अनुबंध हासिल किए। इस कथित योजना के तहत 2020 से 2024 तक 25 करोड़ डॉलर (करीब 2236 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी गई। अदाणी समूह ने कहा है कि अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोप निराधार हैं, समूह द्वारा सभी कानूनों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। इस मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि अदाणी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि गौतम अदाणी की गिरफ्तारी नहीं होगी, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी तथा अदाणी 'एक' हैं और इसीलिए दोनों 'सेफ' हैं। राहुल गांधी ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में नेता प्रतिपक्ष के रूप में वह और पूरा विपक्ष अदाणी से जुड़े मामले को उठाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच को उनके पद से तत्काल हटाकर जांच शुरू होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब एक शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय व्यवसायी को किसी विदेशी देश द्वारा अभ्यारोपित किया जाता है, तो यह वैश्विक मंच पर हमारी छवि को खराब करता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगातार ऐसे अनैतिक व्यापारिक प्रथाओं का विरोध करती रही है, जो प्रमुख क्षेत्रों में एकाधिकार बनाने और अनुचित लाभ देकर कुछ लोगों के हाथों में धन केंद्रित करने की मोदी सरकार की नीति को लागू करके कुछ व्यक्तियों की मुनाफाखोरी और बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी द्वारा बनाए गए पूंजीपतियों, समझौतावादी नौकरशाहों और कुछ राजनेताओं से जुड़े इस पूरे गठजोड़ की जांच की जानी चाहिए और इसे नष्ट किया जाना चाहिए। खरगे ने दावा किया, ''यह गठजोड़ हमारे लोगों, गरीबों और मध्यम वर्ग, महत्वाकांक्षी उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप और करोड़ों छोटे और मध्यम खुदरा निवेशकों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि यह बचत और अवसरों को छीनकर असमानताओं को बढ़ाता है।' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी अभियोजकों के कदम से मुख्य विपक्षी दल की यह मांग सही साबित होती है कि इस कारोबारी समूह से जुड़े पूरे प्रकरण की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। रमेश ने यह भी कहा कि तत्काल जेपीसी का गठन होना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने कहा, ''अमेरिका द्वारा अदाणी समूह और गौतम अदाणी पर लगाया गया आरोप बेहद गंभीर है। गौतम अदाणी एक उद्योगपति हैं जिनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत करीबी संबंध हैं। विपक्षी लगातार अदाणी समूह के खिलाफ लगे सभी आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। सभी आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेपीसी एकमात्र संस्था है जो इस स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कर सकती हैं। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने कहा, ''यह अब इतना गंभीर हो गया है कि देश की एजेंसियां और प्रभावशाली लोग इस मामले पर पर्दा डालने की लाख कोशिश कर लें, यह बेनकाब हो जाएगा।

अब यूपी में...

पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान और एक्सटेंशन प्रोग्राम जरूरी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को प्रायोगिक रूप सेदिखाया जाए कि नई तकनीकों से खेती में कैसे बदलाव लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जरूरी है। साझेदारी से ही कृषि उत्पादकता को 3-4 गुना तक बढ़ाया जा सकता है। निजी क्षेत्र को इस दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वेराज्य के विकास में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना, जल संसाधनों का सही उपयोग करना और कृषि से जुड़े स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने गेट्स फाउंडेशन, वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में उनके अनुभव और सहयोग से बदलाव की गति तेज हुई है। कॉन्क्लेव में कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, अनिल राजभर, राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव मनोज सिंह व कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्गसमेत कई अधिकारी भी मौजूद थे।

योगी ने देखी...

सरकारों के खिलाफ राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए समाज में वैमनस्यता पैदा करने के लिए देश में जो कृत्य हुए हैं उसे देश की जनता को जानने का अधिकार है। जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं उन चेहरों को पहचानने के साथ-साथ उनका पर्दाफाश करने की भी आवश्यकता है। योगी ने कहा कि फिल्म की टीम ने सत्य उजाकर करने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। फिल्म के माध्यम से वास्तविक सच को एक बड़े रूप में देश के सामने लाने का प्रयास किया गया है। उन्होने कहा मामला अयोध्या से जुड़ा है, मैं घटना में मारे गए सभी राम भक्तों को श्रद्धांजलि देता हूं। इस प्रकार के साहसिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए लोग इस सत्य को अधिक से अधिक देखें। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा की। इसके पहले योगी ने लखनऊ के प्लासियो मॉल के सिनेमाहॉल के ऑडी-07 में पूर्वाह्न 11:30 बजे के शो में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सहित अनेक अनेक जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन के अधिकारियों के साथ फ़िल्म देखी। खास मौके पर फ़िल्म के मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी और फ़िल्म यूनिट से जुड़े लोगों की मौजूदगी रही। इससे पहले, बीते मंगलवार को विक्रांत मैसी ने योगी से भेंट की थी।

सीमाओं पर जवानों ...

इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी डिजाइन है। यह बर्फ, रेगिस्तान, ऊबड़-खाबड़ जमीन, ऊंची सीढ़ियों यहां तक कि पहाड़ी इलाकों में हर बाधा को पार करने में सक्षम बनाता है। रोबोटिक डॉग जवानों को किसी भी नुकसान से बचाते हुए दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी करने में भी सक्षम है। म्यूल डॉग एक मीटर से 10 किलोमीटर की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है। वाई-फाई या लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन यानी एलटीई पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटी दूरी के लिए वाई-फाई का उपयोग किया जा सकता है, जबकि 4जी या एलटीई का उपयोग 10 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किया जा सकता है। इसमें कैमरा लगा होता है जो 360 डिग्री तक घूम सकेगा। रोबोटिक डॉग्स सेंसर्स के माध्यम से काम करते हैं। इनमें एक रिमोट कंट्रोल यूनिट होती है, जिससे इनको मॉनिटर किया जाता है। ये रोबोटिक डॉग्स जरूरी सामान की सेना तक आपूर्ति करेंगे। इन रोबोटिक डॉग्स में हाई रिजॉल्यूशन वाले कैमरे और सेंसर लगे होते हैं, जो छिपे हुए दुश्मन को भी खोज निकालेंगे। रियल टाइम डाटा देंगे। इनके जरिए सेना दुश्मन की हरकतों पर नजर रखेगी।

केजरीवाल पर चलता...

हलफनामे के माध्यम से औपचारिक रूप से इस साक्ष्य को प्रस्तुत करने के अपने इरादे की पुष्टि की। सत्र के दौरान, केजरीवाल के वकील ने तत्काल समीक्षा के लिए दबाव डाला, जिससे शुरू में अदालत ने अगले साल के लिए शुरू में तय की गई सुनवाई की तारीख से पहले की तारीख पर विचार करने पर जोर दिया। मेहता ने स्थिति की जटिलता को उजागर करते हुए स्थगन के लिए आवेदन का जवाब देने के लिए समय मांगा।

बंधुआ मजदूरों की...

उन्होंने रिहा किए गए बंधुआ मजदूरों की संख्या और उन्हें किए गए भुगतान के साथ-साथ जिलावार डेटा संकलित किया है और वह इसे रिकॉर्ड में दर्ज कराएंगे। जब उनसे पूछा गया कि राज्य सरकार बंधुआ मजदूरी को कैसे रोकती है, तो वकील ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में अपनाई जा रही प्रक्रिया को भी रिकॉर्ड पर लाएंगे। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि यह एक अंतर-राज्यीय मुद्दा है, क्योंकि ऐसे मामले हैं, जिनमें बिहार के लोगों को बंधुआ मजदूरी के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया गया था। पीठ ने केंद्र की ओर पेश वकील से पूछा, ''आप एक संघ के रूप में सभी राज्य सरकारों के साथ समन्वय क्यों नहीं करते? शीर्ष अदालत ने कहा कि संबंधित मंत्रालय के सचिव को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने समकक्षों के साथ बैठक करनी चाहिए और सभी पर लागू होने वाला एकीकृत फॉर्मूला तैयार करना चाहिए। पीठ ने आगे कहा कि डिजिटल युग में गुमशुदा बच्चों से संबंधित पोर्टल जैसा ही (बंधुआ मजदूरों के लिए भी) एक अलग पोर्टल होना चाहिए। पीठ ने टिप्पणी की, ''आपको एक एकीकृत प्रक्रिया ढूंढनी होगी।

खैबर पख्तूनख्वा में ...

कहा, वे हमारे प्रांतों में से एक हैं, हमारे देश का एक हिस्सा हैं और हम उन्हें इस हाल में नहीं छोड़ेंगे। हम हरसंभव उनकी मदद करेंगे। इससे पहले, तहसील मुख्यालय अस्पताल अलीज़ई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मुहम्मद इशाक ने कहा कि घायलों के उपचार के लिये जिले के विभिन्न अस्पतालों में और कुछ को पेशावर भेजा जा रहा है। खैबर पख्तून्ख्वा के मुख्य सचिव नदीम अस्लम चौधरी ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने घटना की कड़ी निंदा की और मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया। श्री जरदारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निर्दोष यात्रियों पर हमला करना एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है। उन्होंने कहा कि घटना के लिये जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिये। उन्होंने आग्रह किया कि घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की जाये। खैबर पुख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने घटना की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने मुख्य सचिव, प्रांतीय कानून मंत्री और क्षेत्र के एमएनए और एमपीए के एक प्रतिनिधिमंडल को तुरंत कुर्रम का दौरा करने और व्यक्तिगत रूप से वहां की स्थितियों का आकलन करने और एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। यात्री वाहन पर हमले की अभी तक किसी ने जिम्मदारी नहीं ली है।

सिपाही भर्ती परीक्षा का परिणाम...

को निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए हर संभव प्रबंध सुनिश्चित किये थे। तकनीक की मदद, गोपनीयता, और पुख्ता इंतजामों ने ऐसा व्यूह रचा, जिसने नकल माफिया और साल्वर गैंग के मंसूबों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की अहम भूमिका रही। इसके जरिये परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने में लिए पुख्ता इंतजाम किये गये थे। इसके अलावा न केवल प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को मजबूत किया गया, बल्कि उनकी गोपनीयता भी सुनिश्चित की गई। प्रश्नपत्रों को गोपनीय चिन्हों से सुरक्षित किया गया और मल्टी-लेयर पैकेजिंग की गई ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। योगी सरकार के मजबूत सुरक्षा उपायों ने नकल माफियाओं के मंसूबों को विफल कर दिया और पुलिस भर्ती परीक्षा को एक सफल और निष्पक्ष आयोजन में तब्दील कर दिया। सीएम योगी की सीधी मॉनीटरिंग से देश की सबसे बड़ी परीक्षा में शुमार पुलिस भर्ती परीक्षा पूरे देश में एक मॉडल बन गयी। 48 लाख से अधिक युवाओं की सहभागिता वाली इस परीक्षा में कई नवाचार अपनाए गए। प्रयोग सफल रहे, परिणामतः यह परीक्षा आज शुचितापूर्ण परीक्षाओं के आयोजन के लिए एक मॉडल बन कर उभरी है। परीक्षा में निष्पक्षता को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र की 08 अलग-अलग सीरीज तैयार की गई। यह व्यवस्था इसलिए की गई थी ताकि अगल-बगल बैठे अभ्यर्थियों को अलग-अलग सीरीज के प्रश्नपत्र वितरित किए जा सके। इससे नकल की संभावना को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया। इसके तहत सभी परीक्षा केंद्रों पर एआई सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रांग रूम/कोषागार की व्यवस्था की गई। जिसे सीसीटीवी और जीपीएस से लैस किया गया। पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग करायी गई। उन्हें सोशल मीडिया को लेकर किस तरह से अलर्ट रहना है, इसकी बारीकी से जानकारी दी गयी। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग के 1541 लोगों की सूची तैयार की गयी और परीक्षा शुरू होने से पहले इन पर नकेल कसनी शुरू की गयी। इनमें 12 वर्ष के परीक्षा संबंधी आरोपियों पर विशेष निगरानी की गयी। उत्तर पुस्तिका को सुरक्षित करने के लिए बक्से की टैम्पर प्रूफ मल्टीपल लेयर पैकेजिंग की व्यवस्था की ताकि इससे कोई छेड़छाड़ न हो सके। प्रश्नपत्रों के लिए भी इसे ही अपनाया गया। इसके लिए बोर्ड परीक्षा को लेकर तीन चुनौतियों पर फोकस किया। इनमें टेलीग्राम, आधार प्रमाणीकरण और प्राइवेसी पॉलिसी शामिल है। परीक्षा केंद्रों के चयन एवं अभ्यर्थियों को केन्द्रों के आवंटन में नई व्यवस्था अपनाई गई। केवल शासकीय अथवा वित्तपोषित अशासकीय विद्यालयों को ही केंद्र बनाया गया।

सौंग बांध पेयजल परियोजना शुरू करने के लिए विस्थापन कार्यवाही में लाएं तेजी: सीएम धामी

- दून शहर में प्रतिदिन आपूर्ति होगा 150 एमएलडी पेयजल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की सौंग बांध पेयजल परियोजना पर कार्य शुरू करने के लिए विस्थापन की कार्यवाही जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जमरानी बांध परियोजना के कार्यों में और तेजी लाने को कहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ एक बैठक की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन प्रभावित परिवारों को विस्थापित किया जाना है, उनकी यथासंभव सहमति के आधार पर उन्हें शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जाए।

ने कहा कि प्रभावित परिवारों से बातचीत कर सहमति के आधार पर सामुदायिक भवन, मंदिर, सड़क और अन्य कोई निर्माण करने की आवश्यकता हो तो वह भी किए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, एसएन पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, ललित मोहन रयाल, सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर जयपाल सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सौंग बांध पेयजल परियोजना से देहरादून शहर की लगभग 11 लाख आबादी को प्रतिदिन 150 एमएलडी पेयजल की आपूर्ति होगी। जिससे भूजल स्तर में भी सुधार होगा। बांध के डाउनस्ट्रीम में स्थित 10 गांवों की लगभग 15 हजार आबादी की बाढ़ से सुरक्षा भी होगी। विस्थापित परिवारों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री

माउंट चो ओयू फतेह करने वाली शीतल ने राज्यपाल से की भेंट

- शीतल ने 8 अक्टूबर को चीन में स्थित विश्व की छठी सबसे ऊंचे पर्वत पर फहराया था तिरंगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। युवा पर्वतारोही शीतल ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की।

इस मौके पर राज्यपाल ने शीतल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके जज्बे और हौसले प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। शीतल ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अपनी लगन और मेहनत से कई उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी बेटियों में प्रतिभा और जज्बे की कोई कमी नहीं है, केवल उन्हें सही

मार्गदर्शन की जरूरत है। वे किसी भी मुकाम को हासिल कर सकती हैं। राज्यपाल ने शीतल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि पिथौरागढ़ जिले की निवासी शीतल ने 8 अक्टूबर को दुनिया की छठी सबसे ऊंचे पर्वत चीन में स्थित चोटी माउंट चो ओयू (8,188 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की थी। इससे पहले शीतल ने वर्ष 2019 में एवरेस्ट फतेह की थी। पर्वतारोहण के लिए शीतल तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार, कुमांऊ सम्मान और तीलू रौतली जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं। शीतल के इन कारनामों से उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा है।

उत्तराखंड की भाषाई और साहित्यिक धरोहर को वैश्विक मंच पर लाने की तैयारी, अपनी जड़ों से जुड़ेगी भावी पीढ़ी

- साहित्य और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम
- भाषा संस्थान की नई पहल, साहित्य और भाषाई धरोहर के संरक्षण के लिए तीन नई परियोजनाएं शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान ने राज्य की साहित्यिक और भाषाई विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से तीन नई शोध परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। इन परियोजनाओं को भाषा विभाग के मंत्री सुबोध उनियाल के अनुमोदन के बाद प्रारंभ किया गया है। यह प्रयास राज्य के साहित्य और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

इस संबंध में भाषा विभाग के मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि इन परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएं हैं। उत्तराखण्ड की उच्च हिमालयी एवं जनजातीय भाषाओं का संरक्षण व अध्ययन किया गया तो पता चला कि उत्तराखण्ड की उच्च हिमालयी क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों की विशिष्ट भाषाएं और बोलियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इन भाषाओं के संरक्षण के लिए साहित्य, लोकगीत, परंपरा, उत्सव, खानपान और सांस्कृतिक विरासत का व्यापक अध्ययन किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से कुमाउंनी, गढ़वाली समेत अन्य बोली-भाषाओं को संरक्षित

करने की ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड के मूर्धन्य साहित्यकार पं. गोविन्द बल्लभ पंत ने हिन्दी साहित्य को अद्वितीय योगदान दिया है। उनकी रचित ऐतिहासिक, पौराणिक और साहित्यिक कृतियों का समग्र संग्रह तैयार करने की योजना बनाई गई है। यह पहल उनके साहित्यिक योगदान को सहेजने और इसे व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। भाषा विभाग मंत्री ने बताया कि राज्य के प्रारंभिक साहित्यकारों की धरोहर को बचाने के लिए यह परियोजना शुरू की जा रही है। इसके अंतर्गत प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (जैसे सरस्वती, चांद, माधुरी, धर्मयुग आदि) और देशभर के पुस्तकालयों में संरक्षित दुर्लभ साहित्य को खोजकर उसकी छाया प्रतियां एकत्रित की जाएंगी। इससे उत्तराखण्ड के साहित्यकारों की अप्रकाशित और भूली-बिसरी कृतियों को संरक्षित करने में सहायता मिलेगी। भाषा संस्थान ने इन परियोजनाओं के लिए शोधकर्ताओं और साहित्यकारों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

संस्थान का उद्देश्य उत्तराखण्ड की भाषाई और साहित्यिक धरोहर को संरक्षित करना और इसे वैश्विक मंच तक पहुंचाना है। यह पहल न केवल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने में सहायक होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम भी बनेगी।

पिथौरागढ़ पहुंचे सेना भर्ती के अभ्यर्थी हुए परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून/पिथौरागढ़। सेना में टेरिटोरियल भर्ती के दौरान के लिए बड़ी संख्या में पिथौरागढ़ पहुंचे अभ्यर्थियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा है। स्थानीय प्रशासन की चूक और अन्य राज्यों से तालमेल के अभाव से अभ्यर्थी परेशान हुए। इस संबंध में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि पिथौरागढ़ में 12 नवंबर से 24 नवंबर तक विभिन्न तिथियों में विभिन्न राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए सेना की टेरिटोरियल भर्ती हो रही है। इस भर्ती प्रक्रिया में उत्तराखंड के लिए 113 पद और अन्य राज्यों के लिए 411 पद निर्धारित किए गए थे। उन्होंने बतायाकि अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने पर परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है।

दरअसल,आठ नवंबर को आयोजित एक बैठक में कर्नल उत्तम कुमार सिंह, 111 पैदल वाहिनी (प्रा.से.) कुमाऊं के साथ भर्ती की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कर्नल सिंह ने बताया था कि अन्य

राज्यों के लिए निर्धारित तिथियों में कम भीड़ रहने की संभावना थी, जबकि उत्तराखंड के लिए निर्धारित तिथियों में अधिक अभ्यर्थियों के आने की संभावना थी। इस कारण अतिरिक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता थी। इसी बीच बिहार राज्य के दानापुर में 17 नवंबर को होने वाली भर्ती अचानक निरस्त होने से उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थी भर्ती होने के लिए पिथौरागढ़ पहुंच गए। इस बीच पिथौरागढ़ में अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने पर परिवहन विभाग से अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। अब तक पिथौरागढ़ में लगभग 25 हजार अभ्यर्थी पहुंचे, जिनमें से 18 हजार अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया पूरी करके लौट चुके हैं। प्रशासन ने भर्ती प्रक्रिया की सभी व्यवस्थाओं को युद्धस्तर पर सुनिश्चित किया और स्थानीय विद्यालयों में रात्रि विश्राम की व्यवस्था की। अतिरिक्त वाहनों के माध्यम से अभ्यर्थियों को पिथौरागढ़ से वापस टनकपुर भेजने की व्यवस्था की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ की गई है और सभी स्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और भर्ती प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।

नाली बंद: सड़क पर बह रहा गंदा पानी, लोगों को आवागमन करने में हो रही परेशानी

गोपेश्वर। चमोली जिले के पोखरी में पेट्रोल पंप के समीप दो महीने से नाली बंद होने के कारण गन्दा पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे सड़क तो क्षतिग्रस्त हो रही है आने जाने वाले लोगों को भी इससे भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर मुख्यमंत्री प्रदेश की सड़कों को गड्डा मुक्त करने के लिए निर्देशित कर रहें है, वहीं दूसरी ओर अधिकारी सड़कों को गड्डा मुक्त करने में दिलचस्पी नही ले रहें हैं। नगर पंचायत पोखरी के अधिशासी अधिकारी बीना नेगी का कहना है कि लोक निर्माण विभाग की सड़क के किनारे नाली के क्षतिग्रस्त होने के कारण नगर पंचायत को साफ सफाई करने में परेशानी हो रही है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ने भी लोकनिर्माण विभाग को नालियां सही करने के निर्देश दिए थे, लेकिन लोकनिर्माण विभाग ने अभी तक नालियों का काम शुरू नहीं किया है जिसके कारण नालियों का पानी सड़क पर जा रहा है। नगरवासियों को आवागमन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अब रात 12 बजे तक चालू रहेंगे देहरादून के ट्रैफिक सिग्नल, हर चौक पर बनेंगे स्पीड ब्रेकर

- ओएनजीसी चौक हादसे के बाद दून पुलिस का बड़ा फैसला
- देहरादून में यातायात नियमों में बदलाव, सिग्नल का समय बढ़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नगर के ओएनजीसी चौक में हाल ही में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब रात 12 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल चालू रहेंगे।

इसके अलावा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हर प्रमुख चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने गुरुवार को बताया कि यातायात की सुरक्षा को देखते हुए अब रात 12 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल चालू रहेंगे। साथ ही, प्रत्येक चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाए जा रहे हैं, ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क हादसों की संख्या को कम करने में मदद मिलेगी। दरअसल, ओएनजीसी चौक पर दर्दनाक सड़क हादसे से यातायात नियमों की खामियां सामने आई थीं। इस घटना के बाद दून पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए सिग्नल की समय सीमा को बढ़ा दिया है। अब रात 10 बजे के बजाय ट्रैफिक सिग्नल रात 12 बजे तक काम करेंगे। इसके अलावा, हर चौक-चौराहे पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे, जिससे तेज गति से चलने वाले वाहनों पर नियंत्रण पाया जा सके।

यूट्यूबर व बिग बॉस शो के भागीदार अरमान मलिक ने हरिद्वार में किया हंगामा, पुलिस ने दी हिदायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। यूट्यूबर और बिग बास शो में भागीदार रहे अरमान मलिक ने हरिद्वार पहुंचकर अन्य यूट्यूबर सौरभ के घर पहुंच कर हंगामा किया। इसके बाद ज्वालापुर पुलिस ने दो पक्षों को बुलाकर पूछताछ की और अरमान को कड़ी हिदायत दी। दरअसल, हरिद्वार के यूट्यूबर सौरभ ने अपने चैनल पर अरमान मलिक पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे नाराज होकर अरमान मलिक अपने साथियों को साथ लेकर ज्वालापुर के खन्नानगर स्थित सौरभ के घर पहुंच गया और वहां हंगामा किया। सौरभ का आरोप है कि उसके साथ मारपीट भी की गईं। मामला पुलिस तक पहुंचा तो पुलिस ने दोनों पक्षों को रेल पुलिस चौकी बुलाकर पूछताछ की। पूछताछ

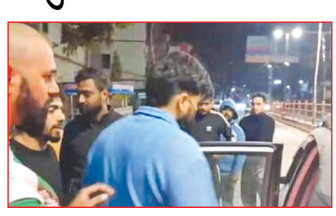

में अरमान मलिक ने बताया कि सौरभ ने उसके परिवार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। पुलिस ने घर में घुसकर गुंडागर्दी करने पर अरमान मलिक को कड़ी चेतावनी दी। हालांकि पुलिस ने कोई कानूनी कार्रवाई ना करते हुए दोनों पक्षों के बीच समझौता करवा कर मामला निपटा दिया। ज्वालापुर रेल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आरके पटवाल ने बताया कि दो यूट्यूबरों के बीच वीडियो में अभद्र टिप्पणियों को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों को कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया गया है।

चूरा पोस्त तस्करी मामले में दो और अंतरराज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार

जालंधर। अंतरराज्यीय नशा रैकेट में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुये जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने चूरा पोस्त की तस्करी में शामिल दो और व्यक्तियों को एक क्विंटल 40 किलोग्राम चूरा पोस्त तथा एक देशी पिस्तौल और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने गुरुवार को बताया कि कमिश्नरेट पुलिस ने पहले तीन आरोपियों गुरअवतार सिंह उर्फ ??तारी, देस राज और दलेर सिंह उर्फ ??दलोरा को 14 क्विंटल चूरापोस्त के साथ गिरफ्तार किया था । उन्होंने बताया कि जांच के दौरान दो और आरोपियों जोगा सिंह पुत्र कुलदीप सिंह निवासी कस्बा मोहल्ला मेहतपुर जालंधर तथा उसके साथी लक्की पुत्र अजमेर सिंह निवासी गांव मंड चौंटा थाना कूम कलां लुधियाना की पहचान हुई जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अब तक उक्त मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा कुल 15 क्विंटल 40 किलो चूरा पोस्त, दो वाहन, एक देशी पिस्तौल और एक कारतूस जब्त किया गया है।

वाण गांव की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी से मिले ग्रामीण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। चमोली जिले के देवाल विकास के वाण के ग्रामीण गुरुवार को क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी चमोली से मिले तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा।

पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य हीरा सिंह पहाड़ी ने बताया कि लंबे समय से इंटर कालेज वाण में प्रधानाचार्य का पद रिक्त चल रहा है, वहीं विद्यालय का भवन भी अभी तक नहीं बन पाया है। साथ विद्यालय में हिंदी, संस्कृत प्रवक्ताओं व एलटी में कला, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, संस्कृत ?के सहायक अध्यापक के पद रिक्त चल रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय भिडिंग, भराड में भी अध्यापक मानकों के अनुसार नहीं है। प्राथमिक से इंटर कालेज में वर्षों से रिक्त अध्यापकों के पदों को भरने, रणकधार से आली बुग्याल

तक रोप-वे का निर्माण करने, लोहाजंग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने, 2026 में प्रस्तावित नंदा राजजात यात्रा मार्ग पर सुविधाओ से जोड़ने, वाण गांव में खेल का मैदान बनाने को लेकर क्षेत्रीय जनता लगातार मांग करती आ रही है लेकिन उनकी मांगों का अभी तक समाधान नहीं निकल पाया है। उन्होंने जिलाधिकारी से उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष भगत सिंह, गबर सिंह, मोहन सिंह आदि मौजूद थे।

अमृतसर में तीन तस्करों को गिरफ्तार कर छह किलो से अधिक हेरोइन बरामद की

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर पुलिस ने सीमा पार नार्को-तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 6.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि तस्करी नेटवर्क पाकिस्तान से मादक पदार्थ लाने के लिए ड्रोन का सहारा लेते थे, जिसमें आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों से सीधे संपर्क में थे। श्री यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध और ड्रग तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई में दृढ़ता से लड़ रही है। नेटवर्क के सभी लिंकेज को उजागर करने और उन्हें खत्म करने के लिए गहन जांच पड़ताल चल रही है।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा पर ड्रोन बरामद किया

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने गुरुवार को सीमा पार से एक और अवैध ड्रोन घुसपैठ को विफल कर दिया। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि सीमा पर बाड़ के आगे गश्त कर रहे बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के धनोआ खुर्द गांव के पास डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन को देखा और जब्त कर लिया। माना जा रहा है कि सीमा पर तैनात तकनीकी जवाबी उपायों के सक्रिय होने के कारण ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063